श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

वर्ष 01 अंक -7

जनवरी 2024

कहि न जाइ कछु नगर बिभूती। जनु एतनिअ बिरंचि करतूती।।
सब बिधि सब पुर लोग सुखारी। रामचंद मुख चंदु निहारी।।

नव निर्मित राम जन्म भूमि

नव वर्ष 2024 एवं

श्री राम जन्म भूमि मंदिर निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा की

हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

समाजसेवी– रामनिवास चतुर्वेदी

प्रॉपर्टी डीलर सबलगढ़, जिला– मुरैना (म0 प्र0)

महासचिव – श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद मध्यप्रदेश

मोबा0नं0 9893061527

नव वर्ष 2024 एवं

श्री राम जन्म भूमि मंदिर निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा की

हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

बृजमोहन चतुर्वेदी

प्रमुख राष्ट्रीय संरक्षक

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद, मुम्बई

मोबा0नं0 9821012133

Reg. No-AAWCA0902GF20229
BANK A/C No-4022002100016466
IFSC Code - PUNB0402200

Mob-9311006052
Email-ashokchaturvedi53@gmail.com

ASHOK HARISH CHAND FOUNDATION

TO RUN PROJECT-SENIOR CITIZEN, CHILD EDUCATION, HEALTH
Business Associate: SMC Global Securities Ltd (Deal in Share Market)
Insurance Advisor: HDFC Life Insurance Company Ltd
(Agency Code-HDF00484401)
General Insurance Advisor: New India Insurance Company Ltd
(Agency Code-AG00066425)
Health Insurance Advisor: Care Health Company Ltd (HP Code-RLH20514819)

Add - B-50 BALRAM NAGAR P.O LONI DIST. GHAZIABAD - 201102

AAA BROTHERS

SMC GLOBAL SECURITIES LTD.

ANKIT CHATURVEDI
Port Folio Management
& Technical Research Analyst

MOBILE NO: 9818478765
EMAIL ID: ankitchat@yahoo.com
Website: www.smcindiaonline.com

AXIS SECURITES LTD.

SURABHI CHATURVEDI
Authorised Person of Axis Securities Ltd.
BSE APO1316301144248
NSE AP2064005841

MOBILE NO: 9971045486
EMAIL ID: joychonu@gmail.com
Website: www.axisdirect.in

Services:- Equities, Commodities, online share trading, mutual funds, IPOs, FDs, Insurance Broking, Investment Banking, PMS & Wealth Advisory

BUSINESS LEADER

- PNB MetLife Life Insurance Co. Ltd.
- HDFC Life Insurance Co. Ltd.
- BIRLA SUN Life Insurance Co. Ltd.
- BHARTIA AXA Life Insurance Co. Ltd.
- TATA AIA Life Insurance Co. Ltd.
- LIFE Insurance Corporation of India.

Office Address: B-50 BALRAM NAGAR, P.O. LONI-DIST. GHAZIABAD - 201102

नव वर्ष 2024 एवं

श्री राम जन्म भूमि मंदिर निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा की

हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

जय माँ बागवाली कृषि सेवा केन्द्र

हमारे यहाँ खाद, बीज, सीमेन्ट, सरिया, गिट्टी,
मरम रेत के थोक एवं खेरीज विक्रेता

जानकी प्रसाद चतुर्वेदी
अध्यक्ष- श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद
जिला-मुरैना

हरेंद्र कुमार चतुर्वेदी
प्रोप्राइटर/पत्रकार
(M) : 7354823417, 9340078046

पता- देवा मन्दिर रोड, रामपुर कला, सबलगढ़ जिला-मुरैना (म.प्र.)

अंक– 7
सितम्बर जनवरी–2024 वर्ष– 01

सभापति
नीरज चतुर्वेदी
मो0नं0 8529120404
Email- neeraj1965bjp@gmail.com
महामंत्री
प्रणव चतुर्वेदी (चेतन) (संगठन, कानपुर)
मो0नं0 9935533719
श्री निशीथ चतुर्वेदी, डबरा
मो0नं09977441400
श्री रोहित चतुर्वेदी
मो0नं0 9358111333
कोषाध्यक्ष
भारत चतुर्वेदी (कानपुर)
मो0नं0 9792115115
सम्पादक सलाहकार मण्डल
निशीथ चतुर्वेदी,
तरुण चतुर्वेदी भोपाल
सम्पादक
अतुल वी0 एन0 चतुर्वेदी
मो0नं0 9412320994 (Whatsup No.)
Email: editor.magazine2023@gmail.com
पत्रिका से सम्बन्धित पत्र व्यवहार का पता–
237, सिविल लाइन्स इटावा

नोट– पत्रिका में प्रकाशित सामग्री लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं इसमें सम्पादक का कोई विधिक उत्तरदायित्व नहीं है। सभी विवादों के निस्तारण का न्याय क्षेत्र जयपुर राजस्थान होगा।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

* सभापति की कलम से 8
* महामंत्री की कलम से 9–10
* संपादकीय 11–12
* 21वीं में सदी भव्य आकार लेती पुरातन अयोध्या 13–17
* ऐतिहासिक भदावर यात्रा 18–23
* मेरी भदावर यात्रा 24–28
* भदावर दर्शन यात्रा 2024 29–35
* द्वादश राशियों का 2024 वर्ष फल 36–39
* श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद गठन पर मेरे अनुभव 40–42
* महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारिणी 43–46
* छत्तीसगढ़ दीपावली मिलन 47
* कोटा दीपावली मिलन 48
* राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी बैठक 49–50
* आवश्यक सूचना 51
* युवा महापरिषद की वर्चुल बैठक 52
* भदावर दर्शन यात्रा में सम्मानित सदस्यों की सूची 53–57
* कवितायें 58–59
* आरती 60
* शोक संवेदानायें 61–62
* गौरव के पल 63

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के लिए सभापति नीरज चतुर्वेदी द्वारा मुद्रक एच0आर0 एन्टरप्राइजेज द्वारा प्रकाशित संपादक– अतुल वी.एन. चतुर्वेदी

नीरज चतुर्वेदी
सभापति

सभापति की कलम से

हम भदावर यात्रा के अच्छे अनुभव के साथ समाज को मूर्त रूप से जोड़ने की दिशा में आगे बढ रहें है। 2023 की कड़बाहट को भुलाकर एक नए संकल्प को 2024 में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित रहेगा।

हमारा समाज अन्य समाजों की तुलना में अधिक ज्यादा अग्रणी नजर आये। ये हम सब की इस बर्ष प्रार्थमिकता हो। 7 गौत्र 64 अल्ल के श्री माथुर चतुर्वेदी समुदाय के साथ हम संख्यात्मक रूप से आगे बढ़ रहें है इसमें कोई संदेह नहीं है। 1 बर्ष के 'महापरिषद' के कार्यकाल में हम ने टीम वर्क किया है। वैचारिक रूप से सबका समर्पण भाव और सहयोग ही महापरिषद की शक्ति का प्रतीक रहा है।

हम युवा, महिलाओं को समाज की प्रथम पंक्ति में खड़ा करना चाहते हैं। इस दिशा में हम सफलता की ओर आगे भी बढ़े हैं।

मेरी सोच है अपना समाज बृहद हो, सबकी संगठन में किसी ना किसी रूप में भागीदारी सुनिश्चित हो। सब मिलकर एक दूसरे की चिंता अवश्य करें। 'महापरिषद' एक संगठन नही आप सबका अपना परिवार है। हम तुम एक दूसरे के सुख दुख के साथी नहीं सारथी बने तो समाज समान रूप से नजर आयेगा। इसी भावना के साथ आओ मिलकर कदम से कदम मिलाकर साथ चलेंगे तो जमाना देखेगा।

सामाजिक गतिविधियों के लिए समाज को जागृत करने के लिए संस्थाएं कई हो सकती है? हमें इनसे कोई परहेज नहीं, सब अपनी अपनी सोच और कार्ययोजनाओं से सिर्फ और सिर्फ अपने समाज कल्याण हित में कार्य करें। और किसी भी संस्था के अच्छे कार्यों का दिल खोलकर स्वागत भी करें। मेरा मानना है कि हम एक दूसरे की आलोचना में अपना वक्त जाया ना करें तो अपने परिवार अपने समाज अपने देश के लिए श्रेयकर परिणाम दे सकतें है।

महापरिषद विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत समाज के युवाओं ,महिलाओं , और प्रबुद्ध जनों का सेमीनार आयोजित कर सामाजिक उन्नति की दिशा में मार्गदर्शन लेकर,नए वर्ष में नई सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए कृत संकल्पित है ।

2024 में शहर गांव जहां भी कोने,कोने में एक भी चतुर्वेदी भाई/बहन निवास कर रहा हो, हमें उनको अपने साथ जोड़कर सामाजिक धारा में लाना है। उन्हे महापरिषद परिवार का हिस्सा बनाना है।

हर परिवार से एक सदस्य हो अपना, यही है महापरिषद का सपना।

आओ सामाजिक एकता के लिए इस संकल्प के साथ आगे बढ़ें।।

पालागन।

प्रणव चतुर्वेदी 'चेतन'
राष्ट्रीय महामंत्री संगठन

महामंत्री की कलम से

सभी को सादर पालागन एवं

जय श्री कृष्णा।

विगत भदावर यात्रा के सामाजिक संगम के उत्साह और रोमांच का अनुभव समस्त उपस्थित सदस्यों को अपने पूर्वजों के पूज्यनीय स्थानों का हुआ। विभिन्न ग्रामों में यात्रा के दौरान बहुत सुखद अनुभव को समाज के सदस्यों को विस्मृत करना बहुत दुर्लभ होगा। सभी ग्रामों में स्नेह, शुभकामनाओं के साथ आशीर्वाद प्राप्त करके गौरव और आत्मीयता के अनुभव को शब्दों में शायद लिखना सम्भव नहीं है। मैं सभी के प्रति कृतज्ञता से आभार व्यक्त करता हूँ। ये एक ऐतिहासिक पल थे पुनः इस प्रकार के कार्यक्रम की सदैव प्रतीक्षा रहेगी।

साथ अपने सम्पूर्ण समाज को 2024 के नव वर्ष आगमन की शुभ कामनाये एवं बधाई प्रेषित करता हूं साथ ही प्रयास रहेगा कि आगामी वर्ष में श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद समाज के सहयोग से अन्य समाज उपयोगी कार्यों में अपने योगदान को सुनिश्चित करते हुऐ उन्हें प्रतिपादित करेगी।

सभी को पुनः सादर पालागन सहित आभार।

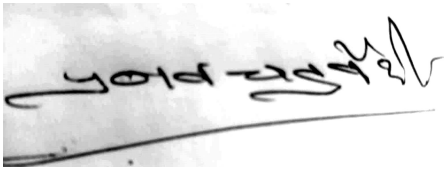

निशीथ चतुर्वेदी
राष्ट्रीय महामंत्री

महामंत्री की कलम से

प्रिय बंधु सादर पालागन।

नवीन कैलेंडर वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं कैलेंडर वर्ष इसलिए कहा क्योंकि हम सनातन धर्मियों का नव वर्ष गुड़ी पड़वा के दिन से आता है श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद द्वारा आयोजित भदावरर दर्शन यात्रा की सफलता के लिए आप सभी के साथ–साथ श्री हीरालाल पांडे जी यात्रा संयोजक एवं महापरिषद सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी को बहुत–बहुत बधाई यह यात्रा अपने आप में एक अभूतपूर्व आयोजन था यात्रा जितनी सफल हुई उसकी उम्मीद शायद हम में से किसी को नहीं थी यात्रा के साथ–साथ अपने वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान कर जो आनंद प्राप्त हुआ उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती यात्रा में लगभग 65 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ यात्रा में बटेश्वर ,होलीपुरा, चंद्रपुर, पिनाहट, कछपुरा, कमतरी , तालगांव, पुरा कन्हैरा , नाहटौली, बाह , मई, बिजकौली, जसवंत नगर, इटावा के दर्शन से आत्मिक खुशी हुई।

यात्रा व्यवस्था में श्री हिमांशु चतुर्वेदी, श्री सुनील चतुर्वेदी, श्री राकेश पाठक, भाई सप्पी चतुर्वेदी एवं जैसा नाम वैसा काम सिद्धांत को सार्थक करते हुए कैस्त कोठी जसवन्तनगर पर भाई श्री ऋषिकांत चतुर्वेदी जी के पूरे परिवार ने जो अपनापन व प्यार सम्मान दिया उसे भुलाना सम्भव नहीं है यात्रा के अन्त में इटावा में श्री अतुल वी एन चतुर्वेदी एवं उनकी धर्मपत्नी विनीता जी एवं उनकी टीम द्वारा जो व्यवस्था की गई उससे मन गदगद हो गया। जितनी शानदार यात्रा की शुरुआत उसी के अनुरुप समापन ने यात्रा को यादगार बना दिया यात्रा के मध्य हर गांव में एसा लग रहा था जैसे हम सब अपने परिवार जन के बीच आ गए हैं।

इस सम्पूर्ण यात्रा को जीवन्त बनाने में अनेक बन्धुओं का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से योगदान रहा सभी का नाम लेना सम्भव नहीं साथ ही वे सभी सहयात्री जो यात्रा में शामिल रहे उन सभी का आभार।

आशा है शीघ्र ही हम सभी इसी प्रकार की एक और यात्रा कर पाएंगे और जो बांधव इस यात्रा में किन्हीं कारणों से सम्मिलित नहीं हो पाए अगली बार सहयात्री बनकर यात्रा का आनन्द लेंगे। एक बार पुनः यात्रा के सभी सहभागियों का धन्यवाद एवं आयोजन समिति का बहुत बहुत आभार।

आपका

अतुल वी एन चतुर्वेदी

श्री राम जन्म भूमि मंदिर निर्माण, प्राण प्रतिष्ठा एवं वैश्विक नव वर्ष 2024 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।
पत्रिका पर आने वाले खर्च और समाज के द्वारा मिलने वाले सहयोग में काफी अंतर होने की वजह से पत्रिका को त्रैमासिक रूप से निकलने पर विवश होना पड़ रहा है। अगला अंक मार्च में प्रकाशित होगा जो कि'बसंत पंचमी' अंक होगा इसलिए सभी युवा साथी महिलाएं अपना अपना सहयोग अवश्य दें। महापरिषद की चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में आप सबको वितरित किया जाएगा।

संपादक की कलम से...

सभी को यथायोग्य पालागन,

'' कौन कहता है कि आसमां मे सुराख हो नहीं सकता
एक पत्थर तो जरा तबियत से उछालो यारो''

कलमकारों के प्रातः स्मरणीय यशस्वी साहित्यकार ''दुष्यंत'' जी ने जब ये लिखा होगा तब शायद उनकी कल्पना में भी न रहा होगा कि उनके शब्द उनके बाद भी कितनी पीढ़ियों को पड़े से उठ खड़े होने की प्रेरणा प्रदान करेंगे।

प्रसंगवश उनका स्मरण इसलिये भी कि श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के गठन की संकल्पना हुई, बैठकें होने लगी, विचार विनिमय का क्रम आरम्भ हुआ, जिलों प्रान्तों में जनगणना प्रारम्भ हुई, जिलों और प्रान्तों में गठन की प्रक्रिया ने आनंदित किया। संगठन में एक से बढ़कर एक विचारशील मनीषियों, साहित्य हस्ताक्षरों, विभिन्न क्षेत्रों के कर्मठ यशस्वी महानुभावों के जुड़ते जाने से सभी में उमंग उत्साह और कुछ नया करने और अपनी गौरवशाली विरासतों को सहेजने, पूर्वजों के कठिन संघर्ष की याद करने, उनके तप त्याग से प्रेरणा लेने की समूहगत जिजीविषा जब नजर आई तो लगभग तय हो गया कि अब हम अंधकार से प्रकाश की ओर देखने की गरज से खड़े हो रहे हैं और अब हम चलेंगे भी।

तभी पत्रिका प्रकाशन का विचार आया। सहमति बनी और हमारे लिये तो यह अकल्पनीय सा लगने वाला विचार मूर्त रूप लेने लगा और सचमुच आठवां आश्चर्य जैसा ही कहें कि आप सब के स्नेह सहयोग और शुभाषीशों के बल पर न्यूनतम साधनों और अल्पतम सहयोग के बावजूद हम सब अपनी पत्रिका के 6 अंकों का अवलोकन करने में समर्थ हो सके, जिसकी प्रेरणा स्वरूप जो सामूहिक आनंदाभूति यात्रा में पधारे लोगों के चेहरों पर नज़र आई वह सचमुच अविस्मरणीय और आहलादित करने वाली है।

समस्त भारत में निवासित अनजान से बिखरे हुये रत्नों पर से समय के थपेड़ों की धूल गर्द साफ हुई तो वे सब अमूल्य रत्न अपनी दिव्य आभा प्रस्फुटित करते नज़र आये जो इस यात्रा की सर्वोत्तम उपलब्धि रही।

गुलामी काल में दीर्घ काल तक भोगी गई पीड़ा यंत्रणा के बावजूद हमारे पूर्वजों

के तप का ही प्रतिफल है कि उनके वंशज स्वरूप हम अपने पुरातन सत्य सनातन की जड़ों से जुड़े रहे और आज भी उनका रक्त हमें अपने आप से, अपनों से, अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा देता है, साधन सुविधायें देता है और नई राह के निर्माण का हौसला देता है। साथ ही विचलित न होने, मार्ग से भटकने, कुमार्ग पथगामी होने, सदाचार त्यागने, आखद्य भक्षण की इजाजत भी कतई नहीं देता।

पत्रकारिता क्षेत्र में दशकों तक समाज राष्ट्र की सेवा पथ पर मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि कभी जाति धर्म पर भी सेवा का अवसर मिलेगा। महान व्यक्तित्वों को सुनने उनमें और उनका स्नेहिल स्पर्श और आशीष प्राप्त करने का भी सौभाग्य मुझे मिलेगा। वे महानुभाव विभूतियाँ धन्य हो जिन्होने मुझे इस सेवा का अवसर प्रदान किया, जिनके प्रति आत्मिक रूप से मैं कृतज्ञ हूँ।

भदावर दर्शन यात्रा मार्ग–यथा बटेश्वर, चन्द्रपुर, कछपुरा, कमतरी, नाहटोली, बाह, होलीपुरा, मई, बिजकौली, पुरा कन्हैरा, तालगांव, पिनाहट, पारना, हथकांत, जसवन्तनगर, कैस्थ कोठी और इटावा तक की इस सामूहिक प्रथम यात्रा में 22 राज्यों के 50 शहरों से पधारे लगभग 500 बुजुर्ग युवा महिलायें बच्चे जब चहकते हुये, आनन्द मग्न होते हुये भी अपने पूर्वजों की जड़ों और माटी को नमन करते नजर आये तो मात्र उनके दर्शन से ही यह जीवन धन्य हो गया।

वरना आज के वैश्विक भोगवादी, बाजारवादी संस्कृति में पलते पढ़ते लोगों में यह चेतना जीवन्त स्वरूप में बची ही कहाँ है कि लोग अपने जीवित माँ–बाप के लिये भी समय निकालें। यह कोई कम आठवां आश्चर्य है कि सैकड़ों साल पूर्व विस्थापित स्वनाम धन्य पूर्वजों के संस्कारवान वंशज सैकड़ों वर्ष बाद अपने पूर्वजों की धन्य धरा को नमन करने पधारें और खुद के सौभाग्य पर गर्व करें। ईश्वर हम सबके रक्त वंशजों में इसी कृतज्ञता भाव की रक्षा करे, यही प्रार्थना है।

इस ऐतिहासिक सफल यात्रा के अनुभव, चित्र, यात्रा वृतान्त और आन्तरिक अनुभूतियाँ महीनों तक लोगों को लिखने की प्रेरणा देंगीं, हम प्रकाशन के लिये उनका इन्तजार करेंगे।

फिलहाल आने वालों को प्रणाम, असुविधाओं के लिये सभी आयोजकों की ओर से क्षमा प्रार्थना के साथ विनम्र अपेक्षा कि जो नहीं आ पाये, वे भी आने का मन बनायें, सिलसिला चलता रहे। इटावा में समापन कार्यक्रम के लिये मैं अपने सभी सहयोगियों एवं विशेष तौर पर श्रीमती पलक चतर्वुदी, श्रीमती देवयानी चतुर्वेदी का आभार व्यक्त करता हूँ।

पूर्वजों का आशीष प्रताप, पुण्य धरा सभी की चतुर्दिक प्रगति में सहायक हो, इसी प्रार्थना के साथ– सादर पालागन।

विनयवत्–

आपका अपना

–संपादक

इक्कीसवीं सदी में भव्य आकार लेती पुरातन अयोध्या

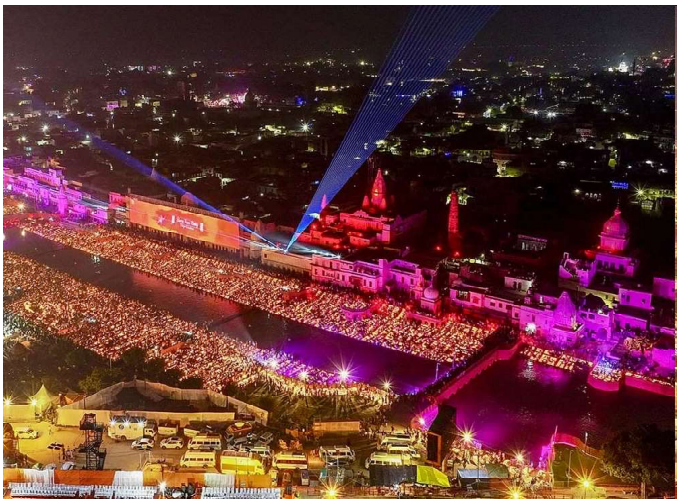

छः साल पहले योगी सरकार आने के बाद अयोध्या की तस्वीर बदलनी शुरू हुई। फैजाबाद जिला और कमिश्नरी हेडक्वार्टर का नाम हटा कर अयोध्या को यह दर्जा दे दिया गया। साथ ही अयोध्या के नाम पर निगम और विकास प्राधिकरण के नाम बदल दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद साल 2020 में राम मंदिर के निर्माण की शुरुआत हुई। रामजन्म भूमि परिसर कभी 70 एकड़ का था। आज रामजन्म भूमि परिसर करीब 100 एकड़ में विस्तारित हो चुका है। विशाल परिसर की पूरी तरह सफाई कराने के बाद उसमें से दो एकड़ जमीन को मंदिर के लिए चुना गया। हजारों करोड़ की लागत से बनने वाले इस नए राम मंदिर के सज सज्जा अब अपने अंतिम चरण में है।

इस समय करीब 30 हजार करोड़ की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। देश और विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के रुकने के लिए 15 नए होटल बन रहे हैं। साथ ही 32 होटल लाइसेंस पाने की प्रकिया पूरी कर रहे हैं। इसके अलावा अन्य छोटे होटल रेस्टोरेंट गेस्ट हाउस, होम स्टे और धर्मशालाएं भी बन रही हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले सारे काम पूरे हो जाएंगे। राममंदिर के निर्माण के साथ जिस तरह से अयोध्या में देर भर के श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ी है, उससे मंदिर ट्रस्ट और प्रशासन को अनुमान है कि अगले दो सालों में रोजाना डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचने लगेंगे। बाहर से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं।

डबल इंजन की सरकार में परिवर्तन की मुहिमः–

छः साल पहले योगी सरकार आने के बाद अयोध्या की तस्वीर बदलनी शुरू हुई। फैजाबाद जिला और कमिश्नरी हेडक्वार्टर का नाम हटा कर अयोध्या को यह दर्जा दे दिया गया। साथ ही अयोध्या के नाम पर निगम और विकास प्राधिकरण के नाम बदल दिए गए। यहां तक कि केंद्र सरकार के संस्थान फैजाबाद रेलवे स्टेशन और फैजाबाद डाकघर के नाम भी अयोध्या कैंट और अयोध्या डाकघर कर दिए गए। बीजेपी की डबल इंजन की सरकार के दौरान अयोध्या परिवर्तन की मुहिम यहीं नहीं रुकी।

अयोध्या की बदल रही तस्वीरः–

अयोध्या के भव्य राम मंदिर के निर्माण के साथ अयोध्या की तस्वीर बदल रही है। केंद्र की मोदी सरकार और यूपी की योगी सरकार दोनों के फोकस में अयोध्या है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर अयोध्या में 30,000 करोड़ से भी ज्यादा के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट शुरू कर चुके हैं। जब से राम मंदिर के निर्माण का कार्य शुरू हुआ है और एक अस्थाई स्थान पर रामलला की मूर्ति रखी गई है, तब से दर्शन करने वालों का तांता लगा हुआ है। अयोध्या को विश्वस्तरीय नगरी बनाने के काम के साथ पूरे पूर्वांचल का भी विकास हो रहा है। कुछ व्यापारी अव्यवस्थित हुए। उनका व्यापार प्रभावित हुआ फिर भी यहां के व्यापारी और नागरिक प्रसन्न है। दिन रात काम चल रहा है। नित नित नव अयोध्या का स्वरूप निखर रहा है। शहर में स्वच्छता बढ़ा है, गलियां साफ हैं। आए दिन प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आ रहे हैं, तो निश्चित रूप से उसका लाभ वहां के स्थानीय लोगों को मिल रहा है। हां बाहर के श्रद्धालुओं पर पाबंदियां जरूर खलती है। इक्कीसवीं सदी की नव अयोध्या रोज का रोज बदलती जा रही है।

परिवर्तन को तरस रही अयोध्या का द्रुत गति से विकासः–

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त, 2020 को अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी थी। देश का राजनीतिक परिदृश्य परिवर्तित कर देने वाली अयोध्या 500 साल से परिवर्तन को तरस रही थी। पीढ़ियों का संघर्ष अब मंदिर निर्माण के रूप में फलित हो रहा है। मात्र चार वर्ष में ही अयोध्या विकास के उस पथ पर अग्रसर है, जिसकी कल्पना मुदित करती है। संकरी गलियों के जाल से मुक्त राम लला के दरबार का विस्तार हो चुका है। कभी जेल नुमा रास्तों से राम लला के दरबार में पहुंचना पड़ता था। वर्तमान में 90 फीट चौड़ा आधुनिक सुविधाओं से युक्त पथ आस्था की राह सुगम कर रहा है।

रामनगरी हर उस सुविधा से सुसज्जित हो रही है जो उसकी गरिमा के अनुकूल है। यहां के संत तो यहां तक कहते हैं कि अयोध्या का सुंदरीकरण या तो महाराज विक्रमादित्य ने कराया था, या फिर अब मोदी और योगी के युग में हो रहा है।

राम के आगमन जैसा उल्लासः–

रामचरित मानस की यह पंक्ति यहां साकार रूप ले रही है–

अवधपुरी प्रभु आवत जानी, भई सकल सोभा कै खानी।

लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम जब अयोध्या लौट रहे थे, तब उनके आगमन की खुशी में रामनगरी इस तरह सजाई गई कि शोभा की खान हो गई थी। 22 जनवरी को राम लला की नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा है। अयोध्या में इसका उल्लास भगवान राम के आगमन जैसा ही है।

जिस अयोध्या को कभी श्रीराम ने वैकुंठ से भी प्रिय बताया था, उसने विकास की वैसी प्रतीक्षा की है, जैसी उसने त्रेता में वनवास पर गए अपने राम के लिए की थी। सरकार के प्रयासों से रामनगरी को इस तरह सजाया और संवारा जा रहा है, जो निकट भविष्य में पूरी दुनिया को आकर्षित करेगी।

राम की भव्य पैड़ीः–

गंदे नाले में तब्दील हो चुकी राम की पैड़ी को करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से सजाया गया है। यह अब आस्था के साथ पर्यटन का केंद्र बन चुकी है। यहां के पंपिंग स्टेशनों की क्षमता बढ़ाई गई है। हर शाम लेजर शो व लाइट एंड साउंड सिस्टम शो के जरिये रामकथा की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र होती है। रोज की शाम कुछ नया लुक दे रही है।

मठ–मंदिरों की भी आभा लौट रही हैः–

रामनगरी की समृद्ध स्थापत्यकला व प्राचीनता के गवाह मठ–मंदिरों की भी आभा लौट रही है। करीब 65 करोड़ की लागत से रामनगरी के 37 प्राचीन मंदिरों का सुंदरीकरण कराया जा रहा है। अगले कुछ ही महीनों में ये मंदिर भक्तों को आकर्षित करते नजर आएंगे।

सौर ऊर्जा और पार्किंग में वृद्धिः–

बदलती अयोध्या में रामनगरी की गलियों को भी चमकाया जा रहा है। 73 करोड़ की लागत से अयोध्या धाम के 15 वार्डों की गलियों को सौर ऊर्जा से जगमग करने की योजना पर काम शुरू हो चुका है। अयोध्या में कौशलेश कुंज पर एक, टेढ़ी बाजार में दो मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यहां भक्त अपने चारपहिया व दो पहिया वाहन पार्क कर सकेंगे।

लता मंगेशकर चौक नए रूप मेंः–

रामनगरी का नयाघाट चौराहा अब लता मंगेशकर चौक के नाम से प्रसिद्ध है। नयाघाट चौराहा पहले मात्र 30 फीट चौड़ा हुआ करता था। मेलों के दौरान यहां भीड़ नियंत्रण में पसीना छूट जाता था। वर्तमान में यह चौराहा 100 फीट चौड़ा हो चुका है। लता मंगेश्कर की स्मृति में चौक पर स्थापित 40 फीट लंबी वीणा भक्तों को आकर्षित करती है। यहां हमेशा लता मंगेशकर के भजन गूंजते रहते हैं। हर कोई इसे अपने कैमरे में कैद कर रहा है।

रामकथा संग्रहालय की उपयोगिता बढ़ीः–

नयाघाट स्थित रामकथा संग्रहालय वर्षों से निष्प्रयोज्य पड़ा था। अब इसे श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को समर्पित कर दिया गया है। ट्रस्ट इसका नए सिरे से सुंदरीकरण कराने जा रहा है। यहां मंदिर आंदोलन का इतिहास दर्शाया जाएगा। अन्य सांस्कृतिक व धार्मिक गतिविधियां संचालित होंगी।

अंतरराष्ट्रीय रामायण वैदिक शोध संस्थान की रिमॉडलिंग–

अयोध्या शोध संस्थान का नाम भी सरकार ने बदल दिया है। अब अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के नाम से इसे जाना जाएगा। 17 करोड़ की लागत से इसकी रिमॉडलिंग का काम चल रहा है। यहां भगवान राम से जुड़े साहित्य पर अध्ययन होंगे। रामलीला से जुड़े लोगों को रोजगार दिया जाएगा। संस्थान में विश्व के विभिन्न भाषाओं में रचित रामायण पर आधारित ग्रंथों, पुरातन परंपरा के वैदिक मंत्रों व इन पर लिखे गए विभिन्न टीकाओं पर अनुसंधान होगा। देश व विदेश के शोध छात्रों को जोड़ा जाएगा।

प्राचीन कुंडों की लौट रही गरिमाः–

रामनगरी की पौराणिकता के गवाह प्राचीन कुंडों का सुंदरीकरण कराया जा रहा है। इनमें से गणेश कुंड, हनुमानकुंड, स्वर्णखनि कुंड का अस्तित्व मिटने के कगार पर था। अब ये कुंड पर्यटन का केंद्र बन चुके हैं। सूर्यकुंड पर हर शाम लेजर शो देखने के लिए भीड़ उमड़ती है। इसी तरह दंतधावन कुंड, अग्निकुंड, खर्जुकुंड, विद्याकुंड की भी गरिमा लौट रही है। ये पर्यटन का केंद्र बन चुके हैं।

श्रीरामजन्म भूमि का श्रद्धा पथ सजाः–

बिरला धर्मशाला वा सुग्रीव किले से श्रीराम जन्म भूमि मंदिर मार्ग तक .566 किमी का फोर लेन तैयार किया जा रहा है, जिसका नाम जन्म भूमि पथ रखा गया है। इसके निर्माण में जमीन खरीदने से लेकर अन्य निर्माण में 83.33 करोड़ का खर्च आ रहा है। राम भक्त अब अपने आराध्य का दर्शन जन्मभूमि पथ से कर सकेंगे। 90 फीट चौड़ा यह मार्ग आधुनिक सुविधाओं से सज्जित हो रहा है। मार्ग पर भव्य प्रवेश द्वार बन रहा है। यहां आधुनिक लाइटें लग रही हैं। मार्ग पर केनोपी का निर्माण हो रहा है। समस्त मूलभूत सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। पथ के दोनों किनारों पर रामकथा के प्रसंगों से सजी दीवारें आकर्षित करेंगी।

रामपथ पर फर्राटा भरती गाडियांः–

सहादतगंज से नयाघाट तक 13 किलोमीटर के मार्ग को रामपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह मार्ग कभी 40 फीट चौड़ा हुआ करता था। अब 80 फीट हो गया है। इस मार्ग पर सोलर लाइट व सूर्य स्तंभ लगाए जा रहे हैं। मार्ग के डिवाइडर पर हरियाली विकसित की जा रही है। इलेक्ट्रिक बसों के लिए बस स्टॉप और पांच स्थानों पर ई–चार्जिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं।

धर्मपथ का कुछ अलग ही लुकः–

लखनऊ– गोरखपुर हाईवे से अयोध्या में प्रवेश करते ही रामजन्मभूमि का अहसास होने लगता है। साकेत पेट्रोल पंप से लता मंगेश्कर चौक तक करीब दो किलोमीटर के रास्ते को ध र्मपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है। पहले यह मार्ग टूलेन था। अब फोरलेन हो चुका है। यहां 30 स्थानों पर सूर्य स्तंभ लगाए जा रहे हैं। धर्मपथ के दोनों ओर आठ–आठ मीटर पर दीवारों पर लिखे रामकथा के प्रसंग अयोध्या की महत्ता दर्शायेंगे।

सरयू नदी से लगा हुआ लक्ष्मण पथ–

लक्ष्मण पथ गुप्तारघाट से राजघाट 12 किमी की दूरी तक को जोड़ने के लिए भगवान राम के छोटे भाई और शेषावतार लक्ष्मण जी के नाम पर बनने वाले इस नये वैकल्पिक मार्ग निर्माण की भी पूरी कार्ययोजना तैयार है। यह पथ फोरलेन होगा। यह पथ उदया हरिश्चंद्र घाट तटबंध के समानांतर प्रस्तावित है। तटबंध की चौड़ाई पहले छह मीटर थी जिसे एक मीटर बढ़ाकर सात मीटर कर दिया गया है। इधर लक्ष्मण पथ की चौड़ाई 18 मीटर तय की गयी है। इसके निर्माण पर लगभग 200 करोड़ की लागत आएगी।

अंदरूनी मंदिरों को जोड़ने वाला भक्ति पथः–

श्रृंगारहाट से राममंदिर (500 मीटर) श्रृंगार हाट बैरियर से लेकर राम जन्मभूमि तक भक्ति पथ का निर्माण हो रहा है। श्रृंगारहाट से राम जन्मभूमि पर भक्तिपथ मार्ग पर निर्माण कार्य तेजी से पूरा होने वाला है। श्रृंगार हाट से श्री राम जन्म भूमि मंदिर मार्ग तक .742 किमी का फोर लेन तैयार किया जा रहा है। इसका मार्ग का नाम भक्ति पथ रखा गया है। इसके चौड़ीकरण के लिए जमीन खरीदने समेत अन्य निर्माण कार्य के लिए 62.79 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसके सापेक्ष 32.10 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। यह मार्ग 13 मीटर चौड़ा किया जा रहा है, जिसमें 5.50 मीटर चौड़ाई सीसी रोड की भी शामिल है। इसी मार्ग पर हनुमान गढ़ी, दशरथ महल, कनक भवन, अमावा मंदिर तथा अनेक प्राचीन मंदिर बने हुए हैं।

प्रस्तावित यात्रा/भ्रमण पथः–

उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में एक सड़क परियोजना, यात्रा पथ के निर्माण को मंजूरी दे दी है जो सरयू को राम मंदिर से जोड़ेगी। यह सड़क भक्तों को राम मंदिर तक पहुंचने के लिए अधिक प्रतीकात्मक मार्ग प्रदान करता है। भ्रमण पथ राम की पैड़ी, राजघाट से गुजरेगा और राम मंदिर तक पहुंचेगा। सरयू में शामिल होने के बाद, भक्त सड़क के इस हिस्से का उपयोग करके सीधे राम मंदिर तक पहुंचेंगे ।

इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम आखिरी चरण मेंः–

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण भी शुरू करवाया गया जो अब पूरा होने जा रहा है। एयरपोर्ट के डायरेक्टर के मुताबिक, दिसंबर 2023 से यहां से डोमेस्टिक उड़ानें शुरू हो रही हैं। कुछ के सिड्यूल भी आ गए हैं। कुछ की उड़ाने भी शुरू हो गई है। इसके अलावा अयोध्या से अन्य प्रदेशों और नगरों की कनेक्टिविटी बनाने के प्लान पर भी काम तेजी से चल रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने के लिए भी राज्य सरकार ने 351 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जिसके निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही (दिसंबर के अंतिम सप्ताह या जनवरी के पहले सप्ताह में) आध ाारशिला रखने वाले हैं।

अयोध्या का भव्य रेलवे स्टेशन–

श्रीराम की नगरी अयोध्या का भव्य रेलवे स्टेशन देश का सबसे खूबसूरत और आधुनिक सुविधाओं से संपन्न रेलवे स्टेशनों में से एक हो गया है। अयोध्या रेलवे स्टेशन के विस्तार का काम 2018 में शुरू हुआ है। इसकी बिल्डिंग 10 हजार वर्गमीटर में फैली है। नया रेलवे स्टेशन भी आकार ले रहा है। पहले चरण में अयोध्या स्टेशन के विस्तार को लेकर रेलवे 240 करोड़ रुपये खर्च किया जा रहा है। इसमें खूबसूरत भवन, पार्किंग, कर्मचारियों के लिए आवास, रेलवे पुलिस के लिए कार्यालय, तीन नए प्लेटफार्मों का निर्माण, रोड निर्माण, ड्रेनेज संबंधी कार्य हो हो रहे हैं. अयोध या रेलवे स्टेशन का काम 31 दिसंबर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। नए भवन में फिनिशिंग का काम चल रहा है। यहां बुजुर्गों और महिलाओं की सुविधा के लिए लिफ्ट व एस्केलेटर, एसी वेटिंग रूम, वॉशरूम, पेयजल बूथ, फूड प्लाजा समेत अन्य सुविध ाएं तैयार हो चुकी हैं। पूरे भवन को एसी बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए रैंप की व्यवस्था होगी। स्टेशन करीब तीन किलोमीटर लंबा होगा। रेलवे स्टेशन के नए भवन का काम लगभग पूरा हो गया है। यहां लगी टाइल्स, पत्थर, शीशे, दरवाजे, लाइटिंग आदि इसकी भव्यता का एहसास कराते हैं। भवन के बीच में लगा भारी भरकम पंखा व ठीक उसके नीचे बनी फर्श की डिजाइन का आकर्षण यात्रियों का मन मोहने को तैयार है। स्टेशन का विशाल

परिसर भी इसकी भव्यता का गवाह है। वंदे भारत ट्रेन अयोध्या से होकर लखनऊ तक चली है। इसके अलावा करीब आधा दर्जन नई ट्रेनें अयोध्या से होकर जाने लगी हैं। अयोध्या से रामेश्वरम के लिए भी ट्रेन चलाई गई है।

हाईवे पर बनेंगे भव्य गेट और नागरिक सुविधाएंः–

अयोध्या की बदली तस्वीर दिखे, इसे ध्यान में रखकर पर्यटन विभाग अयोध्या को जोड़ने वाले सुल्तानपुर, बस्ती, गोंडा, अंबेडकरनगर और रायबरेली हाईवे गेट का निर्माण कर रहा है। जहां पर्यटकों पहुंचते ही प्रभु राम के वंशज और सेवकों के नाम के बने गेट स्वागत करेंगे। जिन पाइंट पर ये गेट बन रहे हैं उसे यात्रियों के सुविधा केंद्र के तौर विकसित करने की योजना है। मसलन सस्ते होटल धर्मशाला गेस्ट हाउस के अलावा पार्किंग, चार्जिग स्टेशन और पेट्रोल पंप सब कुछ रहेगा वहां।

पर्यटकों को और लुभाने की योजनाः–

अयोध्या में बाहर से आने वाले टूरिस्ट केवल रामलला और अयोध्या के मंदिरों में दर्शन तक ही सीमित न रह कर यहां कई दिनों तक रूकने का टूर पैकेज बनाएं। इसे ध्यान में रखकर भी कई प्राजेक्ट लांच किए जा रहे हैं। इसमें 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित 150से ज्यादा धार्मिक स्थलों को विकसित करने के साथ 37 कुंड और सरोवरों को टूरिस्ट सेंटर के तौर पर विकसित करने के प्लान पर काम चल रहा है। इसमें आधा दर्जन पर काम भी पूरा हो गया है। इसके साथ सरयू नदी में विहार के साथ मंदिरों के दर्शन के लिए क्रूज सेवा और रोमांचक वाटर स्पोर्ट्स सेवा भी शुरू हो गई है। अयोध्या में आइस पार्क और वैक्स म्यूजियम का प्राजेक्ट भी प्रस्तावित है जिस पर भी काम शुरू होने वाला है।

अंतरराष्ट्रीय रामकथा म्यूजियम–

अयोध्या में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र, अंतरराष्ट्रीय रामकथा म्ध्यूजियम और मंदिर म्यूजियम भी बनने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय अब राम मंदिर ट्रस्ट के अधीन हो गया है जिसे ट्रस्ट विकसित करने की योजना बना रहा है।

विश्व स्तर का बनेगा टेंपल म्यूजियम–

राम मंदिर से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर टेंपल म्यूजियम भी बनाने की तैयारी है. इसके लिए 25 एकड़ भूमि राम मंदिर के इर्द–गिर्द के चार स्थानों पर चिह्नित की गई है। यह टेंपल म्यूजियम निर्माण की अलग–अलग शैली समेत देशभर के विख्यात मंदिरों की शैली पर अध्ययन करने में मदद करेगा। इस संग्रहालय में अलग–अलग शैली के मंदिरों से जुड़े पहलुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। जैसे– मंदिर का डिजाइन, विशिष्टता, वास्तुकला, निर्माण प्रक्रिया आदि को अलग–अलग माध्यमों से समझने के लिए दीर्घा बनाई जाएगी।

चौड़ी सड़कें, रामायण काल की मूर्तियां–

जो लोग कई साल बाद अयोध्या आ रहे हैं उनको इसमें प्रवेश करते ही इसका बदला स्वरूप दिखाई दे रहा है। राम मंदिर को जोड़ने वाले राम पथ भक्ति पथ और रामजन्म भूमि फोरलेन की तरह चौड़े हो गए हैं। इनके किनारे रामकथा से जुड़े म्युरल लग रहे हैं। लखनऊ गोरखपुर हाईवे पर अयोध्या बाई पास में प्रवेश करने पर डिवाइडर पर रामायण काल के पात्रों की खूबसूरत मूर्तियों के दर्शन मिलेगा। फ्लाईओवर की दीवारों पर राम कथा की पेंटिंग मिलेगी। फ्लाईओवर बनने से यहां पहुंचने पर ट्रैफिक जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। मेडिकल कॉलेज में 4 साल से एमबीबीएस की पढ़ाई चल रही है। यहां अब पीजी कोर्स भी शुरू हुआ हो जो एम डी के समकक्ष है। अगले सत्र से एमडी के कोर्स भी शुरू होने जा रहे हैं। कभी उपेक्षित पड़ी अयोध्या अब विश्व स्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में बदलती दिख रही है।

नव्य अयोध्या योजना शुरू–

अयोध्या में एक और बड़ा प्राजेक्ट तैयार हुआ है नाम है ग्रीन सिटी अयोध्या जिसको सीएम योगी आदित्यनाथ दीपोत्सव के अवसर पर लांच करेंगे। यह प्रोजेक्ट्ट आधुनिक धार्मिक अयोध्या के रूप में विकसित हो रहा है। इसमें मठ–मंदिरों के साथ आवासीय भवन स्कूल कालेज विजनेस संस्थान व देश विदेश के गेस्ट हाउस भी बनेंगे। यह योजना 1400 एकड़ भूखंड पर प्रस्तावित है। जमीन का अधिग्रहण हो चुका है।

पूरे विश्व में है चर्चा का विषय–

अयोध्या में कुछ ऐसे भी प्लान चल रहे हैं जिनकी चर्चा विश्व भर में है। ये हैं दीपोत्सव, फिल्मी कलाकारों की रामलीला और कोरियाई रानी हो का पार्क। अयोध्या आगे के दिनों में कैसी दिखेगी, इसका अनुमान बखूबी लगाया जा सकता है

अवध में गंगा–जमुनी तहजीब–

सरयू के साथ ही अवध में गंगा–जमुनी तहजीब की धारा भी बहती है. मंदिर–मस्जिद के सदियों तक चले झगड़े के बाद अब बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे लोग भी चाहते हैं कि भव्य राम मंदिर जल्द बनकर तैयार हो, जिससे अयोध्या एक महत्वपूर्ण टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन सके। लगभग 5 वर्षों के अंतराल के बाद अयोध्या धाम पहुंचे हमारी टीम ने क्या देखा इसका ब्योरा आपके सामने है।

कई नए घाट बने–

कई जगहों पर कूड़े–कचरे के बोझ तले दबी सरयू को अब कई नए घाट मिल गए हैं. पहले जहां प्रभु की लीला समापन की स्थली रहा गुप्तार घाट भी 'गुप्त' था वहां अब नया घाट बन

गया है। लोगों के स्नान और सौंदर्यीकरण के लिए बनाई गई राम की पैड़ी नगर का प्रमुख पिकनिक स्पॉट है, जहां पर कहीं चटाई बिछाकर धूप सेंकने वाले नजर आते हैं, तो कहीं कड़ाही में पूड़ी भी तली जाती है।

कमल के फूल की आकृति वाला लोटस फाउंटेन परियोजना–

विश्व पर्यटन मानचित्र पर अयोध्या को चमकाने के लिए डेढ़ सौ करोड़ की लागत से कमल के फूल की आकृति वाला मेगा फाउंटेन पार्क बनेगा. इस फाउंटेन पार्क की वास्तुकला (आकृति) भारत के राष्ट्रीय पुष्प कमल के फूल के जैसी होगी। जो भारतीय संस्कृति हिन्दू धर्म की सात प्रतिष्ठित पवित्र नदियों के रूप में फूल की सात पंखुड़िया बनती है। इस पार्क की लागत राजस्व शेयरिंग मॉडल के तहत स्वयं एजेंसी द्वारा वहन किया जाएगा। इस प्रस्तावित मेगा फाउंटेन पार्क में पानी, प्रकाश और ध्वनि के मनोरम मिश्रण के माध्यम से आगंतुकों का आध्यात्मिक अनुभव बढ़ाया जाएगा. उन्होंने आगे बताया कि यह मेगा फाउंटेन पार्क नवीनता, भव्यता, श्रद्धा, आध्यत्मिकता और आधुनिकता का एक विशिष्ट प्रतीक होगा जो शहर के समग्र मूल्य को समृद्ध करेगा। अयोध्या के लिए एक कमल फाउंटेन प्रोजेक्ट की भी योजना है, जो अगले साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।

राज्य सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 24 करोड़ की मंजूरी दी है, जिसके लिए ६ 5 करोड़ जारी किए हैं। अयोध्या में चल रही परियोजनाओं में, कमल का फव्वारा मंदिर शहर में एक और अतिरिक्त परियोजना होगी। यह फव्वारा सरयू नदी के पास नया घाट और गुप्तार घाट के बीच 20 एकड़ भूमि पर लगाया जाएगा। प्रस्तावित फव्वारे में कमल के फूल की तरह सात पत्तियां होंगी और यह 50 मीटर तक पानी फेंकेगा। यह प्रोजेक्ट अगले साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।जर्मन कंपनी ओसे ने फव्वारे का डिजाइन तैयार किया है।

राजर्षि दशरथ स्वायत्त राज्य मेडिकल कॉलेज–

राजर्षि दशरथ स्वायत्त राज्य मेडिकल कॉलेज, अयोध्या जिले के दर्शन नगर में स्थित है। कॉलेज बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड सर्जरी (एमबीबीएस) की डिग्री प्रदान करता है। मेडिकल कालेज में 200 बेड सुविधा इसी साल के अंत से मिलेगीस इसके लिए 21 करोड़ से नया भवन बनकर पूरी तरह तैयार है। यहां एक ही छत के नीचे मरीजों को सभी आधुनिक चिकित्सीय सुविधाएं मिलेगी और उन्हें भटकना नहीं पड़ेगास मेडिकल कॉलेज 17 एकड़ भूमि में फैला हुआ है और जिला अस्पताल अयोध्या से जुड़ा हुआ है।

राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज, दर्शन नगर के केंद्रीयकृत प्रयोगशाला में अब खून की कई आधुनिक जांचें आसानी से हो सकेंगी। इसके लिए सीएसआर फंड (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) के जरिए करीब 30 लाख की लागत से तीन आधुनिक मशीनें प्राप्त हुई हैं। इनका शुक्रवार को उदघाटन एमपी अयोध्या श्री लल्लू सिंह द्वारा कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में तेजी से बढ़ रहे मरीजों के दबाव को देखते हुए कम समय में गुणवत्तापूर्ण खून की जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए बायोकेमेस्ट्री एनॉलाइजर समेत कई आधुनिक मशीनों की आवश्यकता थी। इसके लिए मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने सीएसआर फंड के जरिए कई निजी कंपनियों से संपर्क साधा था।

इन महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए कुछ कंपनियों ने हाथ बढ़ाया था। इसी कड़ी में सभी प्रक्रिया पूरी करते हुए तीन मशीन स्वीकृत हुई। प्राचार्य डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि इन तीन मशीनों को शुक्रवार से क्रियाशील किया जाएगा। इन मशीनों से मरीजों के खून की जांच में सहूलियत मिलेगी।

सबसे बड़ी भगवान श्रीराम की प्रतिमा प्रस्तावित –

दुनिया की सबसे बड़ी भगवान श्रीराम की प्रतिमा अयोध या में सरयू तट किनारे बनेगी। यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची (251 मीटर) और गुजरात में लगी सरदार पटेल की प्रतिमा से बड़ी होगी। इसमें 181 मीटर ऊंची मूर्ति, उसके ऊपर 20 मीटर छत्र व 50 मीटर का बेस होगा। इस प्रकार मूर्ति की कुल ऊंचाई 251 मीटर है। यह मूर्ति पूरी तरह से स्वदेशी होगी और इसका

निर्माण उत्तर प्रदेश में ही होगी, जो सबसे भव्य मूर्ति बनेगी। निर्माण कार्य प्रारम्भ होने के बाद उसके निर्माण में करीब साढ़े तीन साल का समय लगेगा। उम्मीद है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन के बाद ही मूर्ति निर्माण का काम भी शीघ्र प्रारम्भ हो जाएगा। मूर्ति 50 मीटर ऊंचे जिस बेस पर खड़ी होगी। उसके नीचे ही भव्य म्यूजियम होगा। जहां टेक्नोलॉजी के जरिये भगवान विष्णु के सभी अवतारों को दिखाया जाएगा। यहां डिजिटल म्यूजियम, फूड प्लाजा, लैंड स्केपिंग, लाइब्रेरी, रामायण काल की गैलरी आदि भी बनायी जायेंगी। इस मूर्ति के निर्माण के लिए अयोध्या में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी चल रही है। अयोध्या के गांव मांझा बरहटा में ही श्रीराम की यह भव्य प्रतिमा लगेगी। जहां की 80 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण की कार्रवाई वर्तमान में चल रही है। इसके लिए प्रदेश सरकार पैसा भी जारी कर चुकी है।

– साभार

ऐतिहासिक भदावर यात्रा ने रचा एक नया कीर्तिमान

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के सम्माननीय सभापति श्री नीरज जी चतुर्वेदी, सम्माननीय संरक्षक– श्री बृज मोहन जी चतुर्वेदी, श्री हीरालाल जी पाण्डे, श्री अशोक जी पाण्डे, श्री सुखदेव जी चतुर्वेदी, श्री सुबोध जी चतुर्वेदी, श्री महेश जी चतुर्वेदी, महामंत्री संगठन–श्री प्रणव जी चतुर्वेदी, महामंत्री–श्री निशीथ जी चतुर्वेदी, जनगणना मिशन के राष्ट्रीय संयोजक–श्री सी.पी.चतुर्वेदी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष–श्री सुजीत जी चतुर्वेदी, भदावर क्षेत्र के अध्यक्ष–श्री हिमांशु जी चतुर्वेदी, महामंत्री–श्री सुनील चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष इटावा–श्री ऋषिकांत चतुर्वेदी,समाज दर्पण पत्रिका के संपादक एवं यात्रा समापन के प्रभारी–श्री अतुल वी.एन. चतुर्वेदी तथा भदावर क्षेत्र के अन्य ऊर्जावान बांधवों द्वारा समाज बंधुओं को अपनी पावन जन्मभूमि, कर्मभूमि से जोड़ने एवं पूर्वजों द्वारा स्थापित किये गए संस्कारों को अक्षुण्य बनाए रखने के मुख्य उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए एक अनूठी पहल करते हुए स्वजातीय बांधवों के भदावर क्षेत्र के प्रमुख 18 गांवों की पावन भूमि को नमन करने की मूल भावना को विस्तृत स्वरूप प्रदान कर 28 एवं 29 अक्टूबर को भदावर दर्शन यात्रा का स्वप्न संजोया गया ।

श्री माथुर चतुर्वेदी समाज के इतिहास में प्रथम बार इस नवाचार का शुभारंभ हुआ जिसमें सम्पूर्ण भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तों में निवास कर रहे बांधवों एवं मातृशक्ति ने बड़े आत्मीय भाव,उत्साह एवं उमंग के साथ बढ़चढ़ कर सहभागिता निभाई ।

भदावर यात्रा का भव्य शुभारम्भ 28 अक्टूबर को प्रातःकाल यमुना मैया के तट पर श्री जी पीठ के पूज्य पीठाधीश्वर श्री कांत बाबा तथा श्री पंकज जी शास्त्री द्वारा समवेत स्वरों में किये गए वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा किया गया जिसमें यमुना जी तट पर बड़ी संख्या में उपस्थित स्वजातीय बान्धवों ने यमुना जी एवं बाबा बटेश्वर नाथ का विधिवत रूप से पूजन कर यात्रा का गगनभेदी जयकारों के साथ पिनाहट के लिए प्रस्थान किया। पिनाहट में रामलीला स्थल पर पहुंच सभी यात्रियों का पिनाहट के स्वजातीय बांधवो द्वारा स्वागत सत्कार एवं जलपान का प्रबंध किया गया ।

कुछ समय पिनाहट में व्यतीत कर तालगांव के लिए यात्रा दल में अपने अपने वाहनों के साथ प्रस्थान किया ओर तालगांव पहुँचने पर सभी यात्रियों का भदावर यात्रा के मुख्य संयोजक एवं श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के सम्माननीय संरक्षक–श्री हीरालाल जी पांडे,श्री अशोक जी पाण्डे, स्थानीय बांधवों द्वारा भावभीना स्वागत सत्कार किया ओर सुरुचिपूर्ण पेड़े एवं मट्ठा का सभी ने भरपूर आनंन्द लिया। यहाँ श्री हीरालाल जी पाण्डे एवं परिजनों द्वारा जलगाँव के इतिहास की पुस्तक एवं प्रतीक चिन्ह देकर प्रत्येक बाँधव को सम्मानित किया गया, जिसकी सभी यात्रियों द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गई। मातृशक्ति ने पृथक से होली एवं चतुर्वेदियों के पारंपरिक गीत गाते हुए नाचते गाते हुए भरपूर आनंद लिया ।

इस आत्मीय स्वागत सम्मान के लिए श्री हीरालाल

जी पाण्डे,उनके परिवार तथा स्थानीय बांधवों का आभार व्यक्त कर यात्रादल पुरा–कन्हेरा ग्राम पहुँचा ,जहाँ भदावर क्षेत्र के अध्यक्ष–श्री हिमांशु चतुर्वेदी, महामंत्री–श्री सुनील चतुर्वेदी सहित ग्रामवासियों ने स्नेहिल भाव से स्वागत सत्कार किया,साथ ही गर्मागर्म समोसे,नमकीन,सोहन पपड़ी एवं शीतलपेय के साथ स्वल्पाहार कराया गया । कुछ देर सघन वृक्षों की छाव में विश्राम एवं गाँव का भ्रमण करने के पश्चात आभार व्यक्त करते हुए होलीपुरा गाँव के लिए प्रस्थान किया।

होलीपुरा पहुँच कर यात्रादल ने गाँव की प्राचीन हवेलियों का बड़ी तन्मयता के साथ अवलोकन किया। कुछ यात्रियों ने प्राचीन गुफा का दर्शन लाभ प्राप्त किया। होलीपुरा गाँव मे सबसे अधिक ऊँचाई पर बनी हवेली पर पहुँच कर स्वजातीय बांधवों ने समाज की वयोवृद्ध श्रीमती कांता जी चतुर्वेदी के दर्शन लाभ लिए,उनके द्वारा किये गए आत्मीय सत्कार ने सभी को अभिभूत कर दिया ।

उपस्थित सभी बांधवों ने लड्डू,पेड़ा, पेठा,अनेको प्रकार की नमकीन,चाय का आनंन्द लिया। साथ ही होलीपुरा गाँव की विभिन्न जानकारी भी प्राप्त की ।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के सभापति महोदय द्वारा एक नई परंपरा का शुभारंभ किया हुआ है, जिसके अंतर्गत अब तक पूर्व में आयोजित चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की प्रथम मीटिंग, करौली, कोटा तथा प्रत्येक प्रदेशो में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग,भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की द्वितीय मीटिंग तथा अब बटेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की तृतीय मीटिंग में प्रत्येक क्षेत्र में निवास करने वाले समाज के वयोवृद्ध स्त्री–पुरुष को सम्मानित करने की नई परम्परा का शुभारंभ किया हुआ है, इसी परिपेक्ष्य में पिनाहट,तालगांव,पुरा कन्हेरा,में समाज के वयोवृद्ध लोगों का सम्मान किया गया,जिसके लिए बुजुर्गों ने इस आत्मीय सम्मान के प्रति हार्दिक खुशी व्यक्त करते हुए अपने हृदय स्थल से अपना आशीर्वाद प्रदान किया,जिन्हें चंद शब्दों में व्यक्त किया ही नहीं जा सकता,अपितु इसे सिर्फ महसूस ही किया जा सकता है।

होलीपुरा में श्रीमती कांता देवी जी चतुर्वेदी को महापरिषद के संरक्षक–श्री बृज मोहन जी चतुर्वेदी एवं सभापति श्री नीरज जी चतुर्वेदी द्वारा जब सम्मानित किया गया तो 90 वर्षीय श्रीमती कांता जी चतुर्वेदी ने भाव विव्हल होते हुए अपना आशिर्वाद देते हुए कहा कि आज अपने इतने लम्बे जीवनकाल में यह पहला अवसर है कि समाज के किसी संगठन द्वारा बुजुर्गो के प्रति सम्मान व्यक्त किया जा रहा है,जबकि समाज मे संगठन तो अनेको वर्षों से पहले भी मौजूद रहे हैं, उन्होंने इस सम्मान के प्रति सजल नेत्रों से महापरिषद की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए अपना आशिर्वाद प्रदान किया, जिसे देखकर सभी के नेत्र सजल हो गए, इसी अनुसरण में होलीपुरा गाँव मे 22–23 वयोवृद्ध वरिष्ठजन को शॉल, श्रीफल प्रदान कर घर घर जाकर सम्मानित किया गया। यहाँ से प्रस्थान कर पुनः बटेश्वर के पास बने हुए पूर्ण सुविधाओं से परिपूर्ण अटल धाम पहुँच कर सुरुचिपूर्ण भोजन–खीर,भात,धोई एवं कतरों के झोर का भरपूर आनंन्द लिया। अटल धाम में रात्रि 8 बजे राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शुभारंभ हुआ ।

मीटिंग का शुभारंभ करते हुए महापरिषद के महामंत्री श्री प्रणव चतुर्वेदी ने महापरिषद के सम्माननीय संरक्षक–श्री बृज मोहन जी चतुर्वेदी, श्री हीरालाल जी पाण्डे, श्री अशोक जी पाण्डे, श्री सुखदेव जी चतुर्वेदी, श्री सुबोध जी चतुर्वेदी, श्री महेश जी मिश्रा, सभा पति श्री नीरज जी चतुर्वेदी, महिला महापरिषद की राष्ट्रीय संयोजक श्रीमती माधवी चतुर्वेदी को मंचासीन कराया । तत्पश्चात उक्त सभी सम्माननीय महानुभावों का श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान प्रदेश के संरक्षक–श्री कुन्दन लाल जी चतुर्वेदी, प्रदेश अध्यक्ष–श्री हृदयेश जी चतुर्वेदी, महामंत्री–पीयूषपाणि चतुर्वेदी द्वारा राजस्थानी परम्परानुसार पगड़ी –साफा पहनाकर सम्मान प्रदान किया गया ।

महापरिषद के महामंत्री श्री प्रणव जी चतुर्वेदी ने इस अभूतपूर्व भदावर यात्रा के बारे में उपस्थित बांधवो से आव्हान किया कि वे इस यात्रा के बारे में तथा भविष्य में समाज को एकसूत्र में सम्बद्ध किये जाने,हमारे रीति–रिवाज, प्राचीन

धरोहर के संरक्षण एवं बुजुर्गों द्वारा प्रदत्त संस्कारों के बारे में अपनी राय व्यक्त करें, जिस पर बारी बारी से उपस्थित बांधवो ने अपनी राय रखी,साथ ही भदावर यात्रा के लिए सभी महानुभावो का आभार व्यक्त किया । इसी अनुसरण में महिला परिषद की राष्ट्रीय सह–संयोजक सुश्री अर्चना चतुर्वेदी ने कहा कि भदावर क्षेत्र के पौराणिक एवं प्रतिष्ठित 18 गाँव के दर्शन कराने का जो अनूठा कार्य महापरिषद द्वारा किया गया है,इसके लिए वे सभी बाँधव हृदय स्थल से बधाई के पात्र है,जिनकी इस अभूतपूर्व यात्रा को मूर्तरूप प्रदान करने में रही है। साथ ही आग्रह व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन किये जाते रहे,जिससे समाज एकजुट हो,ओर सभी मे आपसी प्रेम,स्नेह एवं समरसता का भाव जागृत हो।

इस आयोजन में मथुरा से विशेष रूप से उपस्थित पंकज जी शास्त्री ने अपने हार्दिक उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि आज हम भदावर क्षेत्र के उन 18 गांवों की यात्रा कर रहे है, जहाँ मुगल आक्रमण से त्रस्त होकर हमारे पूर्वजों ने अपने धर्म एवं समाज को अक्षुण्य रखते हुए अपने अस्तित्व को बनाए रखा,लेकिन हम सभी को यह ध्यान में रखना चाहिए कि हम सभी का मूल स्थान मथुरा है,हमारी कुलदेवी माँ चर्चिका, महाविद्या एवं कुलदेव वराह जी का स्थान मथुरा में है।

उन्होंने मंचासीन महानुभावो का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि भदावर यात्रा की तरह से ही भविष्य में बृज दर्शन यात्रा की कारगर योजना बनाई जाए,जिसके अंतर्गत सम्पूर्ण बृज क्षेत्र की सप्त दिवसीय यात्रा हो,जिसके महापरिषद का केवल मार्गदर्शन ही अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त महापरिषद को ओर कुछ नहीं करना पड़ेगा। यात्रा से संबंधित प्रत्येक कार्य की जिम्मेदारी हमारी रहेगी, ओर यह यात्रा ग्रीष्म अथवा शीत कालीन अवकाश के दौरान हो, ताकि अधिकाधिक रूप से हमारी भावी पीढ़ी भी इस यात्रा में भाग ले ताकि वे अपने संस्कारो से परिचित बने रहें, पूरे सदन द्वारा इस प्रस्ताव का करतल ध्वनि के साथ समर्थन किया गया।

इसी अनुसरण में संरक्षक महोदय श्री बृज मोहन जी चतुर्वेदी ने अपने सारगर्भित उदबोधन में कहा कि इस अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक यात्रा में आप सभी बांधवों एवं हमारी मातृशक्ति ने जिस उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लेकर सफलता दिलाई है, मुक्तकंठ से सराहनीय है। ऐसी यात्राएं निश्चित रूप से आवश्यक है,जो आपसी प्रेम,भाई चारे के आपसी समन्वय एवं वैवाहिक संबंधों जे लिए एक सेतु का कार्य करती है।

उन्होंने कहा कि कई लोगों के मन मे यही प्रश्न व्याप्त था कि महापरिषद क्या कर पाएगी,इसका खुद का भी अस्तित्व भी बचा रहेगा या नहीं?

अभी महापरिषद की स्थापना के केवल मात्र 9 माह ही व्यतीत हुए है, ओर महापरिषद ने इन 9 माह में जनगणना मिशन के तहत 50 हजार लोगों को सूचीबध्द करने का जो कीर्तिमान स्थापित किया है, इसके लिए जनगणना मिशन के राष्ट्रीय संयोजक भाई सी.पी. चतुर्वेदी ओर इस कार्य मे अनवरत रूप से लगे रहे उनकी टीम के प्रत्येक सदस्य सर्वाधिक बधाई के पात्र हैं। इस दौरान सभी मंचासीन महानुभावो ने अपने विचार व्यक्त किये।

इसी अनुसरण में महापरिषद के सभापति श्री नीरज जी चतुर्वेदी ने कहा कि जिनके उद्देश्य सही होते है,उनके परिणाम भी अव्वल ही आते है ।

महापरिषद का निर्माण समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने के लिए हुआ है, न कि तोड़ने के लिए ।

महापरिषद इस बात के लिए संकल्पबद्ध है कि हम समाज के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे कार्य करने जा रहे हैं, जो हमारी भावी पीढ़ी के सुखद निर्माण के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। हमारा किसी अन्य संगठन, किसी व्यक्ति विशेष से न तो बैर है,न ही कोई मतभेद है । हम समाज को कुछ नया देने के लिए आये है,कुछ ऐसी कार्य योजनाओं को मूर्त रूप दिया जा रहा है,जो एक नया इतिहास कायम करेंगी। ओर इस कार्य मे आप सभी का साथ एवं मार्गदर्शन अपेक्षित रहेगा ।

अंत मे उन्होंने श्री पंकज जी शास्त्री द्वारा रखे गए बृज दर्शन यात्रा के प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताते हुए

कहा कि निश्चित रूप से इस बारे में व्यापक रूप से चर्चा की जावेगी,ओर अतिशीघ्र ही इसे मूर्तरूप दिया जाएगा ।

अंत में बड़े हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग का समापन हुआ ।

भदावर यात्रा के द्वितीय दिवस 29 अक्टूबर को प्रातःकाल स्वल्पाहार आदि से निवृत्त होकर पुनः बटेश्वर नाथ के दर्शन एवं पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।

यमुना जी के तट पर हमारे स्वजातीय बाँधव श्री हरेश जी चतुर्वेदी, एडवोकेट तालगांव द्वारा यमुना जी के बीचों बीच जल योग का अदभुत प्रदर्शन कर सभी को रोमांचित कर दिया ।

अपनी साधना के बल पर 15–20 मिनट पानी मे हाथ पैर चलाए बिना शवासन का अद्भुत नजारा प्रस्तुत किया । विभिन्न नावों में सवार बांधवो ने तालियां बजाकर श्री हरेश जी चतुर्वेदी का उत्साहवर्धन किया तथा इस विलक्षण कला कौशल के लिए उन्हें बधाई सम्प्रेषित की ।बटेश्वर से चन्द्रपुर पहुँच कर गगनभेदी जयकारों के साथ आस्था के प्रतीक कैमर बाबा के दर्शन प्राप्त करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ ।

कैमर बाबा के मंदिर पर ग्राम चन्द्रपुर के स्वजातीय बाँधव श्री नानक चंद जी चतुर्वेदी, भूदान आंदोलन के प्रणेता आचार्य विनोबा भावे के अनुयायी रहे श्री दया शंकर जी चतुर्वेदी के सुपुत्र श्री केशव चतुर्वेदी, श्री मधुकर चतुर्वेदी, श्री सप्पी चतुर्वेदी ष्श्री मनुदास महाराजष् खूटवाले परिवार के श्री राजेश जी चतुर्वेदी एवं उनके भ्राताओ, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के महामंत्री–श्री निशीथ जी चतुर्वेदी तथा ग्राम चन्द्रपुर के अन्य बांधवों द्वारा बड़े आत्मीय भाव से सभी यात्रियों का स्वागत सत्कार किया गया । चन्द्रपुर की प्रसिद्ध मिठाई दनदाने का प्रसाद एवं जलपान कर कछपुरा एवं कमतरी पहुँच कर यहाँ की प्राचीन हवेलियों को देखा । इसके बाद आगे के यात्रा मार्ग जसवंतनगर के लिए प्रस्थान किया।

जसवंत नगर के कोठी केस्त परिवार के श्री यतीन्द्र जी चतुर्वेदी–जिलाध्यक्ष कोटा, श्री ऋषिकांत जी चतुर्वेदी–जिलाध्यक्ष इटावा एवम समस्त परिजनों ने बडे जोश के साथ भदावर यात्रियों का आत्मीय भाव से स्वागत किया।

जसवंतनगर से लगभग 10 कि. मी. पूर्व कचौरा घाट से ही खुली जीप से एस्कॉट करते हुए कोठी केस्त–जसवंतनगर में प्रवेश कराया । सभी यात्रियों केशर चंदन से तिलक एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत सत्कार किया गया,इस स्नेहिल भाव को देखकर पूरा माहौल आनन्दित हो गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य महानुभाव– श्री हीरालाल जी पाण्डे–संरक्षक,श्री अशोक जी पाण्डे–संरक्षक,श्री सुखदेव जी चतुर्वेदी–संरक्षक,श्री सुबोध जी चतुर्वेदी–संरक्षक,श्री नीरज जी चतुर्वेदी–सभापति,श्री व्यास जी चतुर्वेदी–उप–सभापतिश्री प्रणव जी चतुर्वेदी –महामंत्री (संगठन), श्री निशीथ जी चतुर्वेदी–महामंत्री, श्रीमती माधवी चतुर्वेदी–संयोजक महिला परिषद , सुश्री अर्चना चतुर्वेदी –सह–संयोजक महिला परिषद, श्रीमती नीमा जी चतुर्वेदी–महामंत्री, श्री कुन्दन लाल जी चतुर्वेदी–संरक्षक–राजस्थान प्रदेश श्री सुजीत चतुर्वेदी–अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश, श्री हृदयेश चतुर्वेदी–अध्यक्ष राजस्थान, श्री हिमांशु चतुर्वेदी–अध्यक्ष भदावर क्षेत्र सहित सभी यात्रियों का माल्यार्पण एवं दुपट्टा अर्पण कर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया ।

कोठी केस्त परिवार द्वारा भदावर यात्रियों के सम्मान में स्वरूचि भोज का आयोजन किया गया। खीर,पूड़ी,एवं सब्जी का सभी बांधवों ने आनंद लिया। यहाँ से आत्मीय विदाई एवं उक्त आयोजन के प्रति हृदय स्थल से आभार व्यक्त कर इटावा के लिए प्रस्थान किया।

इस ऐतिहासिक भदावर यात्रा का समापन नारायण कॉलेज के सभागार में रखा गया।

इस आयोजन के सूत्रधार एवं संयोजक श्री अतुल वी.एन. चतुर्वेदी–संपादक समाज दर्पण पत्रिका एवं कैश कोठी पर आयोजित कार्यक्रम की व्यवस्था श्री ऋषिकांत चतुर्वेदी–जिलाध्यक्ष इटावा के कुशल निर्देशन में रखा गया।

सर्वप्रथम संरक्षक गण,सभापति जी,राष्ट्रीय महामंत्री गण,को मंचासीन कर हार्दिक स्वागत किया गया । तत्पश्चात

इस भव्य एवम गरिमामय आयोजन के लिए संरक्षक श्री हीरालाल जी पाण्डे, श्री अशोक जी पाण्डे, श्री सुबोध जी चतुर्वेदी,सभापति–श्री नीरज जी चतुर्वेदी एवं महामंत्री–श्री प्रणव जी चतुर्वेदी द्वारा इस ऐतिहासिक भदावर दर्शन यात्रा के निर्विघ्नं रूप से सम्पन्न होने पर यात्रा की व्यवस्थाओं में किसी न किसी रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने वाले सभी बांधवों का आभार व्यक्त किया ।

सभापति श्री नीरज जी चतुर्वेदी ने अपने ओजस्वी उदबोधन में इस ऐतिहासिक यात्रा में भाग लेने वाले सभी सहयात्रियों, आयोजकगण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस यात्रा के माध्यम से हमें अपने पूर्वजो के गाँव की पावन भूमि को नमन करने,उनकी विरासत को देखने,समझने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है ।

साथ ही इस यात्रा से जुड़े प्रत्येक गाँव मे रहने वाले प्रत्येक वयोवृद्ध बुजुर्गों के घर घर जाकर उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त कर उनकी चरण रज प्राप्त करने से जिस आनंन्द की अनुभूति हुई है,उसे केवल महसूस ही किया जा सकता है।

महापरिषद का प्रमुख उद्देश्य समाज को एकसूत्र में जोड़ना है,जिसके लिए महापरिषद की टीम राष्ट्रीय स्तर,प्रदेश स्तर एवं जिला स्तर पर अनवरत रूप से कार्यरत है । यह हमारे संरक्षक गण के आशिर्वाद, उनके उचित परामर्श एवं मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि केवल मात्र 9 माह की अवधि ा में ही 28 देशों,450 से अधिक शहरों,21 प्रदेशों एवम 20 से अधिक जिलों में विधिवत रूप से महापरिषद की टीम कार्य कर रही है,ओर इस अल्पावधि में ही 50 हजार से अधिक बान्धावों को जनगणना में सूचीबद्ध किया जा चुका है ।

आप सभी के सहयोग एवं टीम भावना का ही स्पष्ट प्रमाण है कि अकल्पनीय लगने वाला कार्य आज भदावर यात्रा की ऐतिहासिक सफलता के रूप में सम्पन हो सका है।

एक बार पुनः आप सभी को इस यात्रा के सफल आयोजन हेतु हार्दिक बधाई, हार्दिक आभार ।

जय संगठन–जय समाज ।

यात्रा के समापन पर सभी ने जलपान ग्रहण कर एक दूसरे को यात्रा की सफलता हेतु आभार एवं शुभकामनाएं देकर अपने अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान प्रारंभ किया ।

इटावा के जिलाध्यक्ष श्री ऋषिकांत चतुर्वेदी द्वारा कैस्त कोठी पर सुन्दर व्यवस्था व इस आयोजन के समापन कार्यक्रम प्रभारी श्री अतुल वी.एन. चतुर्वेदी द्वारा सभी यात्रियों को रास्ते के भोजन हेतु भोजन के पैकेट देकर सहर्ष विदा किया ।

इस अभूतपूर्व यात्रा के प्रत्येक क्षेत्र का अवलोकन करने के बाद में मेरा (पीयूषपाणि चतुर्वेदी) अभिमत एवं सारांश के रूप में कहना है कि भदावर क्षेत्र के हमारे सभी प्रमुख गाँवो की वो हवेलियाँ ओर मकान जो निरन्तर रूप से जमीदोज होती जा रही हैं, वे हमें चीख चीख कर पुकार रही हैं, ओर यही कहना चाह रही है कि हमें आपके पूर्वजों ने अपने खून पसीने की कमाई के साथ बनाया था, इन हवेलियों में आपका जन्म हुआ है,आपके जन्म के अवसर पर ढोलक की थाप पर जच्चा–बच्चा के अनेकों गीत महिलाओं द्वारा समवेत स्वर में गाये गए है,जिन्हें हमारे साथ साथ पूरे नगर, मोहल्ले ने सुना है ।

हवेलियों में अनेक सुखद अवसरों पर आटे एवं हल्दी से चौक बनाए गए हैं, होली दीवाली पर एक दूसरे के घर जाकर खुशियां बांटी गई है,इन्हीं हवेलियों पर विवाह के उपरान्त बेटियों ने देहरी पूजन कर अपने हल्दी लगे हाथों से अपने हाथों से स्वास्तिक बनाकर अपनी निशानियां छोड़ी है।

आज इन्हीं सब बातों को याद कर ये भव्य हवेलियां जार जार कर आँसू बहा रही हैं, अपने उन कुल दीपकों की राह निहार रही हैं, जो यहाँ अपना बचपन गुजार कर आज विभिन्न महा नगरों में सीमित दायरे के मकान,फ्लेट,एवं डुप्लेक्स में अपना जीवन यापन कर रहे है ।

आप अपनी समृद्धता के लिए महानगरों में रहे,बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाये अच्छी बात है लेकिन मेरी करबद्ध प्रार्थना है कि अपने पुरखों की विरासत, अपनी जन्मभूमि को कदापि न भूलें । आइये एक नया संकल्प लें, कि प्रत्येक गाँव में हर व्यक्ति अपना एक घर अवश्य बनाए ताकि हमारे पूर्वजों का नाम सदैव अमर बना रहे ।

इसी परिपेक्ष्य में एक आत्म–निवेदन श्री माथुर चतुर्वेदी

महापरिषद के सभी सम्माननीय संरक्षक गण,सभापति जी,महामंत्री जी एवं समस्त कार्यकारिणी के समक्ष एक प्रस्ताव के रूप में रखना चाहूंगा कि चतुर्वेदी समाज की प्रमुख धरोहर चतुर्वेदी धर्मशाला–बाह जो भदावर क्षेत्र की हृदय स्थली रही है,इस धर्मशाला में न जाने कितने ही परिवारों के शादी–विवाह,जनेऊ आदि कार्य सम्पन्न हुए गए हैं, यात्रा के दौरान जब इस धर्मशाला की जीर्ण शीर्ण अवस्था को देखा तो,हृदय को गहरा आघात लगा ।

सर्वप्रथम भदावर क्षेत्र की इस करोड़ो की संपत्ति को नव जीवन प्रदान करने पर ध्यान देना होगा । महापरिषद अपने कुशल नेतृत्व में इस धर्मशाला का निर्माण कार्य प्रारंभ कराए ताकि हमारे समाज की यह धरोहर पुनः आबाद हो सके ।

इसी भावना को दृष्टिगत रखते हुए चतुर्वेदी धर्मशाला बाह के निर्माण कार्य के अतिशीघ्र ही प्रारम्भ होने की जानकारी दी,साथ ही महापरिषद की ओर से इस पुनीत कार्य हेतु सर्वप्रथम 11 हजार रुपये प्रदान करने की घोषणा की ।

इसी अनुसरण में अनेकों बान्धवों ने भी धर्मशाला का निर्माण कार्य प्रारम्भ होने पर अपनी अपनी ओर से यथा योग्य सहयोग राशि उपलब्ध कराने का संकल्प लिया ।

मेरे द्वारा इस ऐतिहासिक यात्रा के अनेकानेक फोटो एक यादगार के रूप में संग्रहित किये गए है, जिन्हें सम्माननीय सभापति जी,भदावर यात्रा के संयोजक–श्री हीरालाल जी पाण्डे एवं समाज दर्शन पत्रिका के संपादक आदरणीय श्री अतुल वी.एन. चतुर्वेदी को प्रेषित किया जा चुका है,जो इस यात्रा की धरोहर है।

ग्रुप में अधिक फोटो पोस्ट करने पर कुछ बांधवों को तकलीफ होती है,इसलिये सभी फोटो पोस्ट नहीं कर पाया हूँ। यदि सभी ने सहमति दी, तो अवश्य पोस्ट की जाएगी।

इस यात्रा के सभी सूत्रधार, प्रणेताओ, सह–यात्रियों को यथा योग्य सादर पालागन–जय श्रीकृष्णा ।

इस ऐतिहासिक भदावर यात्रा में उपरोक्त उल्लेखित महानुभावो के साथ साथ श्री रोहित चतुर्वेदी–राष्ट्रीय महामंत्री आगरा, राष्ट्रीय मंत्री श्री राकेश पाठक, डॉ0 राजीव चतुर्वेदी–ग्वालियर, श्री सुरेन्द्र चतुर्वेदी, श्री उमेश चतुर्वेदी, श्री समीर मिश्रा, श्री प्रभात चतुर्वेदी कानपुर,महिला परिषद प्रभारी श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी, श्रीमती मोहिता चतुर्वेदी कानपुर, श्रीमती निर्मला चतुर्वेदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष–श्री भारत चतुर्वेदी, महिला परिषद राष्ट्रीय महामंत्री–श्रीमती नीमा चतुर्वेदी, मुम्बई प्रदेशाध्यक्ष श्री सुधीर चतुर्वेदी, युवा परिषद राष्ट्रीय संयोजक–श्री आशीष चतुर्वेदी मथुरा,श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान संरक्षक–श्री कुन्दन लाल चतुर्वेदी–जयपुर, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष–श्री प्रकाश चतुर्वेदी, महामंत्री–श्री सतेन्द्र चतुर्वेदी, मध्य प्रदेश अध्यक्ष–श्री तरुण चतुर्वेदी, राष्ट्रीय उप–सभापति श्री व्यास चतुर्वेदी, डॉ. मुकेश चतुर्वेदी, राष्ट्रीय महिला परिषद संयुक्त मंत्री श्रीमती पूनम चतुर्वेदी 'चीना'–भोपाल,श्री हरीश चतुर्वेदी लखनऊ प्रदेश महामंत्री, श्री अरविन्द चतुर्वेदी दिल्ली, विशेष आमंत्रित सदस्य –श्री सत्येन चतुर्वेदी करौली, श्री अजय चतुर्वेदी–अहमदाबाद, श्री मनोज कुमार चतुर्वेदी–जयपुर, महापरिषद राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष श्री प्रतापभानु चतुर्वेदी, उदयपुर, कोटा जिलाध्यक्ष श्री यतीन्द्र चतुर्वेदी, संयोजक महिला परिषद कोटा श्रीमती रचना चतुर्वेदी ने भदावर दर्शन यात्रा में भाग लेकर अपना सक्रिय योगदान प्रदान किया।

मेरी पूर्ण कोशिश रही है कि में भदावर यात्रा में सम्मिलित सभी महानुभावो एवं मातृशक्ति के नाम समाविष्ट कर सकूं, यदि कोई नाम अभिलिखित करने से रह गया हो तो मानवीय भूल मानते हुए क्षमा करें ।

पीयूषपाणि चतुर्वेदी
महामंत्री श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान

नव वर्ष की हार्दिक बधाई

मेरी भदावर यात्रा

भदावर यमुना और चंबल के बीच का भू–भाग है। भदौरा भिंड जिले का एक गांव है जो कभी भदावर की राजधानी हुआ करता था। जिसके कारण यहां के शासको को भदोरिया और क्षेत्र को भदावर कहा जाने लगा। यह भी मान्यता है कि 5000 साल पहले बृष्णि गणराज्य यहां फल–फूल रहा था। भगवान श्री कृष्ण भी बृष्णि वंशज ही थे। विक्रम संवत 1052 (995 ई.) में चन्द्रपाल चौहान ने यमुना के उत्तरी किनारे पर चन्दवार की नींव डाली। चन्दवार के चौहान वंशीय शासक 600 साल तक यहां शासन करते रहे। गुलामवंश के शासनकाल में मेवातियों ने भदावर पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। हथिया मेव ने हतकांत को अपनी राजधानी बनाया।

चौबों का निबास तो मथुरा में था फिर ये इस बीहड क्षेत्र में आकर कैसे बसे? इसके लिए एक कहानी इस क्षेत्र में बहुधा प्रचलित है। मथुरा पर मुगलों का अधिकार था। न्याय व्यवस्था काजी के हाथ में थी। काजी बड़ा अत्याचारी था, उसका व्यवहार हिन्दू समाज के प्रति बहुत भेदभाव पूर्ण था। उस समय मथुरा में विक्रमजीत चौबे का परिवार भी रहता था। चौबेजी के पांच पुत्र थे। एक पुत्र रामनरायन काजी के अत्याचार से परेशान होकर अपने परिवार सहित शकरपुर सबलगढ़ मध्यप्रदेश में जाकर बस गये थे। चार पुत्र दीपचन्द, उदयचन्द, रायमल और गणेश प्रसाद अपने पिता के साथ मथुरा में ही रहते थे। परिवार में एक विवाह समारोह था। परिवार के पुरूष सदस्य बरात में गये हुए थे। महिलाओं ने खोरिया के अवसर पर एक गीत गाया जिसमें काजी से न्याय कराने की बात की थी। किसी चुगलखोर ने काजी के कान भर दिये कि विक्रमाजीत चौबे की औरतें आपके न्याय की सरेआम खिल्ली उड़ा रही थी। औरतों को कचहरी में हाजिर करने का फरमान जारी कर दिया गया। काजी से बारात वापिस आने तक औरतों को पेश करने की इजाजत मांगी गई। इस दौरान महिला, बुजुर्ग और बच्चों को मथुरा से दूर ग्रामीण क्षेत्रों में भिजवा दिया गया। काजी को बता दिया गया कि हमारी औरतें पर्दानशीन हैं। औरतों से मिलते समय आपके साथ कोई अन्य पुरूष नहीं रहना चाहिए, आप अकेले में उनसे जो पूछना चाहें पूंछ सकते हैं। चौबे जी के घर में पालकियां लगाई गई, जिनमें जनाने कपड़े धारण कर विक्रमजीत, उनके चारों बेटे और अन्य सदस्य पर्दा डाल कर बैठ गये। कहते हैं कि 25 के करीब पालकियां काजी की कचहरी में उतरी। जैसे ही काजी महिलाओं से मिलने पालकियों के पास आये पालकियों में सवार पुरूष पालकियों से नीचे कूदे और काजी का लात–घूंसों से काम तमाम कर दिया। अपने जनाने कपड़े वहीं फैंके तथा अंगरक्षकों का काम तमाम करते हुए एटा की ओर भाग गये। काजीवध सुन कर मुगल सेना ने इनका पीछा किया। यमुना पार राया के पास मुगल सैनिकों के साथ उनका युद्ध हुआ। सभी मुगल सैनिकों को काट–काट कर धरती पर बिछा दिया। इस युद्ध में विक्रमाजीत का पुत्र रायमल और कलुआ धीमर भी शहीद हो गये। विक्रमाजीत चौबे अपने जिन्दा तीनों पुत्र और स्वजनों के साथ बीहड में खो गये। कुछ समय बाद दीपचन्द ने फरौली गांव बसाया।

चौबों में लड़की की शादी में मुगल पसारे जाते हैं

और उनके ऊपर बैठकर बारात का जीमण होता है। भदावर के लोग इस प्रथा को काजीवध से जोड़ते हैं। मेरे गले यह बात नहीं उतरती। करौली के चौबों में भी पहले चौथीचार की प्रथा थी। बारात आने पर पवनछक जनमासे में भिजवा दिया जाता था, जिसे पका कर बारात अपना भोजन करती थी। शादी के पहले दिन सिर्फ तीन फेरे होते थे। दूसरे दिन बारात और पूरा समाज एक साथ बैठते थे। एक दूसरे का स्वागत किया जाता था। वर और वधू को पुनरू मंडप में बिठाया जाता। दोनों पक्षों के गुरू (चौबे बाबा) एक दूसरे के गोत्र एवं शाखाओं का बखान करते। वधू पक्ष की ओर से सभी को ठंडाई और शरबत पेश किया जाता। सभी की सहमति मिलने पर चार फेरे और डाले जाते तब शादी पूर्ण होती थी। इसके पश्चात बारात कन्या पक्ष के घर भोजन करने आती थी। मंडप के चारों ओर महिलायें कन्या पक्ष के पुरूषों के साथ वर पक्ष की महिलाओं के जोड़े बना कर नाम उकेरती थी और मुगल पसारे जाते थे। उन पर बैठकर बारात भोजन करती थी। वधू पक्ष के पुरूष समान रिश्ते वाले वर पक्ष के पुरूषों के साथ सजन गोठ करते थे। मेरी स्वयं की शादी भी इसी परम्परा से सम्पन्न हुई थी। बारात की चढ़ाई हुई, लड़की की रिश्तेदारों ने न्यौछावर की और बारात भूखे ही विदा हो गई। दूसरे दिन चौथीचार के बाद सात फेर पूर्ण हुए तब जाकर बारात को रात में भोजन प्राप्त हुआ।

करौली के चौबों का तो काजीमार कांड से कोई सम्बन्ध नहीं था, ना ही हमारे परिवारों ने कभी उस घटना का उल्लेख किया और ना ही हमारे परिवार या करौली में उस समय तक भदावर क्षेत्र की कोई लड़की आई जो भदावर की परम्परा को अपने साथ लाई हो। हां करौली की एक बेटी की शादी सालों पहले भदावर में हुई जरूर थी। इसके बाद भी करौली के चौबों में भी मुगल पसारने की परम्परा थी। इसका मतलब साफ है कि इस टोटके के पीछे काजीवध की कहानी नही कुछ और कारण रहा होगा। साफ मन से इसकी खोजबीन करनी चाहिए।

होलीपुरा

भदावर क्षेत्र का एकमात्र होलीपुरा गांव है जिसका नाम बचपन में कई बार मेरी मां के मूंह से मैंने सुना था । इसलिए इस गांव को देखने की मेरी ललक ने मुझे भदावर यात्रा का सहयात्री बना दिया। मैंने पूर्व में लिखा है कि भदावर क्षेत्र की कोई भी लड़की करौली में शादी होकर नहीं आई थी अपितु करौली की एक लड़की की शादी आज से 100 साल पूर्व भदावर क्षेत्र में अवश्य हुई थी। उस लड़की का नाम था गोपाली बाई जो होलीपुरा गांव के शम्भूनाथ चौबे को ब्याही गई थी। लड़की के पिता विन्दालाल करौली के राजा भंवरपाल के एलकार थे। राजा भंवरपाल की कोई पुत्री नही थी। रानी साहिबा चौहान जी ने गोपाली बाई का पालन पोषण किया और बड़े होने पर राजा भंवरपाल ने ही गोपालीबाई की शादी कर कन्यादान किया था। इसलिए यह शादी और होलीपुरा गांव करौली के सर्व समाज की चर्चा में रहे थे।

भदावर राजपरिवार की तरह करौली के राजपरिवार ने भी चतुर्वेदियों को पूरा सम्मान दिया है। चतुर्वेदी राज परिवार के राज पुरोहित हैं। राजा भंवरपाल की मृत्यु के बाद उनके छोटे भाई भौमपाल राजा हुए। बाद में उनके पुत्र गणेशपाल जी राजगद्दी पर बैठे। गणेशपाल जी के दो पुत्र बृजेन्द्रपाल जी और सुरेन्द्रपाल जी हुए। बृजेन्द्रपाल जी काफी समय तक करौली के विधायक रहे। आज सुरेन्द्रपाल जी के पुत्र कृष्णचन्द्र पाल राजपरिवार प्रमुख हैं। इनकी पत्नी रानी रोहिणी कुमारी जी भी करौली की विधायक रही हैं। मैं करौली में मूक–बधिर बच्चों का आवासीय सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल संचालित करता हूं। राजपरिवार की इन दिव्यांग बच्चों पर विशेष कृपा है। अब तक विद्यालय को राजपरिवार की ओर से दो करोड़ से अधिक की सहायता मिल चुकी है।

गोपालीबाई की एक मात्र छोटी बहिन कलावती बाई थी, जिनकी शादी मथुरा में हुई थी। उनसे मिलने और दर्शन करने का अवसर मुझे प्राप्त हुआ था। गोपालीबाई शादी के बाद सिर्फ एक बार ही करौली आई थी। इसलिए उनसे मिलने का सौभाग्य हमें प्राप्त नहीं हुआ। गोपालीबाई सबलगढ़ मध्य प्रदेश के पास स्थित गांव रामपुर–बामसौरी स्थित चौबे कन्हैयालाल जी की बहिन थी। कन्हैयालाल जी मेरे नाना थे। आज उस वंश में कोई जिन्दा है तो वह मेरी मां या गोपालीबाई की मां के ही वंशज हैं, पुरूषों की ओर से कोई नाम लेवा पानी देवा नहीं बचा है।

इस क्षेत्र में मान्यता है कि भोगचन्द के पुत्र होली सिंह ने 1675 से 1680 के बीच होलीपुरा बसाया था। चौबे शम्भूनाथ जी का परिवार इस गांव का जागीरदार परिवार था। तालगांव का इतिहास पुस्तक के लेखक कैलाशचन्द

चतुर्वेदी लिखते हैं कि ष्होलीपुरा के राय जुगलकिशोर भी बड़े जमींदारों में थे, वह गंगा, यमुना व चम्बल तीनों नदी का पानी पीते थे। वह इतने बड़े जमींदार थे कि उनके मुकाबले का चतुर्वेदियों में कोई जमींदार नहीं था।

शम्भूनाथ जी इस क्षेत्र के विधायक और आगरा से सांसद भी चुने गये थे। उनकी ख्याति आज भी लोगों की जुबान पर है। इसका अन्दाज इस बात से मुझे लगा कि हम जब बटेश्वर से पिनाहट जा रहे थे तो रास्ता भटक गये। हमने एक राहगीर से मदद मांगी उसने रास्ता बताते हुए उध ार की तरफ जाने की बात करते हुए लिफ्ट मांगी। हमने उसे अपनी गाड़ी में बिठाया और चर्चा प्रारम्भ कर दी। जब होलीपुरा गांव की जिक्र चली तो शम्भूनाथ जी की प्रशंसा करते हुए उसका कहना था कि हमने तो उन्हें नहीं देखा हमारो बाप बतातो कि वो तो राजा आदमी थे। उनके पास जो कोई गयो निराश है के कभी नहीं आयो। इस क्षेत्र में जो भी विकास दिख रोए वो बाबूजी की है दैन है। यहां की तो जनता ही खराब है जाने बिनकू हरा दियो और बाबूजी कूं दुरूखी होर यहां से जानो पड़गौ।

होलीपुरा आज हैरीटेज ब्लेज है। शम्भूनाथ जी के पुरखों की बनाई हवेलियां इस बात की आज भी गवाही दे रही हैं कि इस परिवार का क्या रूतबा रहा होगा। आज इनमें से कुछ तो वीरान हैं परन्तु कुछ में उनके वंशज रहते हैं। गांव में जानकारी करने पर पता चला कि शम्भूनाथ जी के दो पुत्र थे। बड़े पुत्र का तो स्वर्गवास हो गया है। छोटा पुत्र मलेशिया में रहने चला गया था परन्तु अब वापिस हिन्दुस्तान लौट आया है और नौएड़ा में कहीं रहता है।

होलीपुरा गांव में यात्रा पहुंची तब तक शाम के 4. 30 का समय हो चला था। होलीपुरा गांव ने हमें अभीभूत कर दिया। इस गांव में करौली की लड़की की लड़की का पति यह जानकर कि हम करौली से आये हैं आगे से पूछता हुआ मिलने को आया।

तालगांव

सिलपोली (तालगांव) को समझने से पहले हमें यह समझना होगा कि विक्रमाजीत चौबे, अपने चार पुत्रों सहित, मथुरा में काजीवध कर भदावर के बीहड़ों में विलीन हो गये। कुछ समय बाद पहले फरौली और बाद में तरसोखर के पाली डांडे में आकर उनका परिवार बस गया। पाली डांडा श्रापित था, वहां जो भी रहेगा उसके परिवार का अन्त बहुत जल्दी हो जायेगा। इसलिए वहां बसने वालों ने निश्चय कर लिया कि यहां से भागना ही उचित है। विक्रमाजीत चौबे के पुत्र उदयचन्द हुए। उदयचन्द के पुत्र हुए प्रतापचन्द, माना जाता है कि प्रतापचन्द पालीडांडा छोड़कर हतिकांत आये। हथियामेव को मारने में चतुर्वेदियों की प्रमुख भूमिका रही जिसके कारण भदावर राज परिवार के साथ चतुर्वेदियों के अटूट सम्बन्ध बन गये। हथिकान्त आकर प्रतापचन्द के पुत्र प्रेमचन्द राजा बदनसिंह के समक्ष प्रस्तुत हुए और एक नया गांव बसा कर अपने परिवार को बसाने की इच्छा जाहिर की। बाह की तरफ मेवों का बड़ा आतंक था। इसलिए राजा बदनसिंह ने उन्हें सुझाव दिया कि वे मेवाती खेड़ा जायें और वहां से मेवों को भगाकर अपना गांव बसायें। राजा की इच्छा जानकर प्रेमचन्द अपने परिवार के साथ यहां आ गये। यहां से मेवों को भगाने का कार्य पूर्ण कर गांव बसाने के बाद भदौरिया राजा को जाकर सूचना दी कि क्षेत्र को मेवों से मुक्त करा लिया गया है। भदौरिया महाराज यह सुनकर अत्यन्त प्रसन्न हुए और उनके द्वारा बसाया गांव उन्हें ही जागीर में दे दिया। आज भी तालगांव की लगभग तीन हजार बीघा के करीब कृषि भूमि में से 1440 बीघा से अधिक कृषि भूमि पर 20 चौबे परिवारों का मालिकाना हक है। सिलपौली गांव गजपुष्ट भूमि (जिस भूमि का दक्षिण–पश्चिम भाग ऊंचा हो और ढ़ाल उत्तर की ओर हो) पर बसा हुआ है। गांव के चारों ओर तालाब बनाये गये। इन तालाबों के कारण ही गांव का नाम तालगांव पड़ गया। राजस्व रिकार्ड में आज भी गांव का नाम सिलपौली हैध। यह माना जाता है कि गांव 1650 ई. में बसाया गया।

आज तालगांव में प्रमुखरूप से प्रेमचन्द के पांचवे नम्बर के भाई वीरनारायण के पुत्र नैनसुख के वंशज हैं। नैनसुख के दो पुत्र हुए फेरूलाल (फकीरे) और कपूरे, कपूरे संभवतरू नाऔलाद रहे। फैरूलाल के दो पुत्र हुए पृथ्वी सिंह और माधोसिंह। आज इन दो भाईयों के वंशज ही इस गांव में निवास करते हैं।

तालगांव में यात्रा का स्वागत यात्रा के सूत्रधार हीरालाल पाण्डे के पैतृक आवास पर हुआ। हीरालाल प्राणसुख परिवार की छठी पीढ़ी के सदस्य हैं। इनके पिता त्रिवेणी सहाय के पांच पुत्र हुए। चौथे नम्बर के भाई गोरख गोद चले गये। आज चारों भाईयों का परिवार संयुक्त रूप से रहता है।

बड़े भाई मुरारीलाल गांव में रहकर खेती का काम संभालते हैं, इसमें चौथे नम्बर के भाई हितेन्द्र उनका सहयोग करते हैं। हीरालाल कक्षा 12 पास कर छोटी उम्र में ही गांव छोड़ कलकत्ता हिन्द मोटर में काम करने चले गये परन्तु वहां काम करने वालों की स्थिति देख काम नही करने का निश्चय कर लिया और काम छोड़ 15 दिन में ही गांव वापिस आ गये। बाद में आपने 1967 में कानपुर की स्वदेशी शुगर सप्लायर्स में डिस्पैच क्लर्क की नौकरी पकड़ ली। इस दौरान आपने अपनी शिक्षा को बढ़ाया। डी. ए. वी. कालेज से आपने एम. ए. अर्थशास्त्र और एल. एल. वी. की उपाधि प्राप्त की। आपने बटेश्वर में हुए दस्यु आत्म समर्पण में बाबू जयप्रकाश नारायण के साथ कार्य किया और उनके काफी नजदीक के व्यक्ति बन गये। आत्म समर्पण कर चुके डाकूओं को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए आपने उनके साथ मिलकर एक प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी बनाई। आप इस कम्पनी के द्वारा एक कम्बल बनाने का कारखाना डालना चाहते थे परन्तु तत्कालीन उ. प्र. मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी का सहयोग ना मिल पाने से योजना ठप्प हो गई। इसके बाद आपने दिल्ली में रहकर ही एक गुजराती व्यवसायी के साथ मार्बल का व्यापार प्रारम्भ कर दिया। व्यापार जमने पर आपने छोटे भाई अरविन्द को भी सहयोग करने के लिए दिल्ली बुला लिया। आप दिल्ली के परमपुरी, उत्तमनगर में अपना घर बना कर सभी पांचों भाईयों के बच्चों के साथ रहते हैं।

दिल्ली में आप व्यापार के साथ–साथ आर.एस.एस. की गतिविधियों के सहयोगी भी बन गये। आपने सेवाभारती दिल्ली के कोषाध्यक्ष का दायित्व भी संभाला। भारत सरकार ने आपकी सेवाओं को देखते हुए भारतीय पुनर्वास परिषद का सदस्य नियुक्त किया। आज आप सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक परिषद के सदस्य के बतौर कार्य कर रहे हैं।

तालगांव में हीरालाल पाण्डे परिवार की ओर से इस यात्रा में सम्मलित सभी महिला–पुरूष सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया गया।

पुरा-कन्हैरा

पुरा–कन्हैरा गांव की बसावट होलीपुरा के बाद की मानी जाती है। तालगांव का इतिहास पुस्तक के लेखक कैलाशचन्द चतुर्वेदी ने होलीपुरा की बसावट का अनुमान 1675–1680 ई. का मानते हुए, पुरा कन्हैरा की बसावट का समय 1682 ई. माना है। पुरा गांव और तालगांव के बीच वैसे तो कुछ खेतों का ही फांसला है, परन्तु सीधा रास्ता सही नहीं होने के कारण यात्रा थोड़ा चक्कर खाकर कन्हैरा पहुॅची। यहां यात्रा का स्वागत उल्फतराय परिवार द्वारा किया गया। इसी परिवार में सायपुर (करौली) गांव के मुरारीलाल चतुर्वेदी की पुत्री की शादी हुई है। जब हमें इस बात की जानकारी हुई तो हम उनकी हवेली के अन्दर गये और उस बिटिया से भी मुलाकात की।

हबेली के बाहर एक बैनर लगा था – उल्फतराय परिवार आपका स्वागत करता है। चौबों में उल्फतराय नाम मेरे मन में उत्सुकता जगा रहा था, इसलिए परिवार के एक सदस्य से मैंने पूंछ ही लिया – ष्ये उल्फतराय जी का क्या इतिहास है?ष मुझे कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला तो मैंने अपना प्रश्न यात्रा के आयोजकों में से एक हीरालाल पाण्डे जी की ओर उछाल दिया। आपने भी टालते हुए कहा कि ष्अभी तो चलो रास्ते में बता दूंगा।ष मैं होलीपुरा में ही यात्रा को छोड़ करौली के लिए रवाना हो गया, इसलिए हीरालाल जी का उत्तर उनके मन में ही रह गया। मेरा जिज्ञासु मन का कीड़ा शांत नहीं हुआ। मैंने जिस किसी से यात्रा का विवरण साझा किया उसमें पुरा–कन्हैरा के उल्फतराय का सबाल हमेशा ही सम्मलित रहा था। मुझे मेरे सबाल का जबाव प्राप्त हुआ कमतरी प्रबासी और हाल में कोटा निवासी, मेरी छोटी बेटी अमुक्ता के ममीया ससुर, दद्दा हेमंत चतुर्वेदी जी से। हेमंत चतुर्वेदी ने बताया कि चौबे उल्फतराय कमतरी गांव के रहने वाले थे। उनका परिवार कलकत्ता में रहता था। उनका पेपर का बहुत बड़ा व्यवसाय था। कलकत्ता में उन्हें पेपर किंग के नाम से जाना जाता था। उनके व्यापार का क्या स्तर रहा होगा, इसका अंदाज सिर्फ, इस बात से लगाया जा सकता है कि पेपर के सट्टा बाजार के भाव उनकी कोठी से खुलते थे। अंग्रेज सरकार ने उन्हें 'राय' का खिताब से नबाजा था। इसलिए उनके नाम के साथ राय शब्द चिपक गया। आज भी कमतरी गांव में उनकी जो विशाल हबेली है वैसी हवेली भदावर क्षेत्र के चौबों के पास अन्य गांव में मिलना मुश्किल है। उनकी प्रसिद्धि का आलम यह था कि उस समय जन्में बच्चों के नाम 'उल्फतराय' रखने में माता–पिता

गर्व महसूस करते थे। इसलिए कई गांवों में और कई समाजों में उल्फतराय नाम मिलना क्षेत्र में आम बात है। भदावर क्षेत्र में चौबों ने अपना जो यश फैलाया उसकी गूंज आज भी इस क्षेत्र की वादियों में फैली हुई है।

उपसंहार

इस यात्रा का आयोजन अपनी जडों को पहचानने के उद्देश्य से अखिल भारतीय चतुर्वेदी महा परिषद ने किया। परिषद अपने उद्देश्य में पूरी तरह सफल रही। यात्रा के लिए जिस संख्या में लोगों ने अपने पंजीयन कराये कि महापरिषद को पंजीयन बीच में रोकते हुए यह ऐलान करना पड़ा कि हम व्यवस्थाओं के चलते पंजीयन बन्द कर रहे हैं। यात्रा का दूसरा दौर जब प्रारम्भ किया जायेगा तब पुनरू पंजीयन प्रारम्भ किये जायेंगे। उम्मीद है महापरिषद अपने वचन पर कायम रहेगी। मैं भी दूसरे दौर की यात्रा में जुड़ना चाहूंगा और उन गांवों को देखना चाहूंगा जिन्हें देखने से में वंचित रह गया।

सभी गांवों में यह भी अच्छा देखने को मिला कि गांव के बुजुर्गों ने जहां महा परिषद के पदाधिकारियों का स्वागत किया वहीं प्रत्येक गांव में महापरिषद के पदाधिकारियों ने भी गांव के वरिष्ठ समाज बंधुओं का शाल उड़ा कर अभिनन्दन किया।

इस वार की यात्रा के आयोजन में मुझे कुछ कमियां भी महसूस हुई। जिनका उल्लेख मैं इस उम्मीद के साथ कर रहा हूं कि अगले आयोजनों में आयोजकों को यात्रा की योजना बनाते समय कुछ मदद मिले।

01. यात्रा का कार्यक्रम बहुत ही कसा हुआ था। एक गांव से दूसरे गांव जाने में इतनी भागम–भाग थी कि यात्रा ने अपना स्वरूप ही खो दिया। यात्रा के आयोजक गांव में पहुंच कर कार्यक्रम प्रारम्भ कर देते। कार्यक्रम समाप्त कर वे अगले गांव के लिए रवाना होने लगते तब तक भी कुछ ग्रुप उस गांव में आते रहते। यात्रा के प्रारम्भ से पहले यात्रा में सम्मलित सभी गाड़ियों पर यात्रा के झंडे और स्टीकर लगाये गये। यदि ये सभी गाड़ियां एक काफिले के रूप में चलती तो क्षेत्र में यात्रा का अलग ही असर होता।

02. यात्रा के आयोजकों ने यात्रा की योजना यह मानते हुए बनाई कि इसमें सिर्फ भदावर से निकले हुए परिवारों के सदस्य ही भाग लेंगे। एक हद तक यह यात्रा में देखने को भी मिला। इसलिए क्षेत्र की जानकारी देने की उन्होंने कोई आवश्यकता ही महसूस नहीं की। माथुर चतुर्वेदी महा परिषद एक अखिल भारतीय संस्था है। इसके सभी आयोजनों में देश के सभी क्षेत्रों के सदस्य सम्मलित होंगे हमें यह सुनिश्चित मान लेना चाहिए। क्षेत्र से अनजान लोग यात्रा में सम्मलित होकर भी क्षेत्र से अपरिचित रह जायें यह तो उनके साथ न्याय नहीं होगा। इसलिए यात्रा आयोजन से पूर्व ऐसे सदस्यों की पहचान कर किसी योग्य सदस्य के परिवार के साथ उन्हें ठहराया जा सकता हैध्। उस परिवार के साथ रहकर वह अपनी जिज्ञासाओं को भी शांत कर लेगा तथा आयोजकों के लिए भी यात्रा में सम्मलित होने वाले सदस्यों के आवास की चिंता से मुक्ति मिलेगी।

03. यात्रा आयोजन के लिए कमेटी बना देने भर से कार्य पूर्ण नहीं हो जाता। यात्रा की सफलता के लिए स्थानीय भागीदारी बढ़ाने हेतु हमें अपने प्रयास और बढ़ाने हौंगे। इस बार इसकी मुझे थोड़ा कमी महसूस हुई। यात्रा में नौजवान वालंटियर कम नजर आ रहे थे। पहले दिन बटेश्वर में आवास स्थल से पिनाहट तक जाने के लिए हमारे साथ चलने वाला कोई वालंटियर नहीं था। यदि हमारे साथ कोई मार्गदर्शक होता तो हम रास्ता नहीं भटकते। हम गांवों में भी किसी घर में घुसे तो हमें घरवालों में यात्रा के प्रति कोई विशेष उर्जा महसूस नहीं हुई। यदि हम यात्रियों का आवास अलग–अलग घरों में करवाना प्रारम्भ करेंगे तो वे स्थानीय व्यक्तियों में सहजता से घुले गए–मिलेंगे तथा स्थानीय लोगों की भागीदारी भी स्वतरू ही मजबूत होगी।

उपरोक्त सुझाव एक समालोचना के रूप में ही देखे जाने चाहिए। हमारे समाज में माथुर चतुर्वेदी महासभा तो काफी पूर्व से ही कार्य कर रही है। उसके बाद भी हमें महा परिषद बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ी? क्योंकि महासभा से ऐसी ध्वनि निकल रही थी जैसे वह एक परिवार द्वारा संचालित है, समाज द्वारा नहीं। महा परिषद में ऐसी ध्वनि कभी नहीं आनी चाहिए कि वह किसी परिवार द्वारा संचालित की जा रही है, लगना चाहिए की यह समाज द्वारा संचालित है जिसमें कुलीन, बदलुआ, कड़वे और मीठों की समान भागीदारी ही नही समान सम्मान भी निहित है।

सत्येन्द्र चतुर्वेदी
करौली– राजस्थान

भदावर दर्शन यात्रा-2023

"सौजन्य से पीयूष पाणि"

भदावर दर्शन यात्रा-2023

"सौजन्य से पीयूष पाणि"

भदावर दर्शन यात्रा-2023

''सौजन्य से पीयूष पाणि''

भदावर दर्शन यात्रा-2023

''सौजन्य से पीयूष पाणि''

भदावर दर्शन यात्रा-2023

"सौजन्य से पीयूष पाणि"

भदावर दर्शन यात्रा-2023

"सौजन्य से पीयूष पाणि"

भदावर दर्शन यात्रा-2023

''सौजन्य से पीयूष पाणि''

द्वादश राशियों का ग्रहगोचरानुसार 2024 वर्ष फल एवं उपाय

लेख पं0 कामेश्वरनाथ गुरु चतुर्वेदी मथुरा

वर्षारम्भ से वर्षान्त तक इस राशि पर शनि की नीच दृष्टि रहने से मानसिक तनाव एवं गुप्त चिन्ताएं बनी रहेंगी ।

बनते हुए कार्यों में अड़चनें, स्वास्थ्य कष्ट तथा निकटस्थ सम्बन्धियों से मनमुटाव रहे । परन्तु वर्षारम्भ से ही 30 अप्रैल तक गुरु का संचार इस राशि पर होने से मान सम्मान तथा सर्विस कारोबार मे तरक्की (प्रोमोशन) भी होगी । 5 फरवरी से 14 मार्च तक राशिस्वामी मंगल उच्चराशि (मकर)मे आकर मेष राशि पर स्वगृही दृष्टि करेगा,जिससे बिगडेघ कामों में सुधार,स्वास्थ्य में भी बेहतरी होगी। 23 अप्रैल से 31 मई तक मंगल द्वादशस्थ राहुयुक्त होने से सोचे हुए कार्यों में विघ्न बाधाएं,विलम्ब हो, घरेलु कलह क्लेश,गुप्त चिन्ताएँ,धन का खर्च अधिक तथा यात्राओं में परेशानियां रहें। ता.20 अक्तूबर से वर्षान्त तक मंगल कर्क (नीच) राशिगत रहने से बनते कार्यों में उलझनें, धन हानि व परेशानियों का सामना रहे । स्वास्थ्य भी खराब रहे । उपाय(1) प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को कच्ची लस्सी में शहद,तिल,चावल आदि डालकर श्रीहरिहर अष्टोत्तर शतनामस्तोत्र का पाठ करके पीपल पर चढ़ावें। (2) फाल्गुन अथवा श्रावण मास में त्रयोदशी से लगातार 3 दिन प्रदोषकाल में रुद्राभिषेक करना शुभ एवं कल्याणकारी रहेगा।।

वर्षफल वृष राशि

वर्षारम्भ में इस राशि पर बुध,शुक्र ग्रहों की दृष्टि पड़ रही है,जिससे अत्यन्त कठिनाईयों एवं संघर्ष के बावजूद निर्वाह योग्य आय के साधन बनते रहेगे ।18 जन.से 11 फर.तक राशिस्वामी शुक्र अष्टम भाव में होने से बनते कार्यों में विलम्ब एवं अड़चनें रहेंगी । 31 मार्च से 24 अप्रैल,तक शुक्र उच्च राशिस्थ मीन में होने से धन लाभ व उन्नति के आसार बनेंगे ।

ता.1 मई से गुरु इस राशि पर संचार करने से देश विदेश में जाने का मन बनेगा। उच्च प्रतितष्ठित लोगों के साथ मेल होगा। 19 मई से शुक्र के इसी राशि में संचार करने से मान सम्मान, धन लाभ एवं पदोन्नति होने के अवसर प्राप्त होंगे। 24 अग.से शुक्र के नीच राशि में केतुयुक्त संचार करने से मानसिक तनाव एवं विद्या के सम्बन्ध में विन्ध बाधाओं का सामना रहे । उपाय(1) वर्षभर प्रत्येक शुक्रवार छोटी कन्याओं का पूजन करके उन्हें बर्फी, फलादि भेंट देकर स्वयं व्रय रखें । (2) अथवा शुक्रवार को लक्ष्मीनाराण मन्दिर में श्रीसूक्त का पाठ करके 5–7 कन्याओं को मीठा प्रशाद खिलाएं । ऐसा लगातार 21 शुक्रवार करें ।

वर्षफल मिथुन राशि

वर्षरम्भ ता.1 जन. से 7 जन.तक बुध षष्ठस्थ होने से कुछ स्वास्थ्य कष्ट रहे । परन्तु ता.7 जन. से 31 जन.तक मिथुन राशि पर बुध की स्वगृही दृष्टि रहने से कठिन परिस्थितियों कें बावजूद निर्वाह योग्य आय के साधन बनते रहेगे । परन्तु 10 फर.से 12 मार्च तक बुध अस्त होने से स्वास्थ्य में गड़बड़,आय कम तथा खर्च अधिक होंगे। ता 7 मार्च से 25 मार्च तक,पुनः 9 अप्रै.से 9 मई के मध्य बुध नीच (मीन) राशिगत एवं राहुयुक्त होकर संचार करने से स्वास्थ्य हानि,अत्यधिक खर्च,तनाव एवं बनते कार्यों में अड़चनें पैदा होंगी। 31 मार्च से 14 जून के मध्य बुध 12 वें होने से वृथा,दौड़धूप,धन हानि होने के योग हैं। ता 23 सितं.से 9 अक्तू.राशिस्वामी बुध उच्चस्थ (कन्या) होने से अचानक धन प्राप्ति के योग है। ता. 29 अक्तू.से वर्षान्त तक बुध छठे में होने से स्वास्थ्य कष्ट,चोटादि का भय है ।

उपाय 1 लगातार 9 बुधवार को श्रीविष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करके फलादि से कन्या पूजन करना विशेष शुभ रहेगा।

2 अगस्त, 2024 ई.को बाद प्रत्येक बुधवार गौओं को हरा चारा तथा चपातियाँ खिलावें ।

वर्षफल कर्क राशि

कर्क राशि पर शनि की ढैय्या का प्रभाव वर्षभर रहेने से वृथा दौड़ धूप,अनावश्यक खर्च, गुप्त चिन्ताएं,रोग,शोक,कलह क्लेश,धन हानि,बन्धु विरोध, कार्यों में विघ्न बाधाओं एवं आर्थिक उलझनों का सामना रहेगा। वर्षारम्भ से 14 मार्च तक मंगल की नीच दृष्टि इस राशि पर रहने से मानसिक तनाव, क्रोध विशेष रूप से अधिक रहेगा। ता.15 मार्च से 22 अप्रैल तक मंगल

अष्टमस्थ रहने से बनते कार्यों में अड़चनें रहेंगी ।

ता.16 जुला.से 16 अग.के मध्य सूर्य इसी राशि में संचार करने से भी स्वास्थय कष्ट, स्वभाव में क्रोध व उत्तेजना बढ़ेगी । ता.20 अक्तू.से मंगल इस राशि पर नीचावस्था में संचार करने से स्वास्थ्य विकार, मानसिक तनाव तथा चिड़चिड़ापन अधिक रहे। उपाय 1 संकल्पपूर्वक मंगलवार का व्रत रखकर कथा पढ़ना,गऊओं को गुड़,चारा तथा गरीब आश्रितों को लाल वस्त्र फल दान करना शुभ एवं कल्याणकारी रहेगा। भौम गायत्री मन्त्र का भी पाठ करें।

2 शनि की ढैय्या के निवारण हेतु प्रत्येक शनिवार को शनि मन्दिर में तेल चढ़ाना तथा दशरथकृत शनि स्तोत्र का पाठ करना शुभ होगा ।

वर्षफल सिंह राशि

वर्षभर सिंह राशि पर शनि की शत्रु सप्तम दृष्टि रहने से मानसिक तनाव,भाई बन्धुओं से मन मुटाव या विरोध रहे । गुप्त चिन्ताएँ, घरेलू तथा व्यवसाय सम्बन्धी उलझनें व परेशानियां बढ़ेंगी। परन्तु वर्षारम्भ से 30 अप्रैल तक गुरु की दृष्टि रहने से भाग्यवश कुछ रुकावटों के बावजूद बिगड़े रुके हुए कार्य बनते जाएंगे। ता 5 फर.से 22 अप्रैल तक मंगल की भी अशुभ दृष्टि रहने से मानसिक तनाव,दौड़ धूप अधिक रहे,कोध व उत्तेजना से बचें। 14 अप्रैल से सूर्य भाग्यस्थान में उच्चस्थ होने से आय के स्त्रोतों में वृद्धि तथा धन लाभ के अवसर बनेंगे। परन्तु शनि की शत्रु दृष्टि के कारण तनाव बहुत रहे। आय कम व खर्च बढ़ेंगे। उपाय 1 वर्षभर शनि की अशुभ दृष्टि के निवारण हेतु हर शनिवार शनि मन्दिर में तेल,काले तिल चढ़ाना और दशरथकृत शनि स्तोत्रम् का पाठ करना शुभ रहेगा । 2 रविवार का विधि ापूर्वक व्रत रखें। ब्राह्मण को भोजन करवाकर लाल वस्त्र, लाल फल,गुड़, नारियल आदि धर्मग्रन्थ सहित दान करें । 3 जन्मदिन पर जन्मदिन पूजन करवाकर अष्ट दीर्घजीवी आचार्यों का पूजन करें।

वर्षफल कन्या राशि

वर्षरम्भ से वर्षान्त तक इस राशि पर केतु का संचार रहने से वृथा मानसिक तनाव, परेशानियां तथा धन हानि होगी। जीवनसाथी के साथ भी मन मुटाव रहे। 10 फर. से 12 मार्च तक राशिस्वामी बुध अस्त रहने से भी बनते कार्यों में अड़चनें पड़ने की सम्भावनाएं होंगी। 9 अप्रैल से 9 माई तक बुध नीच राशि में तथा 2 अप्रै. से 24 अप्रै. के मध्य वक्री रहने से स्वास्थ्य भी ठीक न रहे तथा अपने नजदीकी सम्बन्धी भी परायों जैसे व्यवहार करेंगे। 1 मई से गुरु की दृष्टि रहने से उलझनों के बावजूद काम होते रहेंगे। ता. 10 से 30 मई तक बुध अष्टमस्थ, फिर 29 जून से 18 जुला. तक कर्क राशिगत पुनः 22 अग. से सितं.तक रहने से आर्थिक उलझनें,स्वास्थ्य कष्ट रहे ।23 सितं. से 9 अक्तू. तक बुध इसी राशि कन्या में रहने से मान सम्मान में वृद्धि तथा धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। उपाय 1 सम्पूर्ण वर्ष श्रीगणेश चतुर्थी का संकल्पपूर्वक व्रत रखना तथा बालकों में बूंदी लड्डू ओं का प्रसाद बाँटना शुभ एवं कल्याणकारी रहेगा। 2 मई मास से हर 16 बृहस्पतिवार का व्रत रखकर धर्म स्थान पर हलुवा या पीले मीठे चावलों का लंगर करवाएं या केले बांटे। व्रतोद्यापन के बाद धर्मस्थान पर सुपात्र व्यवित को श्रीमदभागवत् सुखसागर ग्रंथ का दान करें 3 लगातार 6 बुधवार सवा किलो साबुत मूँगी दाल सामर्थ्यानुसार धर्मस्थान अथवा पिंगलवाड़ा में दान देना शुभ होगा।

वर्षफल तुला राशि

वर्षारम्भ से 30 अप्रैल तक गुरु की इस राशि पर शत्रु दृष्टि रहेने से सर्विस अथवा व्यवसाय में नित्य नई नई परेशानियों का सामना रहे,शत्रु प्रबल रहेंगे। 18 जन.से 11 फर.तक राशिस्वामी शुक्र शत्रुराशिगत रहने से भी विपरीत परिस्थितियों एवं संघर्षशील समय रहेगा। परन्तु 31 मार्च से 24 अप्रैल तक शुक्र उच्च मीन राशिस्थ संचार करने से उच्चस्तरीय लोगों के साथ सम्बन्ध बनेंगे परन्तु राहु युक्त होने के कारण लाभ व उन्नति के मार्ग में रुकावटें रहेंगी। 7 जुला. से 24 अग.के मध्य शुक्र क्रमशः कर्क व सिंह राशि में संचारित होने से मिश्रित फल प्राप्त होंगे । गुजारे योग्य आय होने पर भी खर्च बहुत अधिक बढ़ेंगे । ता 25 अग.से 17 सितं.के मध्य शुक्र द्वादश भाव में नीच राशिस्थ संचारित होगा। यह अवधि तुला राशि वाले जातकों के लिए विशेष घटनाप्रद होगी। 18 सितं. से 12 अक्तू.तक शुक्र तुला राशि में ही संचार करने से बिगड़े कामों में सुधार होगा । निर्वाह योग्य आय के साधन बनेंगे। उपाय 1 प्रत्येक शुक्रवार सन्तोषी माता का विधिवत व्रत रखना और कन्या पूजन करके कन्याओं में मीठा प्रसाद, फलादि दक्षिणा सहित भेंट करना शुभ रहेगा। 2 अप्रैल तक प्रत्येक बृहस्पतिवार 6 केले बालकों में बाँट दे । 3 नवरात्रों में श्रीदुर्गा सप्तशती का पाठ करना एवं गौशाला में शुक्रवार से शुरु करके सात दिन तक गाय को हरा चारा,गुड़ मिश्रित पेड़ा डालना शुभ होगा ।

वर्षफल वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि पर शनि की ढैय्या का अशुभ प्रभाव वर्षभर रहेगा। वर्षारम्भ से 4 फर. तक राशिस्वामी मंगल धनु स्थान में रहेगा। ग्रहस्थिति अनुसार मानसिक तनाव,व्यर्थ की

भागदौड़ खर्च अधिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियां भी रहेंगी। 5 फर.से 14 मार्च तक मंगल उच्च राशिगत मकर संचार करने से मान सम्मान में मामूली वृद्धि तथा निर्वाह योग्य धन लाभ के स्त्रोत बनेंगे। ता.1 मई से पंचमेश गुरु की शुभ सप्तम दृष्टि रहने से गत किए गए प्रयासों में सफलता प्राप्ति के संकेत हैं। कार्य व्यवसाय में कछ परिवर्तन की योजना बनेगी। ता.1 जून से 25 अग.तक मंगल की स्वगृही दृष्टि रहने से भी विध्न बाधाओं के बावजूद निर्वाह योग्य आय के साधन बनते रहेंगे। ता.20 अक्तू. से मंगल भाग्यस्थ नीच कर्क राशिगत सचार करने एवं 6 दिसं. से मंगल वक्री रहने से संघर्षपूर्ण एवं तनावपूर्ण परिस्थितियां रहेंगी। उपाय 1 वर्षभर प्रत्येक शनिवार काँसे की कटोरी में तेल का छायापात्र करना,शनि मन्दिर में काले तिल एवं तेल शनि का बीज मन्त्र पढ़ते हुए चढ़ाना शुभ रहेगा । 2 जनवरी से वर्षान्त तक सात शनिवार काले मांश को पीसकर उसकी आटे की गोलियां बनाकर मछलियों को डालना शुभ रहेगा ।

वर्षफल धनु राशि

वर्षारम्भ से 30 अप्रैल तक इस राशि पर गुरु की स्वगृही दृष्टि रहने से विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बिगडेघ हुए काम बनेंगे। धर्म कर्मादि शुभ कृत्यों की ओर प्रवृत्ति रहेगी। उच्चविद्या एवं कम्पीटीशन में सफलता प्राप्ति के योग बनेंगे। यद्यपि पंचम भाव पर शनि की नीच दृष्टि के कारण सन्तान सम्बन्धी गुप्त चिन्ता तनाव, अत्यधिक खर्च एवं घरेलु उलझनें भी रहेंगी। 1 मई से वर्षान्त तक राशिस्वामी गुरु छठे स्थान में शत्रुराशिगत संचार करेगा । ता.14 जून से 19 अक्तू. तक धनु राशि पर क्रमशः सूर्य एवं मंगल की संयुक्त दृष्टियां रहेंगा । जिस कारण धनु राशि वाले जातक जातिकाओं को अत्यिधक क्रोध एवं आवेश के कारण नजदीकी लोगों के साथ कलह क्लेश होने का भय होगा। उपाय 1 जन्मदिन को जन्मदिन पूजन करवाकर,भगवान सूर्य को अर्ध्य प्रदान करें तथा ब्राह्मण को भोजन करवाकर वस्त्र, फल धर्मग्रन्थ सहित दान करें। 2 मई मास से प्रत्येक बृहस्पतिवार का व्रत रखकर एक समय मिष्ठान्न के साथ भोजन करें। 3 प्रत्येक गुरुवार को केशर का तिलक लगाएं तथा पीले मिश्रित रंग के कपड़े.पहनें।

वर्षफल मकर राशि

शनि साढ़े साति का प्रभाव इस राशि पर वर्षभर रहेगा तथा 30 अप्रैल तक चतुर्थस्थ गुरु पर शनि की नीच दृष्टि भी रहेगी। फलतः अनेक घरेलु एवं व्यवसायिक उलझनें रहेंगी। निकटस्थ लोगों के साथ तनाव व झगड़े रहें स्वास्थ्य सम्बन्धी नवीन परेशानियां उभरती रहेंगी। परन्तु 5 फर. से 14 मार्च तक मंगल इस राशि पर उच्चस्थ होकर संचार करने से मान प्रतिष्ठा में वृद्धि तथा बिगडेघ कार्यों में सुधार होगा। ता.1 मई से वर्षान्त तक गुरु की नीच दृष्टि इस राशि पर रहने से धन लाभ अल्प तथा सोची हुई योजनाओं के क्रियान्वयन में विध्न बाधाएं रहेंगी। ता.26 अग.से 19 अक्तू. के मध्य मंगल की अष्टम दृष्टि रहने से क्रोध, उत्तेजना अधिक रहेगी। 20 अक्तू.से वर्षान्त तक मंगल की स्वोच्च दृष्टि रहेगी,दृष्टि रहने से क्रोध, उत्तेजना अधिक रहेगी । 20 अक्तू.से वर्षान्त तक मंगल की स्वोच्च दृष्टि रहेगी,जिससे अत्यधिक संघर्ष के बावजूद आय के साधन बनते रहेंगे ।

उपाय 1 जन्मदिन तथा लगातार 7 शनिवार गरीब अन्धचक्षु तथा कुष्ट रोगियों की दवाई,अनाज वस्त्रों आदि से सेवा करना शुभ रहेगा। 2 शनिवार को सरसों के तेल में अपना चेहरा मुख देखकर मन्त्र पढ़ते हुए सायंकाल के समय शनि मन्दिर में चढ़ाएं। मन्त्र ओं प्रां प्री प्रौं सः शनये नमः ।

3 कार्तिक मास में 17 अक्तू.से प्रतिदिन सूर्य भगवान को ओं घृणिः सूर्याय नमः मन्त्र के साथ अर्ध्य दे तथा कार्तिक माहात्म्य का पं.कामेश्वरनाथ द्वारा बताया गया।

वर्षफल कुम्भ राशि

वर्षभर राशिस्वामी शनि इसी राशि पर संचार करने से शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा। फलतः किसी नए कार्य की योजना बनेगी। गत किए गए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी । परन्तु साढ़ेसाती होने से मानसिक तनाव,घरेलु उलझनें एवं खर्च अधिक होगें। पारिवारिक एवं निकटस्थ बन्धुओं के साथ मन मुटाव भी रहेगा। 13 फर.से 13 मार्च तक कुम्भ राशि पर सूर्य शनि योग होने से विध्न बाधाओं के बावजूद कुछ कार्य बनेंगे, आँखों में कष्ट, स्वास्थ्य की हानि तथा तनाव की स्थिति रहेगी। ता.15 मार्च से 22 अप्रै. तक मंगल शनि योग इसी राशि पर होने से मानसिक एवं गुप्त चिन्ताएं, किसी बन्धु से तकरार या झगड़ा तक हो सकता है। सावधानीपूर्वक व्यवहार करें।

16 अग.से 15 सितं.के मध्य इस राशि पर सूर्य बुध की अलग अलग दृष्टियां पड़ने से उपरोक्त अवधि में कार्य व्यवसाय सम्बन्धी विशेष परेशानियां होगी। उपाय 1 जन्मदिन तथा लगातार 7 शनिवार गरीब अन्धचक्षु तथा कुष्ट रोगियों की दवाई अनाज, वस्त्रों आदि से सेवा करना शुभ रहेगा। 2 शनिवार को सरसों के तेल में अपना चेहरा मुख देखकर मन्त्र पढ़ते हुए सायंकाल के समय शनि मन्दिर में चढाएं। मन्त्र ओं प्रां प्रीं प्रौं सःशनये नमः।

3 कार्तिक मास में 17 अक्तू.से प्रतिदिन सूर्य भगवान् को ओं घृणिःसूर्याय नमः मन्त्र के साथ अर्ध्य दें तथा कार्तिक माहात्म्य का।

वर्षफल मीन राशि

वर्षभर इस राशि पर राहु का संचार तथा शनि साढेघ्साती का प्रभाव रहने से प्रत्येक बनते हुए एवं शुभ कार्य के आरम्भ में अड़चनों रुकावटों का सामना करना पडेघ धन का अपव्यय तथा क्रोध की भावना अधिक रहेगी । ता. 14 मार्च से 12 अप्रै. के मध्य राहु के साथ सूर्य भी इस राशि पर संचार करने से स्वभाव में क्रोध व उत्तेजना बढ़ेगी, स्वास्थ्य में खराबी एवं वृथा खर्च भी बढ़ेंगे ।

23 अप्रै. से 31 मई तक मंगल राहु योग इस राशि पर रहने से पारिवारिक एवं व्यवसायिक जीवन में बड़ी उथल पुथल वाली परिस्थितियां बनेंगी। ता 1 मई से राशिस्वामी गुरु तृतीय भाव में वृष राशिस्थ रहेगा, जिससे कार्य परिस्थितियां बनेंगी । ता 1 मई से राशिस्वामी गुरु तृतीय भाव में वृष राशिस्थ रहेगा, जिससे कार्य व्यवसाय में कुछ परिवर्तन के योग बनेंगे। शनि की कोष द्वितीय भाव पर नीच दृष्टि के कारण वर्षभर आर्थिक क्षेत्र में अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना होगा। उपाय 1 प्रत्येक गुरुवार को केले के पौधे का पूजन करना,भगवान् शंकर की पूजा करके शिवलिंड्ग पर हल्दी मिलाकर जल ओं नमःशिवाय मन्त्र पढ़ते हुए बेलपत्र सहित चढ़ाना शुभ होगा। 2 प्रतिदिन गुरु गायत्री मन्त्र का 108 बार जाप करके भगवान् सूर्य को ओं घृणिः सूर्याय नमः मन्त्र पढ़कर अर्ध्य प्रदान करना। गुरु गायत्री मन्त्र ओं अंगिरो जाताय विद्महे वाचस्पतये धीमहि तन्नो गुरुः प्रचोदयात।। वर्षभर प्रतिदिन पक्षियों को बाजरा डालना शुभ रहेगा।

झालावाड़ जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री राजकुमार चतुर्वेदी ने श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के राष्ट्रीय संरक्षक श्री सुखदेव जी चतुर्वेदी, सभापति श्री नीरज जी चतुर्वेदी, महामंत्री संगठन एवं राजस्थान प्रभारी श्री प्रणव जी चतुर्वेदी, महापरिषद राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष श्री हृदयेश जी चतुर्वेदी, राजस्थान प्रदेश महामंत्री पीयूषपाणि चतुर्वेदी एवं नीलकमल चतुर्वेदी की स्वीकृति एवं निर्देशानुसार श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद झालावाड़ जिला कार्यकारिणी का निम्नानुसार गठन किया है–

संरक्षक–

श्री चन्द्रप्रकाश चतुर्वेदीय भवानीमंडी
श्री गौरीशंकर चतुर्वेदी भवानीमंडी
श्री कमलेश चतुर्वेदी भवानीमंडी
श्री ओमप्रकाश चतुर्वेदी भवानीमंडी

अध्यक्ष–

श्री राजकुमार चतुर्वेदी भवानीमंडी

उपाध्यक्ष–

श्री सत्येन्द्र चतुर्वेदी झालरापाटन
श्री अनिल चतुर्वेदी भवानीमंडी
श्री प्रशान्त चतुर्वेदी झालावाड़
श्री प्रेमप्रकाश चतुर्वेदी भवानीमंडी

महामंत्री–

श्री जिम्मी चतुर्वेदी झालावाड़
श्री हिमांशु चतुर्वेदी भवानीमंडी

मंत्री–

श्री दिनेश चतुर्वेदी झालावाड़
श्री नरेन्द्र चतुर्वेदी झालरापाटन

कोषाध्यक्ष–

श्री अमित चतुर्वेदी भवानीमंडी

मीडिया प्रभारी–

श्री प्रधुम्न चतुर्वेदी भवानीमंडी

महिला प्रतिनिधि

श्रीमती अंजू चतुर्वेदी झालरापाटन
श्रीमती जया चतुर्वेदी झालावाड़
श्रीमती सुमन चतुर्वेदी भवानीमंडी

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी की ओर से श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद झालावाड़ जिला कार्यकारिणी में मनोनीत सभी सम्माननीय महानुभावो एवं मातृशक्ति को हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं ।

पीयूषपाणि चतुर्वेदी
महामंत्री– श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के गठन पर मेरे अनुभव-I

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद (1)

बन्धुओं सादर पालागन ।

समाज के सबसे बड़े संगठन और सबसे अधिक सहभागिता पूर्ण संस्था, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद को गठित हुये लगभग एक बर्ष होने जा रहा है, इस अंतराल में क्या क्या अनुभव हुए, वह सब साझा करने का प्रयास कर रहा हूं और आशा करता हूं कि आप सब भी अपने सुखद अनुभव साझा करें।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के गठन होने के बाद तुरंत ही समस्त भारत में इसका विकेंद्रीकरण हुआ और देखते ही देखते लगभग 19 राज्यों में इसकी प्रदेश कार्यकारिणी गठित हो गई। और इसके समक्ष अन्य सामाजिक संस्थाओं का स्वरूप गौण होने लगा। फलस्वरूप वहां कुछ बन्धुओं के मन में ईर्ष्या भाव भी पैदा हुआ। एक दो महानुभावों ने तो मुझे भी फोन किया और एक लम्बा तर्क वितर्क पेश किया। संस्था का कार्य द्रुति गति से चलने लगा और सभी प्रदेशों में जिला कार्यकारिणी भी गठित होने लगीं ।

इस सफल यात्रा के दो कारण मुख्य रूप से उभर कर सामने आये। प्रथम तो इसके संरक्षण मंडल में और राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अधिकतर अनुभवी लोग जुड़े हुए हैं और सभी लोग समाज सेवा के लिए बड़े उत्साह से काम कर रहे हैं। दूसरा महत्वपूर्ण कारण यह दृष्टिगोचर होता है कि इसमें कुछ ऐसे मूर्धन्य मनीषियों का जुड़ाव हुआ है जो इस सामाजिक कार्य को ईश्वरीय कार्य मान कर परोपकार की भावना से कार्य कर रहे हैं। जैसे मुम्बई से परम सम्माननीय ब्रजमोहन जी जिनका अनुभव और समर्पण भाव अनुकरणीय है तथा श्री सी पी चतुर्वेदी। जैसा कि आप को मालूम होगा श्री सी पी चतुर्वेदी ने तो अपनी ध र्मपत्नी सहित करौली जिले के सात गांवों का तीन दिवसीय दौरा भी किया था और वहां के निवासियों को अपने स्नेह पूर्ण व्यवहार से आल्हादित किया था । आपने एक महत्वपूर्ण कार्य, समाज की अंतरराष्ट्रीय जनगणना का काम अपने हाथ में लेकर समाज पर बहुत बड़ा उपकार किया है। वे लोग बड़े दुर्भाग्यशाली हैं जो घर आई गंगा में डुबकी लगाने से बंचित रह रहे हैं और बार बार आग्रह करने पर भी अपना नाम जनगणना में शामिल नहीं कर पा रहे हैं। जयपुर से श्री नीरज जी,जो एक सर्वमान्य सेनापति के रूप में संस्था की वागडोर संभाल रहे हैं और वहां से श्री ह्रदेश जी और पीयूषपांणी जी, उत्साह के साथ संलग्न हैं ही।इसी प्रकार राजधानी दिल्ली से परम आदरणीय श्री हीरालाल पाण्डेय जी ,तन मन धन से संस्था के कार्य को ईश्वरीय कार्य मान कर बड़ी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ा रहे हैं । आपने भदावर यात्रा का सफल संचालन कर अपने संगठनात्मक कौशल का अभूतपूर्व परिचय दिया है।

कानपुर से श्री प्रणब चतुर्वेदी, चेतन जी एक ऐसा ऊर्जावान व्यक्तित्व जिसकी कोई मिसाल नहीं,संस्था के संगठन महामंत्री का दायित्व बड़ी बखूबी से निभा रहे हैं। इनके समर्पण भाव का अंदाजा आप इस एक घटना से लगा सकते हैं कि चंडीगढ़ में श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ था और इनकी पत्नी को अक्समात होस्पीटल में भर्ती कराना पड़ा। वे अपनी बीमारी से जूझ रही थीं और आप अपने दायित्वों का निर्वहन इस प्रकार से पंजाब प्रदेश के अध यक्ष श्री किशन जी के साथ दौड़ दौड़ कर ,कर रहे थे कि किसी को अहसास तक नहीं हुआ कि ये किस मुश्किल घड़ी से गुजर रहे हैं। दो दिन के कार्यक्रम के समापन उपरांत पता पड़ा कि आप की पत्नी का आपरेशन हुआ था। मैंने पूछा कि आपने बताया तक नहीं तो आपने कहा कि फिर आपका हमारा यह प्रथम सम्मेलन विषाद युक्त हो जाता। सभी लोग चिंतित होते।

धन्य है ऐसे कर्तव्य परायण व्यक्तित्व को। ऐसे ही और भी समर्पित व्यक्तिगण हैं, जिनके बारे में भी मैं परिचय कराने का प्रयास करूंगा।

सादर पालागन।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के गठन पर मेरे अनुभव-II

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद–(2)

बन्धुओं सादर पालागन ।

समाज के सबसे बड़े संगठन और सबसे अधिक सहभागिता पूर्ण संस्था, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद को गठित हुये लगभग एक बर्ष होने जा रहा है,इस अंतराल में क्या क्या अनुभव हुए,वह सब साझा करने का प्रयास कर रहा हूं और आशा करता हूं कि आप सब भी अपने सुखद अनुभव साझा करें। यदि अच्छे लगे तो सम्पादक जी इन्हें समाज की पत्रिका 'दर्पण' में प्रकाशित कर सकते हैं ।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के गठन होने के बाद तुरंत ही समस्त भारत में इसका विकेंद्रीकरण हुआ और देखते ही देखते लगभग 19 राज्यों में इसकी प्रदेश कार्यकारिणी गठित हो गई। और इसके समक्ष अन्य सामाजिक संस्थाओं का स्वरूप गौण होने लगा। फलस्वरूप वहां कुछ बन्धुओं के मन में ईर्ष्या भाव भी पैदा हुआ। एक दो महानुभावों ने तो मुझे भी फोन किया और एक लम्बा तर्क वितर्क पेश किया।

संस्था का कार्य द्रुति गति से चलने लगा और सभी प्रदेशों में जिला कार्यकारिणी भी गठित होने लगीं ।

इस सफल यात्रा के दो कारण मुख्य रूप से उभर कर सामने आये। प्रथम तो इसके संरक्षण मंडल में और राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अधिकतर अनुभवी लोग जुड़े हुए हैं और सभी लोग समाज सेवा के लिए बड़े उत्साह से काम कर रहे हैं। दूसरा महत्वपूर्ण कारण यह दृष्टिगोचर होता है कि इसमें कुछ ऐसे मूर्धन्य मनीषियों का जुड़ाव हुआ है जो इस सामाजिक कार्य को ईश्वरीय कार्य मान कर परोपकार की भावना से कार्य कर रहे हैं।

जैसे मुम्बई से परम सम्माननीय ब्रजमोहन जी जिनका अनुभव और समर्पण भाव अनुकरणीय है तथा श्री सी पी चतुर्वेदी । जैसा कि आप को मालूम होगा श्री सी पी चतुर्वेदी ने तो अपनी धर्मपत्नी सहित करौली जिले के सात गांवों का तीन दिवसीय दौरा भी किया था और वहां के निवासियों को अपने स्नेह पूर्ण व्यवहार से आल्हादित किया था । आपने एक महत्वपूर्ण कार्य, समाज की अंतरराष्ट्रीय जनगणना का काम अपने हाथ में लेकर समाज पर बहुत बड़ा उपकार किया है। वे लोग बड़े दुर्भाग्यशाली हैं जो घर आई गंगा में डुबकी लगाने से बंचित रह रहे हैं और बार बार आग्रह करने पर भी अपना नाम जनगणना में शामिल नहीं कर पा रहे हैं। जयपुर से श्री नीरज जी,जो एक सर्वमान्य सेनापति के रूप में संस्था की वागडोर संभाल रहे हैं और वहां से श्री हृदेश जी और पीयूषपांणी जी, उत्साह के साथ संलग्न हैं ही।इसी प्रकार राजधानी दिल्ली से परम आदरणीय श्री हीरालाल पाण्डेय जी ,तन मन धन से संस्था के कार्य को ईश्वरीय कार्य मान कर बड़ी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ा रहे हैं । आपने भदावर यात्रा का सफल संचालन कर अपने संगठनात्मक कौशल का अभूतपूर्व परिचय दिया है।

कानपुर से श्री प्रणब चतुर्वेदी, चेतन जी एक ऐसा ऊर्जावान व्यक्तित्व जिसकी कोई मिसाल नहीं,संस्था के संगठन महामंत्री का दायित्व बड़ी बखूबी से निभा रहे हैं। इनके समर्पण भाव का अंदाजा आप इस एक घटना से लगा सकते हैं कि चंडीगढ़ में श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ था और इनकी पत्नी को अक्समात होस्पीटल में भर्ती कराना पड़ा। वे अपनी बीमारी से जूझ रही थीं और आप अपने दायित्वों का निर्वहन इस प्रकार से पंजाब प्रदेश के अध्यक्ष श्री किशन जी के साथ दौड़ दौड़ कर ,कर रहे थे कि किसी को अहसास तक नहीं हुआ कि ये किस मुश्किल घड़ी से गुजर रहे हैं। दो दिन के कार्यक्रम के समापन उपरांत पता पड़ा कि आप की पत्नी का आपरेशन हुआ था। मैंने पूछा कि आपने बताया तक नहीं तो आपने कहा कि फिर आपका हमारा यह प्रथम सम्मेलन विषाद युक्त हो जाता। सभी लोग चिंतित होते।

धन्य है ऐसे कर्तव्य परायण व्यक्तित्व को। ऐसे ही और भी समर्पित व्यक्तिगण हैं, जिनके बारे में भी मैं परिचय कराने का प्रयास करूंगा।

सादर पालागन।

रामस्वरूप चतुर्वेदी,
करौली,
राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के गठन पर मेरे अनुभव-III

भारत में माथुर चतुर्वेदी समाज के इस समय 3 ग्रुप चल रहे हैं जिसमें सबसे बड़ा ग्रुप माथुर चतुर्वेदी महापरिषद है जिसमें 50000 हजार सदस्य जुड़े हुये हैं और सम्पूर्ण भारत क्या 27 विदेशों में रह रहे हमारे बंधुओ को जोड़ा है दूसरी उनकी जनगणना की जा रही है जो 50000 हजार हो चुकी है तथा अभी तक किसी ग्रुप ने जो काम अन्य संस्थाओं ने नहीं किया वो माथुर चतुर्वेदी महापरिषद ने किया है। भारत में निवास करने वाले 7 गोत्र ओर 64 अल्ल के बंधुओं की वंशाबली भी एकत्रित की गई है और रोज श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के ग्रुप में जानकारी सभी बंधुओं को अवलोकन हेतु पोस्ट प्रेषित की जा रही है। समाज के किसी बंधु पर आपत्ति आने पर भी हर तरह का सहयोग भी कर रही है।

(1) करौली के पास एक चतुर्वेदी समाज का गांव में खेतों पर कार्य करने के दौरान तीन बंधुओं को विद्युत करेंट लगा था जिसमें एक बंधु का देहांत हो गया था उस परिवार का सहयोग किया। (2) एक बाह के लड़के का दिल्ली से इंटरव्यू देकर घर वापसी आते समय डबरा के पास ट्रेन से रन ओबर होने पर उसका भी देहांत हो गया था। उस परिवार का भी सहयोग किया। (3) अभी कुछ दिन पहले लखनऊ में एक बंधु को खून की आवश्यकता हुई ग्रुप पर सूचना डालने पर कई बंधु खून देने उपस्थित हो गये थे। (4) कुछ दिन पहले गुजरात में काफी बरसात होने से कई बांधों के गेट खोले गये थे। जिस कारण कई गाड़ियाँ घंटो–घंटो तक एक ही स्टेशन पर खड़ी रहीं उसी दरम्यान एक ट्रेन गुजरात में गोधरा स्टेशन पर लगभग 10 घंटे खड़ी रही उसी ट्रेन में माथुर चतुर्वेदी समाज के लगभग 25 बंधुओं के सफर करने की सूचना श्री चतुर्वेदी जी मुंबई ने ग्रुप में उन बंधुओं की सहायता करने हेतु ग्रुप में पोस्ट डाली और बताया गया कि स्टेशन पर खाने पीने की भी वस्तु नहीं मिल रहीं जो बंधु नजदीक हो सहयोग करने की कृपा करें। इस मेसेज को देख कर वड़ोदरा से श्री रंगेशवर जी चतुर्वेदी अपने साथ कुछ बंधुओ को लेकर साथ में खाने पीने की सामग्री लेकर गोधरा सटेशन पहुंच कर मदद की माथुर चतुर्वेदी महापरिषद इस प्रकार के कार्य आगे भी करती रहेगी।

दूसरा नंबर का संगठन है जो बंधु मथुरा शहर में निवास करते हैं उनका संगठन का नाम है माथुर चतुर्वेदी परिषद इसमें लगभग 10000 हजार बंधु जुड़े हुये हैं।

तीसरे संगठन का नाम है माथुर चतुर्वेदी महासभा। यह संगठन भदाबर क्षेत्र और लखनऊ कानपुर क्षेत्र का है। इस ग्रुप का निर्माण 106 साल पहले ही हुआ था इस संगठन के मुख्य कर्ताधर्ताओं ने इस ग्रुप का विस्तार नहीं किया। इसी कारण संपूर्ण भारत के बंधुओं को न तो एक दूसरे से जोड़ने का प्रयास किया न ही हमारे बंधु कहाँ–कहाँ जाकर बस गये हैं, उनकी जानकारी भी नहीं मिल पा रही थी और हमारे समाज की कुल कितनी जनसंख्या है इसकी भी जानकारी उपलब्ध नहीं हो पा रही थी। इसीलिये माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का गठन किया गया। इसमें संगठन को माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के राष्ट्रीय संरक्षकगण राष्ट्रीय सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव चतुर्वेदी राष्ट्रीय महामंत्री श्री निशीथ जी चतुर्वेदी सभी प्रांतों के अध्यक्षगण सभी पदाधिकारीगण सभी कार्यकर्ताओं के ही सहयोग से यह ग्रुप मात्र एक साल के ही अंदर संमपूर्ण भारत क्या विदेशों तक पहुँच कर अपनी दस्तक दे चुका है। सभी से अनुरोध है कि अपने–अपने सदस्यों का विवरण जनगणना लिंक में जरूर अंकित करें और अपनी अपनी वंशावली या तो इस ग्रुप में डाल कर बताये या वाट्सअप नं 7745955479 पर प्रेषित कर सकते हैं।

निबेदक–सुखदेव चतुर्वेदी उचाड डबरा
राष्ट्रीय संरक्षक माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी की अनुमति से,मैं राष्ट्रीय महिला संयोजक श्रीमती माधवी चतुर्वेदी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी के द्वारा 16 अक्तूबर 2023 को श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद, महिला प्रकोष्ठ की कार्य कारणी निम्न प्रकार घोषित की जाती है .

महिला संरक्षक गण

1. श्रीमती मीना चतुर्वेदी, कलकत्ता
2. श्रीमती नीता चतुर्वेदी, पुणे
3. श्रीमती साधना चतुर्वेदी, लखनऊ
4. श्रीमती नीलम चतुर्वेदी, हिसार

राष्ट्रीय महिला प्रभारी

श्रीमती प्रीती चतुर्वेदी, कानपुर

राष्ट्रीय महिला संयोजक

श्रीमती माधवी चतुर्वेदी, नोएडा

सहसंयोजक

1 श्रीमती गंगारानी, मथुरा
2 .श्रीमती मोहिता चतुर्वेदी, कानपुर
3. सुश्री अर्चना चतुर्वेदी, जयपुर
4. श्रीमती किरण चतुर्वेदी, कुलंगा
5. श्रीमती आशा चतुर्वेदी, कोटा

राष्ट्रीय महामंत्री संगठन

श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी, मुम्बई

महामंत्री

श्रीमती अलंकृता चतुर्वेदी, नोएडा

सचिव

1. श्रीमती राखी चतुर्वेदी, कलकत्ता
2. श्रीमती पूनम चतुर्वेदी, गुरुग्राम
3. श्रीमती रीना चतुर्वेदी, हरिद्वार
4 श्रीमती नीलम चतुर्वेदी, हैदराबाद
5. श्रीमती नीतू चतुर्वेदी, हिन्डोन
6. श्रीमती कंचन चौबे, राजनांदगांव छत्तीसगढ
7. सुश्री अल्पा चतुर्वेदी, आगरा
8. श्रीमती पूनम चतुर्वेदी, बड़ोदरा गुजरात
9. श्रीमती रचना चौवे, नागपुर
10. श्रीमती रुचि चतुर्वेदी, वीरमित्रपुर, उडीसा
11. श्रीमती अल्का चतुर्वेदी, लखनऊ
12. श्रीमती विनीता चतुर्वेदी, इटावा
13. श्रीमती प्रीती अरून चतुर्वेदी, दिल्ली

संयुक्त सचिव

1. श्रीमती पूनम चतुर्वेदी, भोपाल
2. श्रीमती हंसा चतुर्वेदी, जलगांव
3. श्रीमती प्रियांशी चतुर्वेदी, पुणे
4. श्रीमती संम्भवी चतुर्वेदी, हैदराबाद
5. श्रीमती पूर्ती चतुर्वेदी, हैदराबाद
6. श्रीमती पूजा चतुर्वेदी, लखनऊ
7. श्रीमती अनूपा चतुर्वेदी, नोएडा
8. श्रीमती अपर्णा शैलेश चतुर्वेदी, अलीगढ
9. श्रीमती डौली चतुर्वेदी, मुम्बई
10. श्रीमती मनिषा चतुर्वेदी, प्रतापगढ
11. श्रीमती चित्रा चतुर्वेदी, कानपुर
12. श्रीमती नीरजा चतुर्वेदी, कोटा
13. श्रीमती रुचिता चतुर्वेदी, कुलंगा
14. श्रीमती पारूल चतुर्वेदी, फरीदाबाद

प्रवक्ता

1. श्रीमती दीपाली चतुर्वेदी, देहरादून
2. श्रीमती पारुल चतुर्वेदी, नासिक
3. श्रीमती रेखा चतुर्वेदी, मंसूरी
4. श्रीमती दीपा चतुर्वेदी, दिल्ली
5. श्रीमती अनीता चतुर्वेदी, मुम्बई

सांस्कृतिक मंत्री

1. श्रीमती सुनीलम चतुर्वेदी, ग्वालियर
2. श्रीमती पूजा चतुर्वेदी, मुम्बई
3. सुश्री प्रियल चतुर्वेदी, दिल्ली
4. श्रीमती अंजली मिश्रा, बरेली

5. श्रीमती इला चतुर्वेदी, नोएडा
6. श्रीमती कविता तरुणेश चतुर्वेदी, साहिबाबाद

'आई.टी.' एवं 'मीडिया प्रबंधन मंत्री

1. सुश्री ऋतिका चतुर्वेदी, उदयपुर
2. श्रीमती कनिका चतुर्वेदी, गुरुग्राम

विधिक प्रकोष्ठ

श्रीमती मंजू प्रेमकांत चतुर्वेदी, Advocate गोंदिया

व्यवस्था एवं मंच संचालन

1. श्रीमती ज्योति शोभा, चतुर्वेदी लखनऊ
2. श्रीमती कुमुद चतुर्वेदी, चंडीगढ

कार्यकारणी सदस्य

1. श्रीमती रिचा चतुर्वेदी, मैनपुरी
2. श्रीमती अमृता राहूल चतुर्वेदी, नासिक
3. श्रीमती रीता चतुर्वेदी, इटावा
4. श्रीमती पारुल चतुर्वेदी, फरीदाबाद
5. श्रीमती शोभा चतुर्वेदी, लखनऊ
6. श्रीमती बीनू चतुर्वेदी, झांसी
7. श्रीमती रिचा चतुर्वेदी, गोंदिया
8. श्रीमती सारिका चतुर्वेदी, नागपुर
9. श्रीमती भारती चतुर्वेदी, भरतपुर
10. श्रीमती मंजूल चतुर्वेदी, फरीदाबाद
11. श्रीमती पिंकी चतुर्वेदी, दिल्ली
12. श्रीमती रीता चतुर्वेदी, दिल्ली
13. श्रीमती दीपा चतुर्वेदी, गाजियाबाद
14. श्रीमती टीना चतुर्वेदी, मुम्बई
15. श्रीमती गरिमा चतुर्वेदी, लखनऊ
16. श्रीमती रीना चतुर्वेदी, रायपुर
17. श्रीमती खुशबू चतुर्वेदी, बंगलौर
18. श्रीमती श्वेता चतुर्वेदी, बंगलौर
19. श्रीमती शानू चतुर्वेदी, मुम्बई
20. श्रीमती पुष्पा चतुर्वेदी ,हरदोई
21. श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी, आगरा
22. श्रीमती सुनीता चतुर्वेदी, आगरा
23. श्रीमती इला चतुर्वेदी, गुड़गांव
24. श्रीमती राधा चतुर्वेदी ' फिरोजाबाद

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी, प्रदेश कार्यकारिणी एवं युवा परिषद की कार्यकारिणी की सभी महिला पदाधिकारी श्री माथुर चतुर्वेदी महिला परिषद की सादर आमंत्रित सदस्य होंगीं।

महापरिषद की वर्तमान गतिविधियों में और भविष्य के कार्यक्रमों में आप सभी की रोचक भूमिका रहेगी। आपसे सहयोग की अपेक्षा है।

श्रीमती माधवी चतुर्वेदी
राष्ट्रीय महिला संयोजक
श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी
राष्ट्रीय महामंत्री संगठन
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला परिषद

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की पत्रिका में प्रकाशन के लिए प्रस्तावित सहयोग राशि सारिणी

1	अंतिम कवर–रंगीन	5000.00
2	भीतरी कवर –रंगीन	4000.00
3	पूरा पृष्ठ –रंगीन	3000.00
4	पूरा पृष्ठ–श्वेत श्याम	2000.00
5	आधा पृष्ठ–श्वेत श्याम	1000.00
6	चौथाई पृष्ठ– श्वेत श्याम	500.00
7	शुभकामना संदेश–श्वेत श्याम–1/6	500.00
8	श्रद्धांजलि–पूर्ण पृष्ठ श्वेत–श्याम	1000.00
9	श्रद्धांजलि–आधा पृष्ठ श्वेत–श्याम	500.00
10	श्रद्धांजलि–पूर्ण पृष्ठ रंगीन	2000.00
11	श्रद्धांजलि–द्वितीय/भीतरी कवर रंगीन पृष्ठ	3000.00
12	बधाई/शुभकामना पूर्ण पृष्ठ रंगीन	1000.00
13	श्वेत–श्याम 1/4 पेज	500.00

महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारिणी

महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारिणी

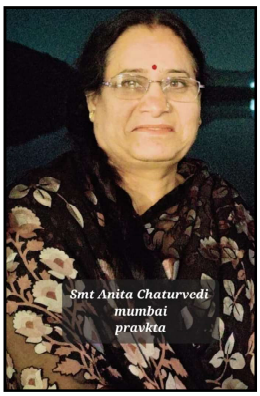

छत्तीसगढ़ प्रदेश का दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

आज विनय भाई साहब की अध्यक्षता और उनके सौजन्य से भिलाई ब्रिज क्लब स्थित सभागार में छत्तीसगढ प्रदेश, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का दिवाली मिलन समारोह एवं हमारे कर्मठ युवा महामंत्री भाई समीर का विदाई समारोह आयोजित हुआ। गोवर्धन पूजा होने के कारण उपस्थित कम रही। अध्यक्षता करते हुए संरक्षक विनय जी ने महापरिषद की अब तक की उपलब्धिओं पर खुशी जताई और भदावर क्षेत्र की अविस्मरणीय सफलता पर राष्ट्रीय नेतृत्व को बधाई दी।

प्रिय समीर ने मात्र एक वर्ष की अवधि में महापरिषद की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बधाई दी,साथ ही उनके कार्यकाल में छत्तीसगढ प्रदेश ईकाई की उपलब्धियों का स्मरण व्यक्त कर खुशी जताई। उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनी से स्वागत किया।

अध्यक्ष ज्ञान चतुर्वेदी ने उनकी भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कांति जी, मुकेश भाई एवं राकेश भाई ने अपने विचार रखे।

सूचना

ज्ञातव्य हो कि हमारे युवा एवं अति विशिष्ट छत्तीसगढ महामंत्री समीर चतुर्वेदी का पदोन्नत होने पर दिल्ली में पदभार ग्रहण कर लिया है। उनके स्थान पर उन्हीं के सहयोगी एवं अनुज भाई **अंकित चतुर्वेदी** को छत्तीसगढ महामंत्री पद हेतु तुरंत प्रभाव से नामित किया जाता है। इस हेतु सभापति महोदय, राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय संरक्षक श्री विनय चतुर्वेदी जी की सहमति प्राप्त हुई है।प्रिय अंकित को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं साथ ही निवर्तमान महामंत्री प्रिय समीर का आभार एवं शुभकामनाएं।

जय समाज जय संगठन।

राधे राधे

प्रदेश संरक्षक और कार्यकारिणी के अनुमोदन पर,अंकित चतुर्वेदी को भाई समीर के स्थान पर छत्तीसगढ प्रदेश महामंत्री नियुक्त किए जाने का प्रस्ताव पारित हुआ एवं इसे राष्ट्रीय सभापति एवं राष्ट्रीय महामंत्री के अनुमोदन हेतु भेजा जा रहा है। धन्यवाद ज्ञापन संगठन मंत्री भाई राकेश द्वारा किया गया।

भदावर यात्रा के विषय में कुछ पंक्तियाँ

भाव कौ प्रभाव देखौ,
देखौ सब को चाव देखौ ,
देखौ जुड़ाव सबै
माटी सौ लगाव है।
मिले जो अजान,
पल में मिली पहचान,
लगे देह है अलग,
सिर्फ एक ही हैं प्राण।
देखे वे अठारह गांव,
जिन में बसे हते प्राण,
पूर्वजन की शान,
जो विलोपित से है रहे,
आज जो आगाज भई,
देहरी जो छूट रही,
मिले तन मन ते गंगा
सब के लौट आए प्राण हैं।
चतुर्वेदी महा परिषद,
रखो यामे विश्वास अटल,
भूले बिसरे मिलेंगे सभी ,
एक यही याको काम है।

स्व रचित, गंगा रानी चतुर्वेदी

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद कोटा द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद कोटा जिला कार्यकारिणी द्वारा महापरिषद के अध्यक्ष श्री यतीन्द्र चतुर्वेदी की अध्यक्षता में बड़े आत्मीय भाव एवं हर्षोल्लास पूर्वक कोटा में मनाया गया।

इस सामाजिक समारोह में मातृशक्ति, युवा वर्ग एवं बच्चों ने भी बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई। इस कार्यक्रम का कोटा महापरिषद के संरक्षक श्री गोपेश जी रावत द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।

श्रीमती भारती रावत,श्रीमती रचना चतुर्वेदी, श्रीमती मान्या चतुर्वेदी, श्रीमती क्षमा चतुर्वेदी, श्रीमती आशा चतुर्वेदी, श्रीमती अंजुल चतुर्वेदी, श्रीमती वंदना चतुर्वेदी सामूहिक गायन की प्रस्तुति दी गई। श्रीमती पूर्वा चतुर्वेदी द्वारा सरस्वती वंदना एवं श्रीमती मोलश्री द्वारा कविता प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम के मध्य में स्वल्पाहार तथा कार्यक्रम के समापन पर सामूहिक रूप से भोजन का सभी ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत मे आतिशबाजी का कार्यक्रम रखा गया जिसकी सभी ने भूरि भूरि प्रशंशा की। इस आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई जिसमें श्रीमती रचना चतुर्वेदी –संयोजक श्री माथुर चतुर्वेदी महिला परिषद एवं उनकी कार्यकारिणी की ऊर्जावान टीम श्रीमती क्षमा चतुर्वेदी, श्रीमती अंजुल चतुर्वेदी द्वारा मनभावन रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया ।

इस अवसर पर लक्की ड्रा भी निकाला गया जिसमें श्रीमती क्षमा चतुर्वेदी प्रथम एवं श्रीमती शिखा रावत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बेस्ट कपल का खिताब डॉ. गौरव चतुर्वेदी ने प्राप्त किया। चेयर रेस में अंशुल रावत प्रथम रहे ।

श्री यतीन्द्र चतुर्वेदी, श्री सतीश चतुर्वेदी, गौरव चतुर्वेदी, मुकुल चतुर्वेदी, अथर्व चतुर्वेदी ने अपनी गायिकी से सभी को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर उपस्थित विभिन्न बच्चों द्वारा भी कई कार्यक्रम प्रस्तुत किये, जिन्हें विभिन्न पुरस्कार प्रदान किये गए। दीपावली स्नेह मिलन के इस शुभ अवसर पर श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की जिला कार्यकारिणी में श्री निशी कांत चतुर्वेदी का सचिव एवं श्री कुलदीप चतुर्वेदी का मंत्री एवं मीडिया आई टी के पद पर मनोनयन किया गया ।इस समग्र कार्यक्रम का संचालन श्रीमती क्षमा चतुर्वेदी द्वारा किया गया ।

पीयूषपाणि चतुर्वेदी
महामंत्री
श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान

सीए विश्वभर नाथ स्मृति राष्ट्रीय विद्यार्थी प्रोत्साहन प्रतियोगिता का परिणाम

पालागन/ जय श्री कृष्ण।।

सी ए विश्वभर नाथ चतुर्वेदी जी की स्मृति में राष्ट्रीय विद्यार्थी प्रोत्साहन निबंध **'मेरा सुंदर भविष्य का सपना एवं उसे पाने की कार्य योजना'** प्रतियोगिता का परिणाम।

आप सभी को सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि, श्री माथुर चतुर्वेदी महा परिषद ने समाज के युवा छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता **'CA विश्वभर नाथ स्मृति राष्ट्रीय विद्यार्थी प्रोत्साहन प्रतियोगिता'** का आयोजन किया था, जिसमें समाज के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके लिए हम सभी बच्चों को बधाई देते हैं।

इस प्रतियोगिता में प्राप्त निबंधों का तीन सदस्यीय समिति जिसमें श्री नीरज चतुर्वेदी अध्यक्ष एवं श्री सी पी चतुर्वेदी जनगणना संयोजक व श्री अतुल वी एन चतुर्वेदी सम्पादक ने मूल्यांकन किया और पाँच बच्चों के निबंधों को सम्मानित करने के लिए चुना। जिन बच्चों के निबंधों को चुना गया उनके नाम इस प्रकार हैं–

प्रथम– निमिषा चतुर्वेदी, कानपुर
द्वितीय– प्रतीक चतुर्वेदी, बंगलौर
तृतीय– प्रियांशी चतुर्वेदी, मथुरा
चतुर्थ– हितेन्द्र चतुर्वेदी, मथुरा
पंचम– भूमि चतुर्वेदी, मथुरा

महापरिषद इन सभी बच्चों को बहुत–बहुत बधाई देती है एवं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

इस निबंध प्रतियोगिता की विजेता कुमारी निमिषा, Kanpur के श्रेष्ठ निबंध के लिए व अन्य विजेताओं को नगद पुरस्कार/पदक/सर्टिफिकेट दिये जाएँगे ।

धन्यवाद

नीरज चतुर्वेदी
सभापति– श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग सम्पन्न

समस्त स्वजातीय बांधवों एवं मातृशक्ति को सादर पालागन

जय श्रीकृष्णा!

रविवार–8 अक्टूबर, 2023 को कोटा शहर के विजय भारत भवन, स्टेशन रोड पर आयोजित श्री माथुर चतुर्वेदी राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के सम्माननीय संरक्षक–श्री सुखदेव जी चतुर्वेदी, (उचाड़) सम्माननीय सभापति–श्री नीरज जी चतुर्वेदी, राष्ट्रीय मंत्री–डॉ. राजीव चतुर्वेदी, (ग्वालियर) संगठन मंत्री–श्री रामस्वरूप जी चतुर्वेदी, (करौली) श्री राजेश जी चतुर्वेदी, (भोपाल) विशेष आमंत्रित सदस्य–श्री सत्येन जी चतुर्वेदी (करौली), श्री अजय चतुर्वेदी (अहमदाबाद), राजस्थान– प्रदेशाध्यक्ष– श्री हृदयेश जी चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष–श्री प्रतापभानु जी चतुर्वेदी–उदयपुर, श्री ओमप्रकाश जी चतुर्वेदी–भवानीमंडी, राजस्थान प्रदेश महामंत्री–पीयूषपाणि चतुर्वेदी, श्री नील कमल चतुर्वेदी, सांस्कृतिक मंत्री–सुश्री अर्चना चतुर्वेदी, महिला परिषद सह संयोजक– श्रीमती विमलेश चतुर्वेदी, युवा परिषद संयोजक एवं कोटा प्रभारी–श्री प्रदीप चतुर्वेदी, विधि प्रकोष्ठ संयोजक–श्री प्रशांत चतुर्वेदी एडवोकेट, युवा परिषद सदस्य–सचिन चतुर्वेदी, महेन्द्र चतुर्वेदी, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद मध्यप्रदेश अध्यक्ष–श्री तरुण जी चतुर्वेदी, टोंक राज०जिलाध्यक्ष–श्री गिरीश चतुर्वेदी, महामंत्री–श्री नीरज चतुर्वेदी, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद जिला कोटा के संरक्षक–श्री गोपेश जी रावत, श्री दिनेश जी चतुर्वेदी,

जिलाध्यक्ष–श्री यतीन्द्र चतुर्वेदी, महामंत्री–श्री सतीश जी चतुर्वेदी, सचिव–श्री राजकुमार चतुर्वेदी, जिला कार्यकारिणी के साथी श्री पवन जी, आलोक जी, चेतन जी, लवलेश जी, कुलदीप जी, विनीत जी, प्रीतकमल जी, अंकित चतुर्वेदी एवं अन्य साथीगण, श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद की संयोजक–श्रीमती रचना जी चतुर्वेदी, सह–संयोजक–श्रीमती नीरजा जी चतुर्वेदी, श्रीमती संगीता जी, श्री मती क्षमा चतुर्वेदी, श्रीमती प्रिया जी, श्रीमती इति चतुर्वेदी, श्रीमती आशा जी, श्रीमती मान्या चतुर्वेदी–मीडिया प्रभारी की गरिमामयी उपस्थिति तथा कोटा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे बांधवों एवं मातृशक्ति की विशाल उपस्थिति के बीच पूर्ण सफलता के साथ सम्पन्न हुआ ।

सर्वप्रथम मंचासीन महानुभावो द्वारा कुलदेवी– महाविद्या, चर्चिका देवी, कुलदेव–श्री वराह जी, माँ सरस्वती एवं वेदमाता–गायत्री के चित्र का पूजन कर मंगलाचरण एवं सरस्वती वंदना के बीच दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ हुआ।

कोटा जिला कार्यकारिणी द्वारा माल्यापर्ण एवं दुपट्टा अर्पण कर आगंतुक राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों का गर्मजोशी के साथ हार्दिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र मातृशक्ति को समर्पित रहा जिसमे सरस्वती वंदना, युगल एवं एकल गीत एवं नृत्य, मन की बात, स्वरचित कविताओं द्वारा कार्यक्रम को भव्यता प्राप्त हुई, जिसमें कोटा महिला परिषद की संयोजक–श्रीमती रचना जी चतुर्वेदी सहित मातृशक्ति की पूरी टीम का अतुलनीय सहयोग प्राप्त हुआ। प्रथम सत्र के सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्रीमती क्षमा चतुर्वेदी द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र का शुभारम्भ श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान के महामंत्री–पीयूषपाणि चतुर्वेदी द्वारा मंचासीन अतिथियों का स्वागत परिचय देते हुए सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों का हार्दिक स्वागत किया गया। इसके बाद कोटा जिला कार्यकारिणी के महामंत्री श्री सतीश जी चतुर्वेदी द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष श्री ह्रदयेश जी चतुर्वेदी ने समाज की भावी पीढ़ी को अपनी पुरातन संस्कृति को अक्षुण्य बनाये रखने पर जोर दिया।

माननीय सभापति–श्री नीरज जी चतुर्वेदी ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणास्पद उदबोधन में कहा कि वर्तमान दौर में महापरिषद द्वारा हमारे समाज के युवा, महिला एवं बुजर्गो के लिए अनेकानेक ऐसे कार्यो को प्रतिपादित किया जा रहा है, जो भावी पीढ़ी के नव निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे, ओर महापरिषद द्वारा जनगणना मिशन के जिस कार्य को संपादित किया जा रहा है, वो हमारे लिये एक कीर्तिमान है। केवल मात्र 6 माह में ही 41 हजार से अधिक बाँधव जनगणना से सम्बद्ध हो चुके हैं जिसने समाज मे एक इतिहास कायम किया है । उन्होंने कहा कि समाज के सम्पूर्ण बांधवो को एकसूत्र में पिरोने की दिशा में महापरिषद से सम्बद्ध प्रत्येक व्यक्ति अनवरत रूप से कार्यरत है।

आपसी वैमनष्यता को त्याग कर प्रत्येक समाज बन्धु सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े, यही हमारा मुख्य उद्देश्य है।

जनगणना के राष्ट्रीय संयोजक श्री सी. पी. चतुर्वेदी ने अपने सारगर्भित उदबोधन में कहा कि महापरिषद समस्त समाज बंधुओं की जनगणना के माध्यम से अनेक योजनाओं को मूर्तरूप देने जा रही है,जिससे हमारे समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित होकर रहेगा ।

इसके पश्चात श्री माथुर चतुर्वेदी कोटा जिला कार्यकारिणी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, सचिव, संगठनमंत्री तथा सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश पदाधिकारियों को माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर हार्दिक स्वागत किया गया ।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा मंचासीन समस्त महानुभावों एवम समाज के सम्माननीय वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के समापन से पूर्व कोटा जिलाध्यक्ष–श्री यतीन्द्र जी चतुर्वेदी द्वारा इस अवसर पर उपस्थित समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश पदाधिकारियों एवं कार्यक्रम में उपस्थित प्रत्येक महानुभाव के कृतज्ञता व्यक्त करते हुए इस भव्य एवं सफल आयोजन के लिए घन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र (मातृशक्ति को समर्पित) का संचालन श्रीमती क्षमा चतुर्वेदी एवं द्वितीय सत्र (प्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग) का संचालन पीयूषपाणि चतुर्वेदी, महामंत्री–द्वारा किया गया।

पीयूषपाणि चतुर्वेदी
महामंत्री
श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद राज०

आवश्यक सूचना

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद का दो दिवसीय 'सामाजिक चिन्तन शिविर' एवं 'चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक' नासिक (महाराष्ट्र) में 1 व 2 मार्च 2024 को

बंधुवर / बहिनों

पालागन / जय श्री कृष्णा।

आपको सादर सूचित किया जाता हैं कि श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद महाराष्ट्र प्रदेश के संयोजन में 1———2 मार्च को महापरिषद द्वारा दो दिवसीय ष्सामाजिक चिन्तन शिविर ष्एवं ष्चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यकारणी ष्की बैठक नासिक महाराष्ट्र में निर्धारित की गई है।

मान्यनीय राष्ट्रीय संरक्षक गण, राष्ट्रीय पदाधिकारी गण, सद्स्यगण, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री गण,युवा परिषद्, महिला परिषद ब विधिक परिषद के अध्यक्ष, महामंत्री गण बैठक में आमंत्रित हैं।

(जिलों के प्रदेश कार्यकारणी अध्यक्ष , महामंत्री गण महाराष्ट्र प्रदेश के केबल मात्र) शिविर ब मीटिंग में सादर आमंत्रित होंगे।

मीटिंग का एजेण्डा निम्नानुसार रहेगा

1 मार्च 2024 शुक्रवार——

1. मीटिंग का शुभारंभ श्री त्रयंबकेशवर ज्योतिर्लिंग पूजन के साथ (दोपहर 1से 4 बजे)
2. कोर कमेटी की मीटिंग (शाम 5 से 6 बजे तक)
3. सामाजिक चिन्तन शिविर (रात्री 6 से 8 बजे तक)
4. सांस्कृतिक कार्यक्रम (रात्री 8 से 11 बजे तक)
5. भोजन रात्री 8 बजे

2 मार्च 2024 शनिवार

राष्ट्रीय कार्यकारणी मीटिंग–सुबह 10 बजे से 2 बजे तक जिसका कार्यक्रम निम्न प्रकार रहेगा

1. अतिथि आमन्त्रण 2. दीप प्रज्वलन
3. मंगलाचरण 4. आगन्तुक महानुभावो एवं कार्यकारणी पदाधिकारियों एवं सदस्यो का स्वागत अभिनन्दन एवं परिचय कार्यक्रम
5. स्वागत उदबोधन प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र के द्वारा
6. राष्ट्रीय संरक्षक मंडल के द्वारा उदबोधन
7. प्रतिवेदन संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी के द्वारा
8. उदबोधन महामंत्री श्री निशीथ जी के द्वारा
9. उदबोधन राष्ट्रीय महिला संयोजक श्रीमती माधवी जी के द्बारा
10. उदबोधन राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री आशीष जी के द्वारा
11. उदबोधन जनगणना संयोजक श्री सी पी जी के द्वारा
12. उदबोधन राष्ट्रीय सभापति महोदय के द्वारा

धन्यवाद प्रस्ताव कार्यक्रम संयोजक श्री गिर्राज जी के द्वारा सामूहिक भोज एवं गंतव्य को प्रस्थान

उपरोक्त कार्यक्रम मे आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है, आपकी उपस्थिति कार्यक्रम की गरिमा को बढायेगी।

आप सभी से निवेदन है कि कृपया आप अपने आगमन एवं प्रस्थान की सूचना निम्न पदाधिकारियो को 10 फरवरी 2024 तक तक अवश्य प्रेषित करे ताकि समुचित व्यवस्था की जा सके

1.श्री निशीथ जी राष्ट्रीय महामंत्री, डबरा मोबाइल– 9977441400

2. श्री सुधीर कुमार चतुर्वेदी,मुम्बई प्रदेशाध्यक्ष,महाराष्ट्र मोबाइल 8097701529

3. श्री गिर्राज जी चतुर्वेदी,नासिक, कार्यक्रम संयोजक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष महाराष्ट्र मोबाइल–9923376282

4. श्री आलोक चतुर्वेदी जिलाध्यक्ष, नासिक मोबाइल 9890406641

5. श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी मुम्बई,राष्ट्रीय महामंत्री संगठन, महिला परिषद– 8097280610

कार्यक्रम स्थल– जी.पी.होटल एन्ड रिसोर्ट, नासिक महाराष्ट्र

नीरज चतुर्वेदी सभापति

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

युवा महापरिषद की वर्चुअल बैठक

श्री माथुर चतुर्वेदी युवा महापरिषद की बैठक ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से दिनांक 31 दिसंबर 2023 को आयोजित की गई। आदरणीय अध्यक्ष श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के संरक्षक श्री ब्रज मोहन जी, श्री सुखदेव जी , अध्यक्ष श्री नीरज जी , संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी ,श्री निशीथ जी, श्री सी .पी. भाईसाहब श्री भारत जी कोषाध्यक्ष एवं अन्य महापरिषद के वरिष्ठ सहयोगियो द्वारा युवा शक्ति का मार्गदर्शन किया गया , युवा परिषद के अध्यक्ष श्री आशीष जी द्वारा सभी गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया गया एवं महामंत्री संगठन प्रशान्त जी को मीटिंग प्रारंभ का आदेश दिया गया,

मीटिंग का आरंभ में 2023 में श्री माथुर चतुर्वेदी राष्ट्रीय युवा महापरिषद द्वारा किए गए कार्यो की विवेचना की गई और यह पाया गया कि युवा शक्ति अपने सामर्थ्य के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है जिसके लिए युवा परिषद के अध्यक्ष श्री आशीष जी द्वारा स्वीकार भी किया गया एवं महापरिषद नई ऊर्जा और युवा शक्ति के साथ महापरिषद को नए आयाम देने मैं कोई कमी नहीं होने देगी इसके लिए आशान्वित भी किया । तथा सभी सहयोगी सदस्यों से अनुरोध किया सिर्फ पद पर बने रहना हमारा ध्येय नहीं होना चाहिए बल्कि आगे बढ़ कर समाज की लिए कार्य करना है और अपने समाज को आगे लाकर योग्यता का मार्ग प्रशस्त करना है।

निर्णय एवं सुझाव

1 . आदरणीय श्री बृजमोहन जी द्वारा युवा शक्ति को प्रोत्साहित किया गया एवं मार्गदर्शन किया गया ।

2 आदरणीय ब्रिजमोहन जी द्वारा अवगत कराया गया कि महापरिषद का रजिस्ट्रेशन लगभग हो गया है और जल्द ही उसकी अधिकृत सूचना प्राप्त ही जाएगी इसी के साथ महापरिषद का सदस्यता अभियान पुनः गति पूर्वक प्रारम्भ करने का प्रयास किया जायेगा। इसके द्वारा मात्र 501/– का सहयोग राशि लेकर महापरिषद की आजीवन सदस्यता दी जाएगी।

3 आदरणीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी द्वारा रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को मार्गदर्शन देने के लिए वेबिनार या सेमिनार का आयोजन किए जाए ऐसा सुझाव दिया ।

4 . आदरणीय अध्यक्ष जी नीरज जी द्वारा महापरिषद के सदस्यों को प्रोत्साहित किया तथा युवा महापरिषद को 1000 सदस्य जोड़ने के लिए निर्देशित किया तथा सदस्यता अभियान को शुरू करने और प्रत्येक सदस्य को 100 सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया।

4 . श्री सौरभ चतुर्वेदी जी को महाराष्ट्र युवा महापरिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

5 आदरनीय मंजू जी द्वारा जनगढ़ना पर कुछ जानकारी मांगी जिसका निवारण श्री सी. पी. जी द्वारा किया गया।

6 . आदरणीय अध्यक्ष महापरिषद युवा श्री आशीष जी द्वारा सभी को जुड़ने और समाज हित में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और बैठक समापन की घोषणा की।

'सभी सुझाव एवं निर्देश युवा महापरिषद अध्यक्ष श्री आशीष जी को ,महापरिषद के अध्यक्ष श्री नीरज जी को एवं संगठन मंत्री जी को प्रेषित कर दिए गए हैं।

प्रशान्त चतुर्वेदी
संगठन महामंत्री
श्री माथुर चतुर्वेदी राष्ट्रीय युवा महापरिषद

भदावर दर्शन यात्रा 2023 के दौरान श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद द्वारा भदावर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में निवास कर रहे 75 वर्ष अथवा इससे अधिक आयु के वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया गया

पिनाहट–

1. श्री सतीश चतुर्वेदी

पुरा कन्हैरा–

2. श्रीमती सरोज
3. श्रीमती प्रथमा
4. श्रीमती कमलेश
5. श्रीमती बस्तर
5. श्री अशोक पाण्डे
6. श्री खगेन्द्र

तालगाँव–

7. श्रीमती पुष्पा देवी
8. श्री प्रकाश चन्द्र
9. श्रीमती शिमला
10. श्रीमती मालती
11. श्री मुरारी लाल
12. श्री धीरेन्द्र नाथ
13. श्री मिथलेश

होलीपुरा–

14. श्रीमती कान्ती देवी
15. कु0 सरोज
16. श्रीमती आशा देवी
17. श्री दीनानाथ पाण्डे
18. श्री प्रवेश पाण्डे
19. श्रीमती प्रीति पाण्डे
20. श्री विजय कुमार
21. श्री प्रभात
22. श्री रमेश चन्द्र (चचा कम्पनी)
23. श्री अवधेश
24. श्री रमेश चन्द्र (बुल्ली गुरू)

वाह–

25. श्री प्रहलाद चन्द्र
26. श्रीमती निरंजनी
27. श्री शिवनारायण
28. श्री जुगल किशोर
29. श्री भूदेव प्रसाद

चन्द्रपुर–

30. श्री रविन्द्र नाथ
31. श्री यागेश्वर प्रसाद
32. श्री ललित किशोर
33. श्री नानक चन्द्र
34. श्री रमाकान्त
35. श्री शशिकान्त
36. श्री सतीश चन्द्र

इटावा–

37. श्रीमती शांति देवी चतुर्वेदी
38. श्रीमती विनोदिनी देवी चतुर्वेदी
39. श्रीमती दया चतुर्वेदी
40. श्रीमती शारदा चतुर्वेदी
41. श्रीमती अभिलाषिनी चतुर्वेदी
42. श्री मोहनस्वरूप चतुर्वेदी
43. श्री चंद्र किशोर चतुर्वेदी
44. श्री अरुण कुमार चतुर्वेदी
45. डॉक्टर गुलाब चतुर्वेदी
46. श्री सतीश चतुर्वेदी एडवोकेट
47. श्री राजकुमार चतुर्वेदी शिवी चाचा

जसवंतनगर–

48. श्रीमती पुष्पा चतुर्वेदी
49. श्री हृदयनाथ चतुर्वेदी
50. श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी
51. श्री सूर्यकांत चतुर्वेदी
52. श्रीमती कामिनी चतुर्वेदी
53. श्रीमती गीता चतुर्वेदी

भदावर दर्शन यात्रा 2023 में सम्मानित सदस्यों की फोटो

'सौजन्य से पीयूष पाणि''

भदावर दर्शन यात्रा 2023 में सम्मानित सदस्यों की फोटो

'सौजन्य से पीयूष पाणि''

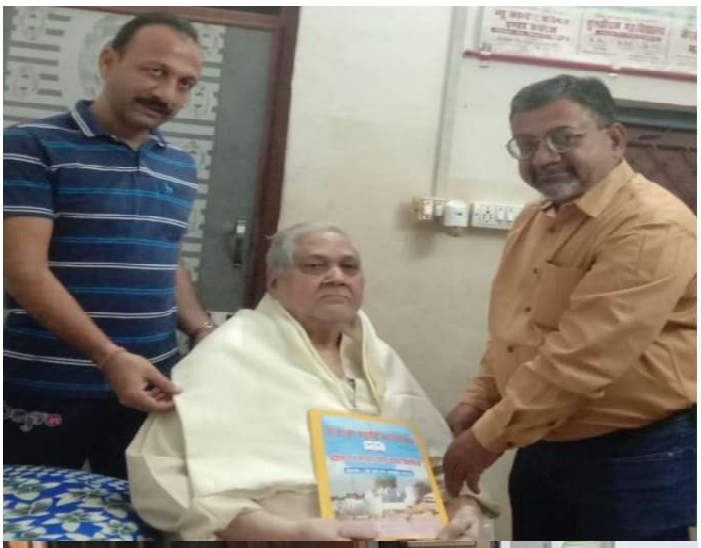

भदावर दर्शन यात्रा 2023 में सम्मानित सदस्यों की फोटो

'सौजन्य से पीयूष पाणि''

भदावर दर्शन यात्रा 2023 में सम्मानित सदस्यों की फोटो

'सौजन्य से पीयूष पाणि''

नववर्ष

नववर्ष तुम्हे मंगलमय हो,
नव ऊर्जा का संचार रहे।
नव सूरज की नवल किरण,
नव जीवन का श्रृंगार करे
नववर्ष तुम्हें .....
नव प्रभात का नव प्रकाश,
सुअवसरों को प्रकाश मिले ।
नवपुष्प सजाये बगिया को,
पथ प्रगति शील निर्माण करे।
नववर्ष तुम्हें.....
नव कीर्ति जुड़े यश, वैभव में,
चहुँ ओर शान्ति का गीत बजे ।
विश्व शान्ति का दे सन्देशा,
वो ही मधुरिम संगीत बने।
नववर्ष तुम्हें.....
अभय दान हो संतों को,
आशीषों का भी अंश मिले।
भूमि मुस्काकर नभ देखे,
बिटियों को सुरक्षा कवच मिले ।
नववर्ष तुम्हें.....
नवतिथि में घर घर खुशी नयी,
हर घर में बिखरे खुशहाली।
बैरागी मन की यही कामना,
हर दिशा मे बिखरे हरियाली ।
नववर्ष तुम्हें.....

सूर्य कान्त चतुर्वेदी (मोहन बैरागी)
(पुरा /टूण्डला/रिसड़ा)

राम की नगरी अयोध्या.....।

सृजन की नई राह अयोध्या,
उमंग, उल्लास की,
नई रोशनी अयोध्या।
अवधपुरी की गलियां ,
शुभ मंगल गान गाती अयोध्या।
हिन्दू सनातन धर्म की
अलख जगातीं अयोध्या।
जनवरी 2024 में विश्व पटल पर,
फिर जगमगाईं अयोध्या ।
घर घर दीप जला कर
पर्व मनाती अयोध्या
भक्ति भाव जगाती अयोध्या ।
राम का भव्य मंदिर
दर्शन कराती अयोध्या
विश्व शांति पाठ पढ़ाती अयोध्या
सरयू की लहरें, सूर्य किरणें स्वागत में
पलक पांवड़े बिछाए अयोध्या।
आते मेहमान, सजती राम की नगरी अयोध्या।
वैदिक मंत्रोच्चार गूंजे अयोध्या,
विश्व शांति शुभ मंगल गान,
प्रेम के गीत गाती अयोध्या।
नई तरंगें ,नई आभा लाती अयोध्या।
धन्य हो रही, प्रभू राम की नगरी अयोध्या।

शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी
94, चौबान मुहल्ला जिला फिरोजाबाद
उत्तर प्रदेश पिन कोड 283203

नए साल में

नये साल में,
नई उमंगें लायेंगे।
जीवन में
अद्भूत तरंगे लाएंगे।
नव उत्थान लिए
नवकुसुम बनकर,
हर्षोल्लास सबके
मन में भर लायेंगे।
नया संकल्प
नयी राह दिखाकर
सबके मन को
नयी राह दिखाकर
नव किरण की
हर्षमय उल्लास लेकर
नव अंकुर बन
नवीन उत्कर्ष भर,
नई सोच की
नवल पद्धति लायेंगे।
नई ज्योति से,
नववर्ष में मुस्कुरा कर
सबके पथ ,
फूलों से भर लाएंगे।
नये साल में
नयी उमंगें लाएंगे।
जीवन को अद्भुत
तरंगों से महकाएंगे।।

शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी
94, चौबान मुहल्ला
जिला फिरोजाबाद उत्तर
प्रदेश पिन कोड 283203

खो गयी वो चिट्ठियाँ

"खो गयी वो....."चिठ्ठियाँ" जिसमें
"लिखने के सलीके" छुपे होते थे
"कुशलता" की कामना से शुरू होते थे
बडों के "चरण स्पर्श" पर खत्म होते थे...!!
"और बीच में लिखी होती थी "जिंदगी"
नन्हें के आने की "खबर"
"माँ" की तबियत का दर्द
और पैसे भेजने का "अनुनय"
"फसलों" के खराब होने की वजह...!!
कितना कुछ सिमट जाता था एक
"नीले से कागज में"...
जिसे नवयौवना भाग कर "सीने" से लगाती
और "अकेले" में आंखो से आंसू बहाती !
"माँ" की आस थी "पिता" का संबल थी
बच्चों का भविष्य थी और
गाँव का गौरव थी ये "चिठ्ठियां"
"डाकिया चिठ्ठी" लायेगा कोई बाँच कर सुनायेगा
देख देख चिठ्ठी को कई कई बार छू कर चिठ्ठी को
अनपढ भी "एहसासों" को पढ़ लेते थे...!!
अब तो "स्क्रीन" पर अंगूठा दौडता हैं
और अक्सर ही दिल तोडता है।
"मोबाइल" का स्पेस भर जाए तो
सब कुछ दो मिनट में "डिलीट" होता है...
सब कुछ "सिमट" गया है 6 इंच में
जैसे "मकान" सिमट गए फ्लैटों में
जज्बात सिमट गए "मैसेजों" में
"चूल्हे" सिमट गए गैसों में
और इंसान सिमट गए पैसों में।।

श्रीमहाविद्या जी की आरती

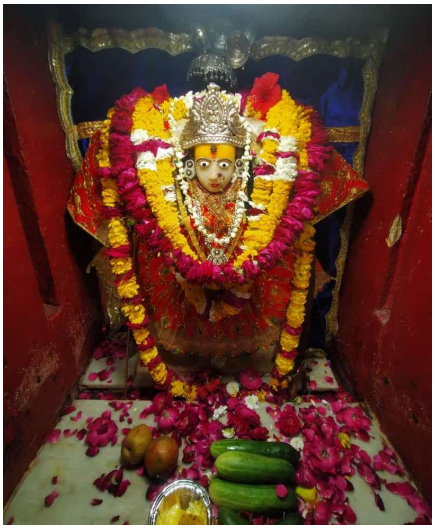

जै जै श्रीमहाविद्या मईया, सकट में धीर धरैया
भक्तन के कारज सारती। ओ मईया हम सब उतारें तेरी आरती।।1
ऊचे पवंत पर बास तुम्हारौ, लाल ध्वजा फहरावै
हरीयल नीम तेरे द्वारे ठाढौ, लहर लहर लहरावै।। 2
सन्मुख है शिव विश्वरचौया, विजयाके चक्क छनैया,
डरते हैं कपटी पापी स्यारथी।। 3 ओ मइया ।।
ध्वजा नारियल पान सुपाड़ी तेरी भेंट चढाबै
तारन तरनी वेदन वरनी प्रथम तोय मनावै
अटकी मझधार में नैय्या, नैय्या की तू ही खिवेया ।।4
तू ही विपदा के लिए टारती ।।ओ मईया
तेरे मन्दिर में बैठे सब वेद ब्राह्मण वाँचौ, वामन भैरों,
छप्पन कलुआ चौसठ योगिन नचौं भैरव है
सलाह करैया,लाँगुर संग चलै लड़ैया।। 5
झाँकी में झलक अनौखी मारती ।।ओ मईया
खंग खप्पर त्रिशूल धारनी, भूरे सिंह सवारी
तेरे द्वार से जाय न खाली,राजा रंक भिखारी
तू सबकी लाज रखैया, दुष्टन की शान घटैया
बैरिन के मान हमेशा मारती ।। 6 ओ मईया ।।
सप्तपुरिन की मुकुटमणि वैभव भव सुखमयधाम
रजधानी श्रीकृष्ण की मथुरा देवि प्रनाम ।। 7
श्रीमहाविद्ये लल्लिप्रभा महाकालि चामुन्ड ।
मल्ला लक्ष्मी चर्चिका सरस्वती तहँ कुन्ड ।।8

पं.कामेश्वरनाथ गुरु

श्रीयमुना जी की आरती

जय जय श्रीयमुना, मा जय जय श्रीयमुना मा।
जोतां जन्म सुधार्यो धन्य धन्य तमे धन्य मा....जय जय ।।1
शामलडी सूरत मा,मूरत माधुरी मा
प्रेम सहित पटराणी पराक्रमे पूरां मा..जय जय।। 2
गहेवर वन चाल्या मा, गंभीरे धेर्यां मा
चूंदडीअ चटकालं पहेर्या नव लहेर्यां जय जय।। 3
भुजकंकण रुडां मा, गुजरीया चुडी मा
बाजुबंधने बेरखा पहोची रत्नजडी जय जय।। 4
झांझरने झमके मा, विंछियाने ठमके मा
नूपुरने नादे मा घुघरीनी घमके जय जय।। 5
सोल शृंगार सज्या मा,न कवेसर मोती मा
आभरणमां ओपो छो दर्पण मुख जोती..जय जय।।6
तट अन्तर रूडां मा,शोभित जल भरियां मा
मनवांछित मुरलीधर सुन्दर वर वरियां..जय जय।। 7
लाल कमल लपटाणा,जोवाने ग्यातां मा
कहे माधव परकम्मा व्रज करवा ग्यातां..जय जय।। 8

पं.कामेश्वरनाथ गुरु

शोक संवदेना

श्री गोपाल किंकर चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री इंजी. मुक्ताप्रसाद चतुर्वेदी चन्द्रपुर, कानपुर/आगरा का निधन दिनांक 5 सितम्बर 2023 को आगरा में हो गया वह लम्बे समय से बीमार चल रहे थे।

डॉ0 बृजभूषण चतुर्वेदी की पत्नी श्रीमती सुनीता चतुर्वेदी का निकुंजवास दिनांक 22 नवंबर 2023 को हो गया है।

श्रीमती माधुरी चतुर्वेदी, पत्नी स्व0 पद्माकर राव चतुर्वेदी (धुन्धू दद्दा) (ग्राम होलीपुरा/कानपुर) का निधन 90 वर्ष की आयु में 25 नंबम्बर की सुबह अपने निज निवास 8/107 आर्य नगर, कानपुर में हो गया है।

हमारे अनुज केशदेव की पत्नी श्री मती सुधा चतुर्वेदी पत्नी श्री केशव देव चतुर्वेदी निवासी कुंआ गली मथुरा का आकस्मिक देहावसान अटेक पड़ने से उनके निज निवास पर हो गया था।

श्रीमती बीना चतुर्वेदी पत्नी श्री गिरीश चतुर्वेदी का स्वर्गवास दिनांक 15.12.2023 को हो गया है।

श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी (बेबी) पत्नी श्री राकेश चतुर्वेदी (फरौली/दिलशाद गार्डन, दिल्ली) का निधन लगभग 62 वर्ष की आयु में 4 जनवरी को दिल्ली में हो गया है।

श्रीमती नर्मदा जी, पत्नी स्मृतिशेष कुलपति राय जी, चन्द्र पुर, गोमती नगर विस्तार, का 30 दिसंबर 2023 को अनन्त यात्रा पर गमन हो गया, आपने 95 वर्ष की आयु पायी।

कुमारी अदिति चतुर्वेदी पुत्री श्री मनीष चतुर्वेदी (तालगांव) एवं प्राची चतुर्वेदी (मैनपुरी निवासी श्री सुमन्त चतुर्वेदी की पुत्री बहूजी परिवार) का 29 दिसंबर 2023 को प्रातः 8.30 बजे एल एन जे पी अस्पताल दिल्ली में स्वर्गवास हो गया है। अदिति की उम्र लगभग 7 वर्ष थी।

कुमारी नीतू पुत्री स्वर्गीय डॉक्टर शंभू नाथ जी(पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी लखनऊ विश्व विद्यालय) का निधन दिनांक 30 दिसंबर 23 को अपने भाई निशांत जी के आवास पर कानपुर में हो गया है।

श्रीमति प्रतिभा चतुर्वेदी पत्नि स्व. श्री भरत चतुर्वेदी, भरत स्मृति, न्यू पोस्ट ऑफिस रोड, कोटा का आकस्मिक निधन 28 दिसंबर की मध्य रात्रि कोटा में हो गया है। आप छिपेटी इटावा निवासी स्वर्गीय साक्षी गोपाल जी की बेटी व स्वर्गीय श्री प्रभात जी की बड़ी बहिन थी।

राजीव नाथ सुपुत्र स्वर्गीय प्रेम नाथ (बुल्ला जी) का दुखद निधन 47 वर्ष की अल्प आयु में 25 दिसम्बर की रात्रि को मथुरा में हो गया है। प्रेम नाथ जी का निधन हुए अभी दो माह का समय भी पूर्ण हुआ है तब तक यह वज्रपात हो गया।

श्रीमती विभा पत्नी श्री फणींद्र नाथ चतुर्वेदी, पिनाहट, विकास नगर लखनऊ का स्वर्गवास , दिनांक 25 दिसंबर 2023 को लखनऊ में हो गया है।

ईश्वर दिवंगत पुण्य आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें एवं इनके परिवार को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

ओम शांति शांति ओम

शोक संवदेना

बड़ा गाँव, मोरार, ग्वालियर के निवासी एक्टर श्री यतेंद्र कुमार चतुर्वेदी जी, जो की ZEE TV Serial मिठाई में कार्यरत रहे, का दिनांक 17 दिसंबर प्रातः अचानक देहांत हो गया है, भगवान उनकी आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें।

दि.16–12–2023 (शनिवार) दोपहर 03.00 बजे हमारी आदर्णीय चाची जी सुबोधनी देवी पत्नी श्री शरद चन्द्र चतुर्वेदी का ग्राम व पोस्ट–फरौली,जिला–कासगंज में स्वर्गवास हो गया।

श्री रविंद्र नाथ चतुर्वेदी पुत्र स्व रामदास चतुर्वेदी (पिनाहट/इलाहाबाद) का देहांत दिनांक 15–12–2023 की मध्य रात्रि 1.00 बजे उनके निज निवास प्रीतम नगर, इलाहाबाद में हो गया।

श्रीमती बीना चतुर्वेदी पत्नि श्री गिरीश चतुर्वेदी, 55/147, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर का आकस्मिक निधन दिनांक 15 दिसंबर को हो गया है।

श्री गंगानाथ चतुर्वेदी (इटावा/साहिबाबाद) पुत्र स्व श्री प्रतापनारायण चतुर्वेदी (इटावा/इलाहाबाद), 1/68, ब्लॉक 1, सेक्टर 2, राजेंद्रनगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद का निधन हो गया है।

श्रीमती शारदा चतुर्वेदी पत्नी स्वर्गीय वीरेंद्र नाथ जी टीटीई इटावा का निधन दिनांक 12 दिसंबर को हो गया है भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

श्री शरद चतुर्वेदी तंबाकू वाले मिश्राना मोहल्ला मैनपुरी आज दिनांक 9 दिसंबर को सुबह निधन हो गया है।

श्री दीपक मिश्रा (गुड्डू जी) पुत्र स्वर्गीय रमेश चंद मिश्रा एडवोकेट का दिनांक 8 दिसंबर 23 को स्वर्गवास हो गया है। श्री दिनेश चंद्र मिश्रा जी मैनपुरी/आगरा के छोटे भाई थे।

श्री कृष्ण कुमार चतुर्वेदी उर्फ केशव जी पुत्र स्वर्गीय द्वारका प्रसाद चतुर्वेदी का निधन हो गया है। वह अपने छोटे बेटे अनिल चतुर्वेदी के पास काफी समय से सोनीपत, हरियाणा में रह रहे थे। आप फतेहपुर करखा शिकोहाबाद निवासी थे।

श्री राधाकृष्ण चतुर्वेदी फरौली निवासी पटना प्रवासी का दिनांक 2 दिसंबर 23 को सुबह 4 बजे पटना मे प्रभु के श्री चरणों मे गोलोकवासी हो गए।

अजय चतुर्वेदी पुत्र स्वर्गीय श्री ओंकारनाथ चतुर्वेदी (तरसोखर/भिंड) का निधन दिनांक 1 दिसंबर 2023 की शाम को घियाई मोहल्ला भिंड स्थित उनके आवास पर हो गया है।

ईश्वर दिवंगत पुण्य आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें एवं इनके परिवार को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

ओम शांति शांति ओम

गौरव के पल

अयोध्या में नव निर्मित मंदिर एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में चतुर्वेदी समाज के दो युवाओं का योगदान

आयुष्मान प्रनव चतुर्वेदी पुत्र श्री पुरूषोत्तम जी चतुर्वेदी मुंबई की राष्ट्रीय महत्व की फिल्म 'श्री राम जन्म भूमि' जिसका महूर्त २२ जनवरी को पूरे भारत में होने वाला है। उसके अन्तिम गीत जिसके बोल हैं

'राम के हृदय में एक हैं सारे,
आओ मिलकर गायें बजाये
खुशियों के दीप जलायें।'

जिसे प्रणव ने खुद लिखा है और संगीत दिया है ३ बार ग्रेनी पुरस्कार विजेता श्री रिंकी क्रेज और श्री सोनू निगम व पद्म श्री मालिनी अवस्थी ने गाया है। उसका अन्तिम दृश्य का मंचन आज साकेत वासी स्वरूप जुहू वासियों ने अरब सागर के तट पर किया।

इसकी मूल भावना यह थी कि राजा राम जब अयोध्या पधार चुके हैं जिनके हृदय में सब एक हैं हम उसके अनुसार चलें। इस फिल्म में योगी जी, अडवाणी जी, श्री श्री रविशंकर जी , राम जन्म भूमि न्यास के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री चम्पत राय जी व अन्य ट्रस्टी गणों, साधू सन्तों, विरोधी नेतागण, सोलिसिटरस, भू.पू न्यायाधीशों इत्यादि के महत्वपूर्ण साक्षात्कार है। फिल्म में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक मुद्दे समाहित हैं और अन्तिम संदेश कि अब राम आ चुके हैं अतः सभी विरोध, गतिरोध अब समाप्त हों प्रणियों में सद्भावना हो सत्य की जय हो। जय श्री राम।

चि. नीलाभ चतुर्वेदी कक्षा 12वीं छात्र एसजीएम इंटरनेशनल स्कूल कानपुर द्वारा आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले राम उत्सव कार्यक्रम के लिए तैयार किया गया है जिसमें चि. नीलाभ चतुर्वेदी का शानदार अभिनय एवं गायिकी की अनुपम प्रस्तुति। इस गाने के बोल हैं–

अयोध्या में राम के दीवानों ने डेरा डाला है।
देखो देखो राम नाम की धुन में वो मतवाला है।

आयुष्मान नीलाभ चतुर्वेदी श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के सम्माननीय राष्ट्रीय महामंत्री संगठन श्री प्रणव चतुर्वेदी 'चेतन' एवं श्रीमती मोहिता चतुर्वेदी के लाडले पुत्र हैं। नीलाभ को अनंत मंगलकामनाएं एवं शुभाशीष ।

KC EVENT & CATERS

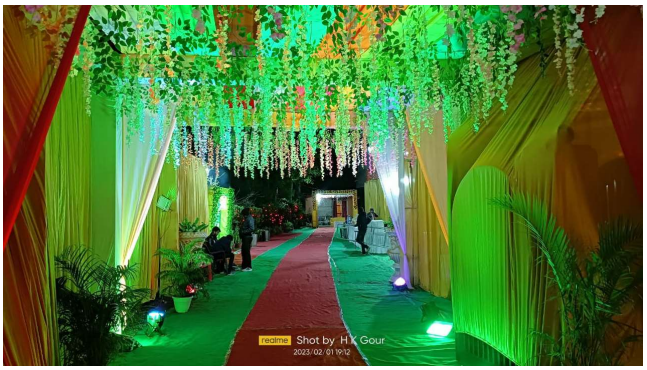

Tarun Chaturvedi 9826530965

Madhur Chaturvedi 8871710051

Mayur Chaturvedi 8871710050

Addres- 1. vashay samaj bhavan vneet kunj kolar
2.Gangour bhavan DK2 oblic16 near post office danish kunj

चतुर्वेदी मैटरनिटी एण्ड जनरल हॉस्पिटल

डॉ. मीनाक्ष चतुर्वेदी
बी.एस.सी., एम.बी.बी.एस.
एम. आर. सी जी. पी. (यु.के.)
(फिजिशियन एण्ड सर्जन)
रजि. नं. 8440

डॉ. अंजना चतुर्वेदी
एम.बी.बी.एस.
डी.सी.एच. (गोल्ड मेडलिस्ट)
पी जी डी एम सी एच
रजि. नं. 9179

- पैकेज -
(समस्त खर्चों सहित)

- सीजेरियन ऑपरेशन ₹ 30000/- मात्र में
- चीरा रहित बच्चेदानी का ऑपरेशन ₹ 35000/- मात्र में
- दूरबीन पद्धति से पित्त की पथरी का ऑपरेशन ₹ 35000/- मात्र में

पाइल्स (बवासीर), फिशर व फिश्चुला का अत्याधुनिक तकनीक
(इन्फ्रारेड किरण व रेडियो फ्रिक्वेंसी ऐबलेशन द्वारा उपचार)

अधिकृत चिकित्सक
खाद्य आपूर्ति निगम
हुडको
म.प्र. इलेक्ट्रानिक निगम
हस्तशिल्प विकास निगम

श्रीमती लाडोदेवी (दादी) स्मृति में
75 वर्ष से ऊपर एवं विकलांग को निःशुल्क परामर्श

इमरजेन्सी सुविधा 24 घंटे उपलब्ध

पुल बोगदा, रायसेन रोड, भोपाल (म.प्र.) फोन : 2756397, मो. 9977503188
रोजाना मिलने का समय - प्रातः 10.30 बजे से 1.30 बजे तक, शाम 6.30 बजे से 9.30 बजे तक

चतुर्वेदी समाज के गौरव

स्व0 श्री विशम्भर नाथ चतुर्वेदी

जी.डी.ए., आर.ए., एफ.सी.ए.
आधुनिक प्रगतिशील चतुर्वेदी समाज के प्रकाश स्तम्भ
युग प्रवर्तक सम्पूर्ण भारत वर्ष के चतुर्वेदी समाज के
प्रथम चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट
समाज में आर्थिक प्रगति की गंगा लाने वाले भागीरथ
पूर्व सभापति– सेन्ट्रल इन्डिया इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
पूर्व अध्यक्ष– आयकर विभाग कानपुर बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– कानपुर बिक्रीकर बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– प्रेम क्लब कानपुर
संस्थापक– बी0एन0 चतुर्वेदी एन्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
संस्थापक चतुर्वेदी विश्वम्भरनाथ
सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय, मथुरा

स्व0 श्री अमरनाथ विशम्भर नाथ चतुर्वेदी

एम.ए. (अंग्रेजी साहित्य) एल.एल.वी., एफ.सी.ए.
पूर्व सभापति– सेन्ट्रल इन्डिया इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
पूर्व अध्यक्ष– कानपुर आयकर विभाग बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– कानपुर बिक्रीकर बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– प्रेम क्लब कानपुर
पूर्व अध्यक्ष– चतुर्वेदी विश्वम्भरनाथ सार्वजनिक पुस्तकालय एवं
वाचनालय, मथुरा

लेखक
सत्यं परं धीमहि

पूर्वजों को नित्य नियम नमन एवं समस्त चतुर्वेदी समाज का अभिनन्दन एवं शुभकामनाओं सहित
बृजमोहन अमरनाथ चतुर्वेदी, मोहित बृजमोहन चतुर्वेदी,
चि0 शिव नारायण मोहित चतुर्वेदी, "बृज अमर फाउंडेशन"

चतुर्वेदी हाउस	श्याम निकुंज	32, जौली मेकर चैम्बर 2	बृज अमर विश्व भवन
24/67, बिरहाना रोड	113/32 स्वरूप नगर	नरीमन पाइंट	श्याम घाट
कानपुर- 208001	कानपुर- 208001	मुम्बई-400021	मथुरा-281001

PT. DEEN DAYAL UPADHYAYA SANATAN DHARMA VIDYALAYA

Congratulations

OUR SCHOOL SECURED
1ST POSITION IN
NATIONAL OPEN TAEKWONDO CHAMPIONSHIPS

HARSH CHATURVEDI of UTTAR PRADESH has successfully participated and secured GOLD medal in KYORUGI in 2023 National Open Freshers Taekwondo Championship held from 5th to 8th October 2023 at Noida Indoor Stadium, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh.

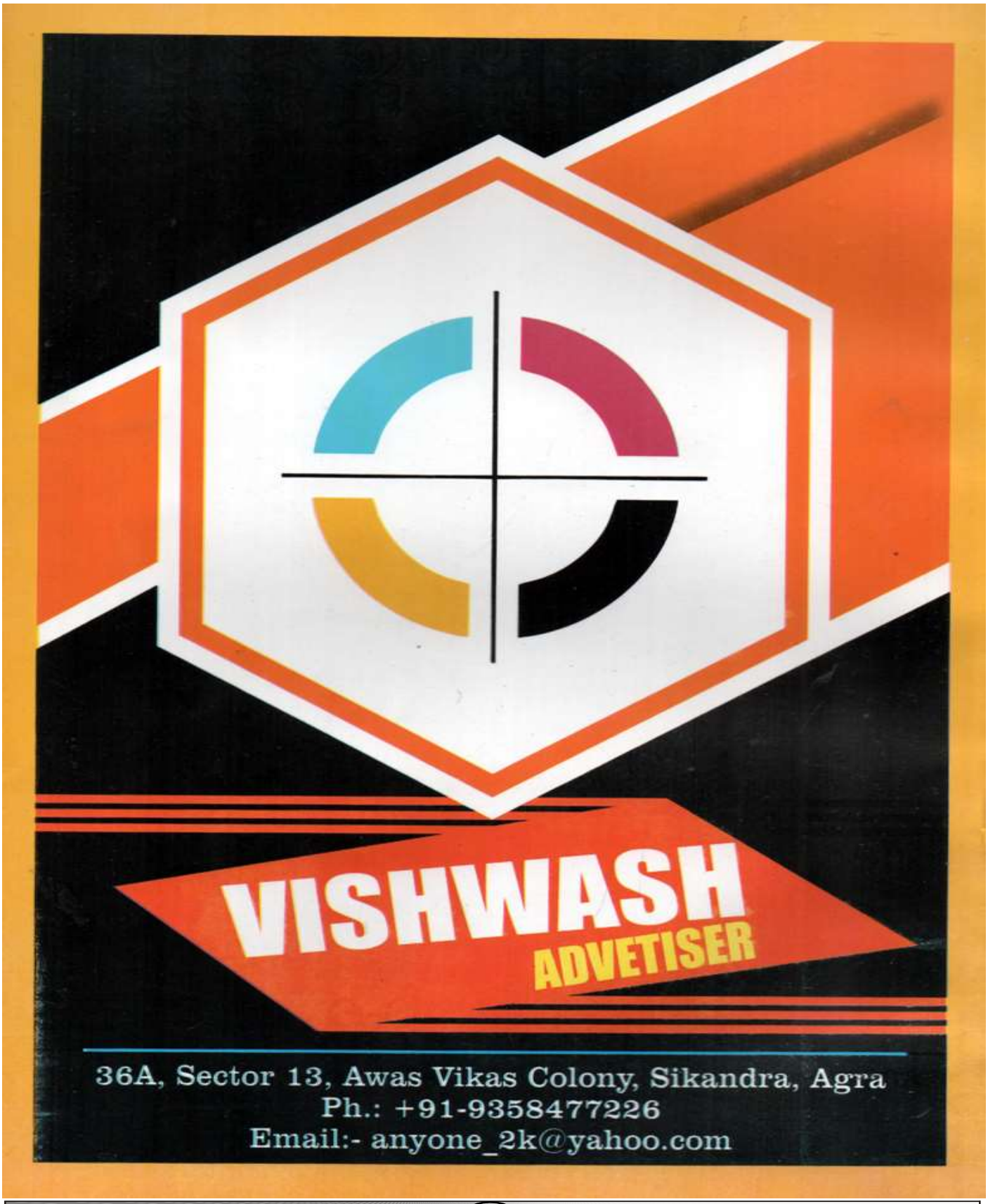
VISHWASH
ADVETISER
36A, Sector 13, Awas Vikas Colony, Sikandra, Agra
Ph.: +91-9358477226
Email:- anyone_2k@yahoo.com